শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 322 | गुवाहाटी | बुधवार, 21 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

दरंग जिले के 197 गांव बाढ़ की चपेट में पेज 3
भगवान जगन्नाथ यात्रा का हुआ शुभारंभ, राष्ट्रपति मुर्मू व पीएम ने दी बधाई पेज 4
अब भारत में पीओके का विलय चाहते हैं वहां के लोग : योगी पेज 5
174 करोड़ की लागत से प्रदूषित पानी शोधित कर होगा रिसाईकिल पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या ही निर्धन का धन है।
– आचार्य चाणक्य

रथ यात्रा में धक्का-मुक्की, 50 से अधिक लोग घायल, पांच गंभीर

भुवनेश्वर। जगनाथ पुरी में रथ यात्रा की धूम के बीच धक्कामुक्की की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि पुरी रथ यात्रा में बलभद्र के ताल ध्वज रथ खींचते समय मर्चीकोट चौक पर धक्का-मुक्की से अफरातफरी मच गई। इसमें 50 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को पुरी जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। खबर के मुताबिक, पुरी में रथ खींचते समय भक्तों में धक्कामुक्की हुई। इससे धक्का लगने से कुछ लोग नीचे गिर गए और उन्हें कुचलते हुए लोग निकल गए। घायलों को पुरी सदर मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मरीचिकोट चौराहे पर हुई। बड़ी संख्या में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के गिरने के बाद वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया। नीचे गिरे लोगों को बचाने की कोशिश की। घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां सभी का इलाज चल रहा है। इनमें एक विदेशी श्रद्धालु भी बताया जा रहा है। वहीं, इससे पहले जगन्नाथ महाप्रभु के पहंडी के दौरान प्रभु रथ पर चढ़ाते समय सीढ़ी से फिसलने के कारण 6 सेवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, इन सेवकों को प्राथमिक उपचार के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। सभी सेवक स्वस्थ बताए जा रहे हैं। रथयात्रा के दौरान पुरी जगन्नाथ धाम में भीषण गर्मी के कारण भक्तों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी और उमस के चलते कई युवक और महिलाएं बेहोश हो गईं। मौके पर मौजूद स्वयंसेवकों के द्वारा सभी को पुरी सदर अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को छोड़ दिया गया है। महाप्रभु की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा देखने के लिए पूरी में लाखों की संख्या में भक्तों का समागम हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, 10 लाख से अधिक श्रद्धालु जगन्नाथ धाम की रथयात्रा में शामिल हुए हैं। ऐसे में भक्तों को गर्मी और उमस से बचाने के लिए उनपर पानी के फव्वारे से छिड़काव किया जा रहा है। पुरी जगन्नाथ धाम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। 180 प्लाटुन पुलिस फोर्स पुरी शहर एवं आस-पास क्षेत्रों में तैनात की गई है। इसके अलावा जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बड़दांड के दोनों तरफ मौजूद घरों पर शूटर तैनात किए गए हैं। पुरी जगन्नाथ धाम में प्रवेश करने वाले तमाम वाहनों को तलाशी लेकर छोड़ा जा रहा है।

असम में एससी-एसटी कोटे की सीटें बढ़ीं

नई दिल्ली। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम की सीटों के परिसीमन का ब्यौरा सार्वजनिक किया है। इसके साथ ही आयोग ने 11 जुलाई तक सुझाव और आपत्तियां भी मांगी हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि असम में विधानसभा सीट की संख्या 126, लोकसभा सीट की संख्या 14 पर बरकरार रखी गई है। चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रस्ताव में कहा गया है कि असम में अनुसूचित जनजाति के लिए 19 विधानसभा और 2 लोकसभा की दो सीट, अनुसूचित जाति के लिए नौ विधानसभा सीट और एक संसदीय सीट आरक्षित रखी गई है। आयोग ने असम में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित विधानसभा सीट को 8 से बढ़ाकर 9 कर दी हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति की सीट 16 से बढ़ाकर 19 करने का प्रस्ताव है। असम परिसीमन पर चुनाव आयोग के मसौदे में काजीरंगा नामक एक संसदीय सीट का प्रस्ताव है।

दरियापुर में रथयात्रा के दौरान बालकनी गिरने से 11 घायल

अहमदाबाद। गुजरात के दरियापुर में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान हादसा हो गया है। बताया जा रहा है कि रथ यात्रा के दौरान एक इमारत की बालकनी गिर गई, जिसमें करीब 11 लोग घायल -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री के नाम न बताने पर छोटे भाई से करा दी शादी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र इलाके में एक अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया। जिसमें शादी हो जाने के बाद सुबह खिचड़ी की रस्म के दौरान दूल्हे से सालियों ने कई प्रश्न किए। जिसमें देश के प्रधानमंत्री का नाम पूछ लिया गया। लेकिन जब दूल्हा प्रधानमंत्री का नाम नहीं बता पाया, तो दुल्हन के परिजनों ने उसे दिमाग से हल्का बता दिया। इसके बाद मौके पर मौजूद दूल्हे के छोटे भाई से बड़े भाई की दुल्हन के साथ जबरिया शादी करा दी गई। जिसको लेकर क्षेत्र में काफी चर्चा है। आपको बता दें कि सैदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नसीरपुर गांव निवासी शिव शंकर -शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब बंगाल की राह पर, चांसलर होंगे अब मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हि.स.)। बंगाल की तर्ज पर पंजाब में अब मुख्यमंत्री ही विश्वविद्यालयों के चांसलर होंगे। पंजाब विधानसभा में मंगलवार को इस आशय का संशोधित बिल सर्वसम्मति से पारित कर दिया है। इसका नाम पंजाब एफीलिएटिड कालेज (सिक्योरिटी ऑफ सर्विस) संशोधन बिल 2023 दिया गया है। इसके साथ ही पंजाब के विश्वविद्यालयों -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह अगले साल 15-24 जनवरी तक

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में *प्राण प्रतिष्ठा* समारोह 15-24 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतिम दिन अभिषेक समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि राम मंदिर के कपाट प्राण प्रतिष्ठा के बाद भक्तों के लिए खुलेंगे। आम श्रद्धालु 25 जनवरी 2024 से मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। भव्य उद्घाटन की तैयारी अयोध्या तक ही सीमित नहीं है। सूत्रों ने कहा कि दुनिया भर में भारतीय दूतावास विभिन्न आयोजनों की तैयारी कर रहे हैं। तीन मंजिला मंदिर का भूतल अपने अंतिम चरण में है और दिवाली तक बनकर तैयार हो जाएगा। जानकारी के -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ : राज्य के दस जिलों में 30 हजार से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी। मंगलवार को असम में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर रही, जिसमें 10 जिलों के लगभग 31,000 लोगों को प्रभावित किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य में *रेड अलर्ट* जारी किया है और अगले पांच दिनों में असम के कई जिलों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। गुवाहाटी में आईएमडी के क्षेत्रीय

मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने एक *विशेष मौसम बुलेटिन* में सोमवार से 24 घंटे के लिए रेड अलर्ट जारी किया, इसके बाद अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट और गुरुवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। रेड अलर्ट का अर्थ है तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए, जबकि ऑरेंज अलर्ट का मतलब होता -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में एनएलएफ के चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर के थौबल जिले में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (एनएलएफ) के चार संदिग्ध

सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। भारतीय सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। खुफिया सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई करते हुए 19 जून की रात को लिलोंग पुलिस स्टेशन के पास एक मोबाइल वाहन चेक पोस्ट स्थापित किया था। दो अलग-अलग वाहनों में चार संदिग्ध कैडरों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा के सूत्रधार सीएम, पीएम मोदी समाधान निकालें : विपक्ष

नई दिल्ली/इंफाल। कांग्रेस समेत मणिपुर के 10 विपक्षी दलों के नेताओं ने मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह पर हिंसा का सूत्रधार होने का आरोप लगाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वह तत्काल दखल देकर जातीय हिंसा से पैदा हुए संकट का समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को जिम्मेदार ठहराया जाए। कांग्रेस, जनता दल (यूनाइटेड), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट

पार्टी (माकपा), तृणमल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) और रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) की मणिपुर इकाइयों के नेताओं ने प्रधानमंत्री कार्यालय को अपनी मांगों के संदर्भ में एक ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने 10 जून को ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर और फिर 12 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय में पत्र सौंपकर प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का -शेष पृष्ठ दो पर

काला जादू : पति-पत्नी को पेड़ से लटका कर की पिटाई

संगारेड्डी। तेलंगाना में एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को कथित तौर पर काला जादू करने का आरोप लगाते हुए पेड़ से बांधकर पीटा गया।

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दंपति को पेड़ से बांधे जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर नजर आया। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। कथित तौर पर यह घटना सदाशिवपेट पुलिस थाना क्षेत्र के कोलकुरु गांव में दो दिन पहले हुई। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने यादैया और उसकी पत्नी श्यामम्मा पर काला जादू करने का आरोप लगाया। ग्रामीणों का एक समूह उनके घर में घुस गया और उन्हें घसीटते हुए गांव में एक स्थान पर -शेष पृष्ठ दो पर

एडीआर ने चुनाव आयोग से राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। चुनाव सुधार समर्थक समूह ने चुनाव आयोग से पिछले कुछ वर्षों में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने में विफल रहने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया है। चुनाव आयोग को लिखे पत्र में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने उल्लेख किया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए दिशा-

निर्देशों के बाद केंद्रीय और राज्य चुनाव स्तर पर राजनीतिक दलों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपनी वेबसाइटों पर अपराधों की प्रकृति सहित लंबित आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों के बारे में विस्तृत जानकारी अपलोड करें। राजनीतिक दलों को ऐसे उम्मीदवारों के चयन के कारण भी बताने होंगे और यह भी बताना होगा कि बिना आपराधिक पृष्ठभूमि वाले अन्य व्यक्तियों को उम्मीदवारों के रूप में क्यों नहीं चुना जा सकता। एडीआर द्वारा 19 जून को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि सबसे पहले यह -शेष पृष्ठ दो पर

जेकेएलएफ के कार्यालय के दरवाजे पर राष्ट्रीय ध्वज

श्रीनगर (हि.स.)। व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता संदीप मावा ने मंगलवार को श्रीनगर के डाउनटाउन इलाके में प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के कार्यालय के दरवाजे पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया। उन्होंने बताया कि कुछ समर्थकों के साथ आतंकवादियों के निशाने पर रहे मावा ने श्रीनगर के बोहरी कदल इलाके में जम्मू एवं कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के कार्यालय के मुख्य दरवाजे पर तिरंगा लगा दिया। जेकेएलएफ के कार्यालय -शेष पृष्ठ दो पर

नकली दवाओं पर 71 कंपनियों को नोटिस जारी किए गए : मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि भारत नकली दवाओं के मामले में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का पालन करता है। उन्होंने कहा कि खांसी रोकने के लिए भारत निर्मित सीरप के कारण कथित मौतों के बारे में कुछ हलकों में

चिंता व्यक्त किए जाने के बाद 71 कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उनमें से 18 को बंद करने को कहा गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि देश में गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए लगातार व्यापक विश्लेषण किया जाता है, और सरकार तथा नियामक हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहते हैं कि नकली दवाओं के कारण किसी की मौत न हो। उन्होंने कहा कि हम दुनिया की फार्मेसी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिमांशु तालुकदार को दिल्ली पैंजर्स का महाप्रबंधक नियुक्त

गुवाहाटी। असम के हिमांशु तालुकदार को प्रीमियर हैंडबॉल लीग (पीएचएल) में प्रतिस्पर्धा करने वाली दिल्ली पैंजर्स टीम का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है, जो दिल्ली और हरियाणा में स्थित है। यह उल्लेख किया जा सकता है कि पी एच एल भारत की पहली पेशेवर पुरुषों की हैंडबॉल लीग है। पूरे भारत के विभिन्न शहरों का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रैंचाइज़-आधारित मॉडल छह टीमों के साथ पी एच एल का उद्देश्य देश में हैंडबॉल में क्रांति लाना है। लीग पहले से ही 8 जून से शुरू हो रही है और 25 जून, 2023 को समाप्त होगी। हिमांशु को पहले सीज़न के लिए नियुक्त किया गया है और वह अपनी नई भूमिका में योग्यता और अनुभव का एक अनूठा मिश्रण लेकर आए हैं। जबकि उनके पास इंजीनियरिंग की डिग्री है, उनका असली जुनून खेलों में है। पूर्व टेबल-टेनिस खिलाड़ी के रूप में एक शानदार पृष्ठभूमि के साथ, हिमांशु ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार हासिल किए। अपने प्रभावशाली पोर्टफोलियो को जोड़ते हुए, हिमांशु तालुकदार ने इंडियन कॉलेजिएट एथलेटिक प्रोग्राम (आईसीएपी) की स्थापना की, जो एक वित्त पोषित धारा 8 गैर-लाभकारी पहल है, जिसने युवा प्रतिभाओं का पोषण किया है और कॉलेजिएट स्तर पर खेलों के विकास में योगदान दिया है। यूनाइटेड बास्केटबॉल एलायंस और व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया एसोसिएशन सहित महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों के आयोजन में उनकी भागीदारी से खेल विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उदाहरण मिलता है। हिमांशु ने 2019 में एनबीए इंडिया गेम्स के दौरान भारत सरकार के सहयोग के लिए प्रोटोकॉल प्रमुख के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा, वह कोलकाता थंडरबोल्ट्स 2022 के हेड टीम मैनेजर भी थे, जिसने रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग का सीज़न 1 जीता था। खुशी व्यक्त करते हुए हिमांशु तालुकदार ने कहा कि मैं खेल के प्रति अपने जुनून और खेल आयोजनों के प्रबंधन में अपने अनुभव को प्रीमियर हैंडबॉल लीग में लाने के लिए उत्साहित हूं। दिल्ली पैंजर्स टीम के साथ, हमारा लक्ष्य प्रशंसकों को प्रेरित करना और उनका मनोरंजन करना है, जो पहले सीजन में एक स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। इस पर टिप्पणी करते हुए दिल्ली पैंजर्स के तीनों मालिक, विनीत भंडारी, सैलेश आर्य और रजत अग्रवाल ने कहा कि हिमांगशु के पास स्पोर्ट्स लीग संचालन का व्यापक अनुभव है और हम उन्हें अपनी टीम के जीएम के रूप में नियुक्त करने के लिए उत्साहित हैं।

एससी ने कुकी आदिवासियों को दिया झटका

सैन्य सुरक्षा की मांग पर तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के बीच कुकी आदिवासियों को झटका दिया है। मणिपुर में कुकी आदिवासियों के लिए सेना की सुरक्षा की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। बता दें कि अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक कुकी आदिवासियों के लिए सैन्य सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। एनजीओ मणिपुर ट्राइबल फोरम ने सुरक्षा की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और एम एम सुंदरेश की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि यह विशुद्ध रूप से कानून और व्यवस्था का मुद्दा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां काम कर रही हैं और तत्काल सुनवाई के लिए याचिका का विरोध किया। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए तीन जुलाई की तारीख तय की है। मणिपुर ट्राइबल फोरम ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार और मणिपुर के मुख्यमंत्री ने संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर राज्य में कुकी आदिवासियों के खिलाफ एक सांप्रदायिक एजेंडा शुरू किया है। एनजीओ ने शीर्ष अदालत से केंद्र द्वारा दिए गए खोखले आश्वासनों पर भरोसा नहीं करने का आग्रह किया और कुकी आदिवासियों के लिए सेना की सुरक्षा मांगी। बता दें कि मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच एक महीने पहले भड़की हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। मैतेई समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद तीन मई को पहली बार मणिपुर में झड़पें हुई थी। इधर, केंद्र सरकार का कहना है कि सुरक्षा एजेंसियां हालात पर नजर रख रही हैं और स्थिति को नियंत्रित करने की पूरी कोशिश कर रही हैं।

न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन का अपग्रेडेशन कार्य जोरों पर

विश्वस्तरीय मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब के रूप में किया जा रहा स्थापित

गुवाहाटी। रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए, रेल मंत्रालय ने विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के अंतर्गत भारतीय रेल के स्टेशनों के अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण की योजना तैयार की है। चिन्हित 204 स्टेशनों में से पू. सी. रेल के अंतर्गत न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन को भी बेहतर, अतिरिक्त और बढ़ी हुई यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ अपग्रेड करने के लिए चिन्हित किया गया है। अपग्रेडेशन कार्यों के लिए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। योजनानुसार सिविल निर्माण कार्य शुरू करने के लिए स्थल तैयार करने हेतु सामने के खुदरा क्षेत्रों सहित कार्यालयों आदि को नए स्थानों पर स्थानांतरित करने और पुरानी संरचनाओं को तोड़ने का कार्य प्रगति पर है। आगमन-1 टर्मिनल और विकल्प स्टेशन भवन के नींव का कार्य पूरा हो चुका है। आगमन-2 और प्रस्थान टर्मिनल के लिए कार्य जल्द ही शुरू होगा। यूटीएस सह पीआरएस काउंटरों को रेलवे बिजलीकरण के विश्राम गृह के पास रामनगर कॉलोनी रोड पर एक नए स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है। साइट ऑफिस और सम्मेलन कक्ष पहले ही चालू हो चुके हैं। एलिवेटेड रोड के लिए टेस्ट पाइल की ढलाई का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यात्रियों को हवाईअड्डे जैसा अनुभव और आराम प्रदान करने के लिए स्टेशन में विशाल कवर्ड पार्किंग क्षेत्र, 24×7 पावर बैकअप, पेयजल, वातानुकूलित लॉबी, कार्यालय, दुकानें, हाई स्पीड एस्केलेटर, लिफ्ट, एयर कॉन्कोर्स, होटल आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं एक ही समय पर उपलब्ध होंगी। आगमन और प्रस्थान करने वाले यात्रियों के बीच पूरी तरह से अलग व्यवस्था होगी। अपग्रेडेशन कार्य पूरा होने के बाद, यह स्टेशन वर्तमान में प्रतिदिन छत्तीस हजार यात्री से सत्तर हजार से अधिक यात्रियों की आवाजाही को नियंत्रण करने में सक्षम होगा। न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के संपूर्ण अपग्रेडेशन कार्य की अनुमानित लागत 334.72 करोड़ रुपये है। न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पूसी रेल के वृहत्त और सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है, जो सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में सेवा देता है। न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के अपग्रेडेशन से उत्तर बंगाल के साथ-साथ सिक्किम में यात्रा, पर्यटन आदि सहित स्थानीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। अपग्रेडेशन की इस परियोजना को 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

पिस्टल साफ करते अचानक चली गोली, व्यवसायी की मौत

धेमाजी (हिंस)। शहर के भद्रपाड़ा में मंगलवार सुबह लाइसेंसी पिस्टल साफ करने के दौरान अचानक गोली चलने से एक व्यवसायी की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी मिली है कि नगर के प्रमुख व्यवसायी सदागर बरुवा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अन्य दिनों की तरह आज भी घर से बाहर अपनी लाइसेंसी पिस्तौल साफ कर रहे थे। तभी अचानक पिस्तौल से गोली चल गई, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। कारोबारी बरुवा के बड़े बेटे डेनिस बरुवा ने इस घटना के बारे में मीडिया को जानकारी दी। बरुवा पिछले डेढ़ साल से किसी बीमारी से जूझ रहे थे, जिसकी वजह से वह शारीरिक रूप से कमजोर थे। परिवार का कहना है कि बरुवा को इलाज के लिए बुधवार को चेन्नई वापस ले जाया जाना था। इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। उनकी मौत को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

SHORT E-TENDER NOTICE
FOR SALE OF TIMBER LOTS UNDER SONITPUR WEST DIVISION, TEZPUR

This is for general information to all concerned that under the provision made in Assam Sale of Forest Produce Coupes and Mahal Rules, 1977 (Amendment Rule,2000) the timber lots lying under various Forest depot/ Ranges under Sonitpur West Division, Tezpur are intended to be sold by e-tender. The interested tenderers will participate through the web portal www.assamforestonline.in.

The details of eligibility criteria, experience, tender schedule and other terms & conditions are available in the tender documents which to be purchased and download by the bidders from the above portal from 22-06-2023 (9:30 AM).

-- Janasanyog/ C/4724/23

DIVISIONAL FOREST OFFICER
SONITPUR WEST DIVISION :: TEZPUR

पृष्ठ एक का शेष

दरियापुर में रथयात्रा...

हो गए। जानकारी के मुताबिक, रथ यात्रा के मार्ग में एक इमारत की दूसरी मंजिल की बालकनी का हिस्सा धराशाई हो गया। इस दौरान कई लोग भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के लिए नीचे खड़े थे। श्रद्धालुओं पर बालकनी की हिस्सा गिरने से भगदड़ मच गई। इस घटना में तीन बच्चों समेत 11 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि रथ यात्रा मार्ग के सभी खतरनाक और जर्जर इमारतों को अहमदाबाद नगर निगम की ओर से नोटिस दिया जाना चाहिए। कडियानाका के पास जहां यह हादसा हुआ, वह इमारत भी जर्जर थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इस मामले में प्रशासन की ओर से नोटिस दिया गया था या नहीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कडियानाका के पास एक पुराने घर में उसका मालिक तीन अन्य लोगों के साथ रथ यात्रा देखने के लिए खड़ा था। इसी दौरान अचानक वह स्लैब से नीचे गिर गया। फिलहाल 11 लोगों के घायल होने की बात बताई जा रही है। सभी को मामूली चोटें आईं हैं और कोई हताहत नहीं हुआ है। घायलों को सिविल अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। दावा यह भी किया जा रहा है कि हादसा उक्त हुआ जब जब रथ यात्रा के दौरान ट्रकों से आसपास के लोगों को प्रसाद बांटा जा रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब लोग प्रसाद लेने के लिए नीचे उतरे तो बालकनी गिर गई और कई लोग उसकी चपेट में आ गए। हालांकि, रथ यात्रा बिना किसी बाधा के आगे बढ़ रही है।

राम मंदिर के प्राण ...

मुताबिक गर्भगृह का मुख्य द्वार सोने से मढ़वाया जाएगा, उस पर भी सोने की नक्काशी होगी। मंदिर का 161 फीट ऊंचा शिखर भी सोने से मढ़ा जाएगा। मंदिर परिसर के अलावा श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र 70 एकड़ में फैला हुआ है। अयोध्या राम मंदिर में भगवान राम के बाल रूप रामलला की पूजा की जाएगी। दावा किया जाता है कि प्रधानमंत्री ने पहले तय किया था कि वह अयोध्या तभी जाएंगे जब मंदिर की नींव रखी जाएगी। एक बयान के अनुसार राम मंदिर के भूतल के निर्माण कार्य की प्रगति की हाल में निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा सहित ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा समीक्षा की गई थी। इसमें कहा गया है कि लार्सन एंड टुब्रो और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स की इंजीनियरिंग टीमों और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य की समीक्षा में हिस्सा लिया। बयान में कहा गया है कि श्री राम मंदिर, अयोध्या, के भूतल निर्माण का काम अंतिम चरण में प्रवेश कर गया है। इस काम को अक्तूबर, 2023 तक पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण का काम जोरों पर है।

बाढ़ : राज्य के दस ...

है कि कार्रवाई के लिए तैयार रहें और येलो अलर्ट का तब जारी किया जाता है, जब लोगों को हर पल अपडेट रहने के लिए कहा गया हो। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के मुताबिक, चिरांग, दरंग, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, कोकराझाड़, लखीमपुर, नलबाड़ी, शोणितपुर और उदालगुड़ी जिलों में बाढ़ के कारण 30,700 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें कहा गया है कि लखीमपुर जिला 22,000 से अधिक लोगों के साथ सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, इसके बाद डिब्रूगढ़ में 3,800 से अधिक लोग और कोकराझाड़ में लगभग 1,800 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने सात जिलों में 25 राहत वितरण केंद्र शुरू कर दिया है, हालांकि, अभी तक कोई राहत शिविर नहीं चला है। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में, 444 गांव पानी के अंदर हैं और पूरे असम में 4,741.23 हेक्टेयर फसल क्षेत्र क्षतिग्रस्त हो गई है। एएसडीएमए ने कहा कि विश्वनाथ, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कामरूप, करीमगंज, कोकराझाड़, लखीमपुर, माजुली, मोरीगांव, नगांव, नलबाड़ी, शिवसागर, शोणितपुर, दक्षिण शालमारा, तामुलपुर और उदालगुड़ी में भारी बारिश के कारण बड़े पैमाने पर कटाव देखा गया है। दीमा हसाओ, कामरूप मेट्रोपॉलिटन और करीमगंज में भारी वर्षा के कारण भूस्खलन की जानकारी मिली है। शोणितपुर, नगांव, नलबाड़ी, बक्सा, चिरांग, दरांग, धेमाजी, ग्वालपाड़ा, गोलाघाट, कामरूप, कोकराझाड़, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, करीमगंज और उदालगुड़ी में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे भी काफी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बाढ़ ने कछार, दरंग, जोरहाट, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, कोकराझाड़ और नलबाड़ी जिलों में कई स्थानों पर पानी भर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कामपुर में ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी कोपिली खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

मणिपुर में एनएलएफ ...

को एक 51 मिमी मोर्टार के साथ पकड़ा गया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सेना ने चारों संदिग्धों को पुलिस को सौंप दिया है। यूएनएलएफ मणिपुर के सबसे पुराने विद्रोही समूहों में से एक है। गौरतलब है कि राज्य में मैतई और कुकी समुदायों के बीच एक महीने पहले भड़की हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। मैतई समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* आयोजित किए जाने के बाद 3 मई को पहली बार झड़पें हुई थीं। मैतई राज्य की आबादी का लगभग 53 फीसदी हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि नगा और कुकी जाती के लोग की हिस्सेदारी 40 फीसदी है और यह पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

मणिपुर हिंसा के ...

समय भी मांगा था। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने मणिपुर के नेताओं को प्रधानमंत्री से मिलने का समय नहीं मिलने को लेकर मोदी की आलोचना की। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि बीते 10 जून से कई दलों के नेता मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी से मिलना चाह रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री के पास समय नहीं है। खुद भाजपा के नेता प्रधानमंत्री मोदी से नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि भद्दे संवाद लिखने वाले मनोज मुंतशिर शुक्ला ने कहा था कि उनसे प्रधानमंत्री मोदी बिना अपॉइंटमेंट के 45 मिनट तक मिले। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओकराम इबोबी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार खामोश क्यों है? गृह मंत्री अमित शाह ने तीन दिनों का दौरा किया, लेकिन हिंसा जारी है। फिर इस दौरे से क्या मिला? उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार सोचती है कि हम कुछ मांगने आए हैं, तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपुर में डबल इंजन सरकार पूरी तरह विफल रही है। विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री को सौंपे ज्ञापन में मणिपुर हिंसा से जुड़े घटनाक्रमों का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बीरेन सिंह हिंसा के सूत्रधार हैं, क्योंकि उन्होंने एकतरफा कदम उठाया है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री ने गत 21 मई को स्वीकार किया था कि राज्य सरकार की ओर से सुरक्षा चूक और खुफिया विफलता हुई है। उन्हें मौजूदा संकट के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि शांति बहाल करने, निरस्त्रीकरण और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाया जाए। उन्होंने कहा कि मणिपुर में कोई पृथक प्रशासन नहीं होना चाहिए और मणिपुर की एकता एवं भूभागीय अखंडता सुनिश्चित रहनी चाहिए। गौरतलब है कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गई थीं। इस हिंसा में अब तक करीब 100 लोगों की मौत हुई है और 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

काला जादू : पति-पत्नी ...

ले जाया गया। बाद में उन्हें एक पेड़ से बांधकर पीटा गया। श्यामम्मा और यादैया के रूप में पहचाने जाने वाले जोड़े को एक पेड़ से बांध दिया गया और ग्रामीणों ने पीटा। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें छुड़ाया। दंपति को मामूली चोटें आईं और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है।

एडीआर ने चुनाव...

आवेदन आयोग के समक्ष 25 सितंबर, 2018 और 13 फरवरी, 2020 के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के कार्यान्वयन में जारी इस आयोग (ईसी) के अनिवार्य निर्देशों के जानबूझकर अवज्ञा और उल्लंघन के खिलाफ दायर किया जा रहा है। एडीआर ने बताया कि शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों को ऐसे व्यक्तियों के चयन के कारणों के साथ उनके द्वारा चुने गए उम्मीदवारों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों का विवरण प्रकाशित करने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई थी। बाद में, शीर्ष अदालत ने अपने आदेशों का पालन नहीं करने के लिए 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 10 राजनीतिक दलों पर जुर्माना लगाया था। पत्र में कहा गया है, इस पृष्ठभूमि में एडीआर चूक करने वाले राजनीतिक दलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने की मांग कर रहा है। जिन्होंने त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड और कर्नाटक में हुए 2023 के विधानसभा चुनावों, 2022 में हुए गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर और पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों और 2021 में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों में भाग लिया था। चुनाव सुधार समर्थक समूह ने कहा कि मतदान पैनल को प्रत्येक चुनाव के दौरान तुरंत सुप्रीम कोर्ट को इस तरह की चूक की रिपोर्ट करनी चाहिए। पत्र में कहा गया है, आयोग को उक्त उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाने पर भी विचार करना चाहिए।

जेकेएलएफ के कार्यालय ...

5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से ज्यादातर बंद हैं। मावा ने कहा कि कश्मीरी अब देश विरोधी गतिविधियों की अनुमति नहीं देंगे। मावा ने कहा कि जेकेएलएफ 1960 के दशक से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में शामिल था, जिसका नेतृत्व मकबूल भट, यासीन मलिक, बिट्टा कराटे जैसे लोग कर रहे थे, अब हमने उन्हें करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यह एक भारतीय संस्थान है, इसलिए हम यहां देश विरोधी गतिविधियों की अनुमति नहीं देंगे। मावा ने कहा कि कश्मीरी मुसलमान और पंडित मिलकर नया जम्मू कश्मीर बनाएंगे, जहां शांति के रास्ते पर विकास और प्रगति होगी। पिछले साल तीन अगस्त को मावा ने राजबाग इलाके में हुर्रियत कांफ्रेंस के दफ्तर के गेट पर दो राष्ट्रीय झंडे लगा दिए थे।

नकली दवाओं पर...

हैं और हम सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि हम दुनिया की गुणवत्ता वाली फार्मेसी हैं। फरवरी में, तमिलनाडु आधारित ग्लोबल फार्मा हेल्थकेयर ने आंखों की अपनी दवाई की पूरी खेप को वापस ले लिया था। इससे पहले, आरोप लगा था कि पिछले साल खांसी रोकने लिए भारत निर्मित सीरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में क्रमश: 66 और 18 बच्चों की मौत हो गई। भारत ने 2022-23 में 17.6 अरब अमेरिकी डॉलर के कफ सीरप का निर्यात किया, जबकि 2021-22 में यह निर्यात 17 अरब अमेरिकी डॉलर का था। कुल मिलाकर, भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है, जो विभिन्न टीकों की वैश्विक मांग का 50 प्रतिशत से अधिक, अमेरिका में लगभग 40 प्रतिशत जेनेरिक मांग और ब्रिटेन में लगभग 25 प्रतिशत दवाओं की आपूर्ति करता है। मांडविया ने कहा कि जब भी भारतीय दवाओं के बारे में कुछ सवाल उठाए जाते हैं तो हमें तथ्यों में शामिल होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए गाम्बिया में, यह कहा गया था कि 49 बच्चों की मौत हुई है। डब्ल्यूएचओ में किसी ने यह कहा था और हमने उन्हें लिखा था कि तथ्य क्या हैं। कोई भी हमारे पास तथ्यों के साथ नहीं आया। उन्होंने कहा कि हमने एक कंपनी के नमूनों की जांच की। हमने मौत की वजह जानने की कोशिश की और पाया कि बच्चे को अतिसार था। अगर किसी बच्चे को अतिसार हुआ तो उस बच्चे के लिए कफ सीरप की सलाह किसने दी? मंत्री ने कहा कि कुल 24 नमूने लिए गए, जिनमें से चार विफल रहे। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि अगर निर्यात के लिए सिर्फ एक बैच बनाया गया था और अगर वह विफल रहता है, तो सभी नमूने विफल हो जाएंगे। यह संभव नहीं है कि 20 नमूने पास हो जाएं और चार नमूने विफल हो जाएं। फिर भी, हम सतर्क हैं। हम हमारे देश में दवाओं का गुणवत्तापूर्ण उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए जोखिम-आधारित विश्लेषण जारी रखे हुए हैं।

प्रधानमंत्री के नाम ...

पुत्र राम अवतार राम की शादी बीते 11 जून को करंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत बसंत पट्टी गांव निवासी लखेदू राम की पुत्री रंजना से तय थी। 6 महीने पूर्व लड़की पक्ष ने लड़के का तिलक चढ़ाया था। इसके बाद से ही लड़का और लड़की मोबाइल के माध्यम से एक-दूसरे से बातचीत किया करते थे। 11 जून को बारात लेकर शिव शंकर शादी के लिए लड़की के घर पहुंचा। रात को शिव शंकर की शादी सभी रीति रिवाज के साथ रंजना से कराई गई। शादी के बाद अगली सुबह खिचड़ी की रस्म अदा की जा रही थी। इस दौरान शिव शंकर से उसकी सालियां और साले हंसी मजाक कर रहे थे। तभी शिव शंकर की एक साली ने उससे देश के प्रधानमंत्री का नाम पूछ लिया। लेकिन शिव शंकर देश के प्रधानमंत्री का नाम नहीं बता पाया। यह देखते ही लड़की के परिजन लड़के को हाफ माइंड बताने लगे। लड़के के पिता राम अवतार का आरोप है कि लड़की पक्ष के लोगों ने बड़े लड़के शिव शंकर को हाफ माइंड बताते हुए, असलहे के दम पर लड़की की शादी बारात में गए मेरे छोटे लड़के आनंत से करा दी। लड़के के पिता का आरोप है कि उनके बेटे अनंत की उम्र अभी बहुत कम है। बावजूद इसके हम लोग डर के मारे उक्त शादी को मान्यता देते हुए बहू को लेकर घर आ गए। इसके बाद शनिवार को अचानक लड़की पक्ष के लोग मेरे घर आ गए और बहू की विदाई के लिए दबाव बनाने लगे। मेरे मना करने पर वह जबरदस्ती मेरी बहू को खींच कर ले जाने लगे। तब मैंने 112 नंबर पुलिस हेल्पलाइन पर फोन कर मामले की सूचना दिया। जिसके बाद दोनों पक्षों को सैदपुर थाने लाया गया। अब यहां निस्तारण के लिए इंतजार किया जा रहा है।

पंजाब बंगाल की ...

में कुलपतियों की नियुक्तियों के लिए अब मुख्यमंत्री अधिकृत होंगे। पंजाब विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र के दौरान मंगलवार को पंजाब के उच्च शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने पंजाब एफीलिएटिड कालेज (सिक्योरिटी ऑफ सर्विस) संशोधन बिल 2023 पेश किया है। बिल का समर्थन करते हुए कहा कि यूनिवर्सिटीज चांसलर के बिल पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में 32 विश्वविद्यालय हैं। अगर वाइस चांसलर अच्छा आ जाए तो यूनिवर्सिटी का कल्याण हो जाता है। वीसी अगर सोच ले कि संस्था को ऊपर लेकर जाना है तो वह कर सकते हैं। मान ने कहा कि हमें दिक्कत यह आती है कि अच्छा वीसी लगाना चाहते हैं तो कहा जाता है कि सरकार तीन नाम चुनकर दे। उनमें से एक गवर्नर चुनेगा। हम चाहते हैं कि सारी यूनिवर्सिटीज की जगह गवर्नर की जगह मौके का मुख्यमंत्री ही चांसलर हो। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्हें पता है कि इस प्रस्ताव पर राज्यपाल हस्ताक्षर नहीं करेंगे, लेकिन उन्हें करवाना आता हैं। विधानसभा में यह प्रस्ताव अकाली दल के समर्थन से पारित किया गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में इस आशय का प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। अब पंजाब में भगवंत मान सरकार संबंधित एक्ट संशोधन लेकर आए हैं।

पुरानी पेंशन बहाली संकल्प साइकिल यात्रा यमुनानगर पहुंची

यमुनानगर (हि.स.)। कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली को लेकर 2 जून से हरियाणा के नांगल चौधरी से शुरू हुई कर्मचारियों की साईकिल यात्रा मंगलवार को यमुनानगर के दशहरा ग्राउंड में पहुंची। इस मौके पर कर्मचारियों व संघर्ष समिति द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति संकल्प यात्रा के प्रदेश महासचिव ऋषि नयन ने बताया कि यह यात्रा 2 जून से शुरू की गई थी और 23 जून को चंडीगढ़ पहुंचकर हरियाणा के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली संकल्प यात्रा में 35 कर्मचारी साथी संघर्ष समिति के साथ चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 19 फरवरी को पंचकूला में लाखों कर्मचारी इकट्ठा हुए थे। जिन पर सरकार ने बर्बरता से लाठीचार्ज किया गया था लेकिन लाठी-डंडों से कर्मचारी को दबाया नही जा सकता। उन्होंने कहा कि अपनी सामाजिक सुरक्षा को लेकर 2018 में संघर्ष समिति गठित की थी, जबकि 2004 से हमारी यह सुविधा छीन ली गई थी। उन्होंने कहा कि विधायक और सांसद अपनी पुरानी पेंशन क्यों ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी 30 जुलाई को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि अब तक हम 1170 किलोमीटर की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कर्मचारियों की नई पैंशन योजनी को बेहतर बताते हैं। जबकि अगर ऐसा होता तो पश्चिमी बंगाल में पुरानी पेंशन ही क्यों लागू की गई होती और अगर बिहार ने नई पेंशन योजना लागू की तो वह आर्थिक रूप से कितना मजबूत हुआ है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(स्तुति-प्रार्थना)

अन्य भरोसा कोइ नहीं, केवल आश तुम्हार।
मन वच काया कर्मणा, जीवन आप अधार॥ 07 ॥

शब्दार्थ : (भरोसा) आशा, विश्वास (अधार) सहारा।

भाष्य : हे प्रभो! मुझे दूसरे का भरोसा नहीं है, केवल आप की ही आशा है। मैं मन, वच, वाणी, शरीर तथा कर्म से आप की शरण में हूं। एकमात्र ही इस जीवन का आधार हैं।

दुखित दीन सब हीन हूं, मन मलीन गति आप।
जन अधीन शरणागत, सुमिरन भजन न आप॥ 08 ॥

शब्दार्थ : (दीन) असहाय (मलीन) मैला, गंदा।

भाष्य : मेरा मन, मलीन गति को प्राप्त है, इसलिए दु:खी, असहाय हो कर सब प्रकार से गिर गया हूं। आपके अधीन शरणागत हो कर भी सुमिरन-भजन नहीं होता।

गुवाहाटी इस्कॉन मंदिर से निकली रथयात्रा जयनगर पहुंचने पर उमड़ी भक्तों की भीड़ की एक झलक।

मादक पदार्थ के साथ कई तस्कर गिरफ्तार

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी में मादक पदार्थ के साथ कई तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात नलबाड़ी के अमायापुर बामुंडी चौक पर अवैध मादक पदार्थ गिरोह को पकड़ा गया। अभियान का नेतृत्व नलबाड़ी पुलिस के टाउन सब इंस्पेक्टर द्विपज्योति शर्मा ने किया। बताया गया है कि प्रतिभा दास के घर से अवैध मादक पदार्थ का धंधा चलाया जा रहा था। पुलिस टीम ने मौके से भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ जब्त किए हैं। हिरासत में लिए गए मादक पदार्थ तस्करों का एक वर्ग धुबड़ी से आया था और बामुंडी में मजदूर के रूप में काम करता था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल पुलिस ने तस्करों की पहचान उजागर नहीं की है।

दरंग जिले के 197 गांव बाढ़ की चपेट में

दरंग (हिंस)। पिछले कुछ दिनों से राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण दरंग जिला के 197 गांव भीषण बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बाढ़ के चलते दरंग जिले के विभिन्न हिस्सों में हालात गंभीर हो गए हैं। सिपाझाड़ के पश्चिमी हिस्से में बाढ़ की स्थिति और जटिल हो गई है। पाथरीघाट राजस्व सर्किल के कई गांवों दीमिला नदी का पानी प्रवेश कर गया है। पाथरीघाट राजस्व अंचल क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। इस.राजस्व सर्किल क्षेत्र के दर्जन भर गांव पहले से ही बाढ़ की चपेट में हैं। दीमिला और कालपानी नदियों की खुले तटबंध से 20 गांवों के लोगों को काफी नुकसान हुआ है। खासकर बगाचला, भेरूबादल पंडाघाट, हुसैनसुबुरी, चकरमुख, बिष्णुपुर, पद्माझाड़ आदि गांवों की स्थिति जटिल होती जा रही है। खाने-पीने की चीजों, पीने के पानी, बेबी फूड, एनिमल फीड आदि की कमी के

कारण स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ का पानी पहले से ही कई आबादी वाले क्षेत्रों में घुस चुका है, जिससे ग्रामीण सड़कों पर यातायात व्यवस्था बाधित हो गई है। इस बीच, खारुपेटिया टाउन में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। पिछले कुछ दिनों से जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण सड़कों पर पानी जमा है। टाउन से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर घुटने तक पानी जमा हो गया है। टाउन के दस में से तीन वार्ड वर्तमान में कृत्रिम बाढ़ की चपेट में हैं। नतीजतन पिछले साल की तरह इस बार भी कृत्रिम बाढ़ से स्थानीय निवासियों को परेशान होना पड़ रहा है। बाढ़ प्रभावित लोगों ने सरकार से बाढ़ की स्थिति से निपटने की मांग की है।

बरपेटा के पूर्व विधायक अब्दुर रहीम खान का निधन

बरपेटा (हिंस)। राज्य के अल्पसंख्यक नेता, एआईयूडीएफ पार्टी के संस्थापकों में से एक और अल्पसंख्यक लोगों के लिए लड़ने वाले बरपेटा के पूर्व विधायक अब्दुर रहीम खान का निधन हो गया। रहीम खान का सोमवार की शाम लगभग 7.15 बजे उनके आवास पर निधन हो गया। मधुमेह, गुर्दे और यकृत की बीमारियों के कारण कई महीनों से बीमार चल रहे पूर्व विधायक का सोमवार को बरपेटा मेडिकल कॉलेज में डायलिसिस किया गया। शाम 4 बजे मेडिकल कॉलेज से घर आने के बाद, उन्होंने शाम को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की। 57 वर्षीय रहीम खान ने बरपेटा के हवली के पास दाबलियापाड़ा में अपने आवास पर रात को दम तोड़ दिया। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और तीन बेटियां हैं। बरपेटा के पूर्व विधायक और एआईयूडीएफ नेता के निधन की खबर से पार्टी कार्यकर्ताओं और उनके प्रशंसक स्तब्ध हैं। उनके निधन पर राजनीतिक हस्तियों ने शोक व्यक्त किया है। रहीम खान, जो 2011 के विधानसभा चुनावों में एआईयूडीएफ के टिकट पर बरपेटा विधायक चुने गए थे।

कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की मनाई गई पुण्यतिथि

गुवाहाटी। महानगर के सचल शतदल शाखा साहित्य सभा के तत्वावधान में कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की 58वीं पुण्यतिथि मनाई गई। सुबह शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष थानेश्वर मालाकार ने पताका उत्तोलन किया। कामरूप महानगर के साहित्य सभा के उपाध्यक्ष हरेश्वर डेका ने राभा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर स्मृति तर्पण किया। विशिष्ठ संगीत कलाकार सदानंद बर्मन के संचालन में सचल की महिलाओं ने गीतों से सभा का शुभारंभ किया। विशिष्ठ लेखक तथा राज्य सरकार के पूर्व आयुक्त सचिव थानेश्वर मालाकार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विशिष्ठ नाट्यकार, निबंधकार तथा गौहाटी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व प्रमुख

नरेन पाटगिरी ने कार्यक्रम में कलागुरु के जीवन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर एक विश्लेषणात्मक तथ्य पेश किया। विभिन्न कलाकारों ने राभा के गीतों और कविता से पूरे सभागार को गुंजयमान कर दिया। साथ ही स्थानीय जयंत तेरन संगीत विद्यालय की ओर से प्रस्तुत किए गए। विष्णुराभा के कालजयी गीत *आजी मंदिर दुवार खोला...* कैसेट का अध्यक्ष मालाकार ने लांच किया। मौसम बोरा द्वारा संचालित और धमेंद्र तेरन की ओर परिकल्पित असम के लोकप्रिय गायिका तृष्ण देवी, दीपशिखा दत्त शर्मा, काकली भागवती मिश्र, सिमी दास, गायिका शिवानी दास, आफरुजा बेगम, सामिम चौधरी, भवेश हजारिका और सिद्धार्थ सरफराज ने अपने स्वर दिए। यह यूट्यूब चैनल में उपलब्ध होगा। राभा दिवस के मौके पर स्कूली विद्यार्थियों के बीच आयोजित विष्णुराभा संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं को कार्यक्रम में पुरस्कार और मानपत्र से सम्मानित किया। उपाध्यक्ष डॉ. मिनेश्वर हजारिका, पूर्व अध्यक्ष लोहित हजारिका आदि व्यक्तियों के भाषण के बाद असम जातीय संगीत से कार्यक्रम का समापन हुआ।

मंत्री पीयूष ने नोआ नदी के तटबंध का किया दौरा

दरंग (हिंस)। राज्य सरकार के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने दरंग जिले के मंगलदोई कमरपाड़ा में नोआ नदी के तटबंध का दौरा स्थिति का जायजा लिया। राज्य में लगातार हो रही बरसात के चलते अधिकांश नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके चलते कई तटबंध टूट गए हैं और राज्य के 18 जिलों के 444 गांवों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मंत्री हजारिका ने मंगलवार को तटबंध का निरीक्षण करने के पश्चात जिला उपायुक्त के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में रियान सैकिया ने जीता स्वर्ण

नगर संवाददाता। महानगर के नेहरू स्टेडियम के देशभक्त तरुणराम फुकन इंडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में कामरूप मेट्रो जिले के बरबाड़ी स्थित द रेक्स मार्शल आर्ट एकादमी के छात्र तथा नौ माइल केंद्रीय विद्यालय के छात्र रियान सैकिया ने जूनियर के लड़कों के 78 किलो वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के प्रतियोगिताओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षक अंचित सिंहा के

तत्वावधान में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले रियान सैकिया ने इससे पहले भी विभिन्न स्तर के ताइक्वांडो प्रतियोगिता में पदक पाने में सफलता हासिल की है। महानगर के सचल स्थित प्रशांत सैकिया और तृष्णा सैकिया के जेष्ठ पुत्र रियान राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होने से योग साधना और योग प्रचारक पुरस्कार विजेता धनंजय तालुकदार, जिला टाइक्वांडो एसोशियशन, उपर सचल बिहू सम्मेलन, सचल शतदल शाखा साहित्य सभा आदि विभिन्न लोगों के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों ने बधाई दी है।

फर्जीवाड़ा लॉटरी के खिलाफ शिवसागर में पुलिस का छापा

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर में पुलिस की छापेमारी से हडकंप मच गया है। तिनसुकिया पुलिस ने बीती रात शिवसागर में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। लॉटरी के फर्जी गिरोह के खिलाफ पुलिस ने यह छापा मारा। छापे में चार लॉटरी माफिया गिरफ्तार किए गए। इस दौरान लॉटरी में इस्तेमाल किए गए दो लक्जरी वाहन, कई दस्तावेज जब्त किए गए। मोरान और टियोक में भी ऑपरेशन चलाया गया। तिनसुकिया सदर पुलिस के प्रभारी परागज्योति बुढ़ागोहाईं के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने पूरी रात छापेमारी की।

वायरस संदूषण को पर्यावरण में प्रवेश करने से रोक सकती है मिट्टी : आईआईटी, गुवाहाटी का अध्ययन

गुवाहाटी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने कोविड-19 महामारी के बाद उभरे हालात में रोगजनक कचरे के प्रबंधन की चुनौती का एक समाधान खोजा है। संस्थान द्वारा सोमवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक, रोगजनक कचरा निपटान के दौरान प्राकृतिक मिट्टी के माध्यम से वायरस के प्रसार का अध्ययन करने पर शोधकर्ताओं ने पाया कि पाउडर के रूप में *बेंटोनाइट और काओलिन क्ले*, दोनों ही वायरल संदूषण को पर्यावरण में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। यह अध्ययन *अमेरिकन केमिकल सोसायटी* की पत्रिका *लैंगमुइर* में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन के सह-लेखक प्रोफेसर भरत वेंकट तादिकोंडा, प्रोफेसर सचिन कुमार और उनके शोधार्थी हिमांशु यादव और शुभम गौरव हैं। जैव चिकित्सा अपशिष्ट, जिसमें वायरस होते हैं, मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए जोखिम पैदा करते हैं। महामारी के दौरान अस्पतालों और पृथकवास सुविधाओं से बड़ी मात्रा में संभावित वायरस युक्त कचरा निकला था। विज्ञप्ति में कहा गया कि संभावित कोरोना वायरस से युक्त कचरे का *निगम ठोस कचरा* (एमएसडब्ल्यू) प्रबंधन के अनुसार ही निपटान किया गया और इसे मौजूदा *लैंडफिल* (कूड़े का पहाड़) पर डाल दिया गया। ऐसे में रोगजनक अपशिष्ट के जरिए मनुष्यों में दोबारा संक्रमण फैलने का खतरा हो सकता था। शोध के बारे में आईआईटी-गुवाहाटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर भरत ने कहा कि हम बेंटोनाइट और काओलिन क्ले जैसी मिट्टी की उपस्थिति में वायरस के अस्तित्व को समझना चाहते थे। हमने पहली बार मिट्टी में विषाणु के संतुलन के मानदंड, प्रसार गुणांक और वायरस के पनपने के कारक जैसे विशिष्ट मापदंडों को मापा। उन्होंने कहा कि इन मापों में वायरल संदूषण में 99.6 प्रतिशत की कमी और बहुत कम प्रसार दर देखी गई। इन निष्कर्षों के आधार पर, हम यह पुष्टि करने में सक्षम हैं कि पाउडर के रूप में बेंटोनाइट और काओलिन क्ले दोनों ही वायरल संदूषण को पर्यावरण में प्रवेश करने से रोक सकते हैं।

ग्वालपाड़ा जिले में जंगल की अवैध कटाई जारी

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिला के विभिन्न हिस्सों में लकड़ी की तस्करी जारी है। कुछ अवैध लकड़ी व्यापारी लगातार लकड़ी की तस्करी कर रहे हैं। इस बीच, रंगजुली वन कार्यालय के वन अधिकारियों और वन कर्मचारियों की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बीती रात सिधाबाड़ी में अचानक छापा मारा और दो अवैध लकड़ी मिलों का पता लगाने में कामयाब रहे। यहां से भारी मात्रा में शॉल और सागौन की लकड़ी बरामद हुई। हालांकि, वन विभाग की टीम लकड़ी मिल से किसी को गिरफ्तार नहीं कर पायी। बाद में वन कर्मियों की एक टीम लकड़ी मिल मशीनरी के साथ जब्त की गई लकड़ी को रंगजुली वन रेंज कार्यालय और शिमलितोला ब्लॉक वन अधिकारी कार्यालय ले आयी। इस बीच खेरोपाड़ा वन क्षेत्र में शाल के पेड़ों की कटाई के दौरान तस्करी से जुड़े एक व्यक्ति को पकड़ने में टीम कामयाब रही। जब तीन लोग मिलकर साल के पेड़ को काट रहे थे कि वन कर्मियों की एक टीम ने उन्हें खदेड़ा। एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में टीम कामयाब रही, जबकि दो लोग भागने में सफल रहे। बताया जाता है कि इस क्षेत्र में वनों की अवैध कटाई व्यापक पैमाने पर चल रही है।

विश्वनाथ में इस्कॉन की ओर से जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन

विधायक ने रथयात्रा महोत्सव में की शिरकत

विश्वनाथ (विभास)। समग्र देश के साथ विश्वनाथ में भी आज श्रीश्रीजगन्नाथ रथ यात्रा निकाला गया। विश्वनाथ चारिआलि के सार्वजनिक धर्मशाला प्रांगण में इस्कॉन के सौजन्य में जगन्नाथ रथ यात्रा में अनगिनत श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सर्वप्रथम सुबह भगवान जगन्नाथ का मंगल आरती, दर्शन आरती और श्रील प्रभुपाद का गुरु पूजन किया गया। इसके बाद कीर्तन मेला, भोग अर्पण और महाप्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद रथयात्रा में भगवन जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा को आसन बैठाया गया। पूजा-अर्चना किया गया। इधर रथयात्रा को शहर में परिक्रमा कराया गया। परिक्रमा के बाद श्रीश्री जगन्नाथ रथयात्रा को निज बाघमारी श्रीश्री जगन्नाथ मंदिर में ले जा गया। इस रथयात्रा के रस्सी खींचने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। उल्लेखनीय है कि हिंदू कैलेंडर के अनुसार हर साल आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष में आज के दिन अपराह्न 3 बजे धर्मशाला से रथ यात्रा शुरू होती है। रथ यात्रा का उद्घाटन विश्वनाथ के विधायक प्रमोद बरठाकुर ने किया। रथयात्रा महोत्सव में विश्वनाथ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, समाजसेवक विपुल साहा, पंकज कुंडू, आनंद निताई दास, राजेश गुप्ता के साथ इस्कॉन के पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। साथ ही आमबाड़ी के मध्यमपाड़ा में भी कुछ इस्कॉन भक्तों द्वारा जगन्नाथ देव का रथयात्रा निकाला गया।

शिशु निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में मनाया गया विष्णु राभा दिवस

गुवाहाटी (विभास)। शिशु निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय, नारायण नगर, गुवाहाटी में विष्णु राभा दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्रधानाचार्या रीना भौमिक द्वारा दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण समारोह से हुई। इस मौके पर विद्यालय में उपस्तिथ छात्र- छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा संगीत, कविता पाठ और कला गुरु के जीवन एवं उनके उल्लेखनीय रचनाओं की चर्चा की गई।

असम-सिक्किम में बाढ़ के बीच भारी बारिश और बढ़ाएगी मुसीबत!

गुवाहाटी। असम और सिक्किम में बारिश के चलते बाढ़ के हालात हैं। दोनों ही राज्यों में बाढ़ से कई इलाके प्रभावित हुए हैं। बाढ़ जैसी मुसीबत के बीच मौसम विभाग ने सिक्किम, असम समेत पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भारी बारिश की बात कही है। देश के कुछ राज्यों में मॉनसून की बारिश देखने को मिल रही है तो कई राज्यों में बिपरजॉय तूफा के असर से बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। गुजरात, राजस्थान में तो बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके बाड़मेर, जालोर समेत तीन जिलों में भारी बारिश के चलते बाढ़ स्थिति स्थिति बनी हुई है। असम और सिक्किम में भी भारी बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। सिक्किम में सेना और रेस्क्यू में टीम जुटी है।

आर्यन इंटरनेशनल स्कूल में मना विष्णु राभा दिवस

गुवाहाटी (देवयानी पाटिकर)। पूरे राज्य के साथ कामरूप ग्रामीण इलाके हाजो में स्थित आर्यन इंटरनेशनल स्कूल में *राभा दिवस* मनाया गया। इस अवसर पर पहले प्रदीप प्रज्ज्वलन कर कलागुरु बिष्णु प्रसाद राभा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि ज्ञापन किया गया। इसके साथ संगति राखकर विद्यालय के परिसर में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छोटे-छोटे बच्चों ने राभा नृत्य, गीत कविता प्रस्तुत किए। और कलागुरु बिष्णु प्रसाद राभा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रधानाचर्या देवयानी पाटिकर की देखरेख में छात्र-छात्राओं ने अत्यंत सुंदर नृत्य, संगीत, कविता तथा, भाषण प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मधुर गीतों पर झूमती, नृत्य करती छात्राओं ने मनोहारी कार्यक्रम की उपस्थित लोगों ने दिल खोलकर सराहना की। इस अवसर पर मुख्य

अतिथि के रूप उपस्थित थे हाजो स्थित सुरेन दास कॉलेज की असमिया विभाग की अध्यक्षा डॉ. रंजू ठाकुरिया, संगीतकार तथा अभिनेता अभिजीत नायेक, तथा लोक संगीत गायक, सोनाराम दास विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर असमिया विभाग की अध्यक्षा डॉ. रंजू ठाकुरिया ने कलागुरु बिष्णु प्रसाद राभा की बहुमुखी प्रतिभा तथा उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं की आलोचना की। उन्होंने मौके पर बच्चों की तारीफ करते हुए कहा कि बच्चों ने जिस प्रकार विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किया है वह वास्तव में इनकी उत्कृष्ट प्रतिभा को दर्शाता है। प्रधानाध्यापिका देवयानी पाटिकर ने कहा कि इन बच्चों को सही प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जाने से यह काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगी। इस कार्यक्रम में संगीतकार अभिजीत नायेक ने अपने संगीत की जादू से सभी का मन मोह लिया।

कोकराझाड़ : घर में घुसे पानी को निकाल रहे विधायक

कोकराझाड़(विभास) पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से कोकराझाड़ जिले में कृतिम बाढ़ उत्पन्न हो गई है। शहर में जल-जमाव से पूरी तरह सड़क तथा आसपास के घरों में पानी में घुस चुकी है। इस जल-जमाव से जिले के विधायक रवीराम नार्जारी के घर में पानी घुस गया है। घरों में से विधायक ने पानी निकलाते देखा गया है। दूसरी और जिले के फकीराग्राम के स्टेशन रोड पूरी तरह डूब चुकी है। जिससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानी लोगों ने आरोप लगाया कि हर बार बारिश के दिनों में यह सड़क पानी में डूब जाता है, लेकिन इस पर किसी का कोई ध्यान नहीं जाता। हालांकि रेलवे विभाग ने भी इस सड़क पर कुछ काम नहीं किया। लोगों ने लंबे अर्से से इस सड़क पास नाले बनाने की मांग की थी। लेकिन किसी ने नहीं सुना। लोगों ने फिर से एक बार पत्रकारों के जरिए रेलवे के जीएम और डीआरएम से इस सड़क के किनारे ड्रेन बनाने की मांग की है। इसके अलावा फकीराग्राम के राभपाड़ा मे भी बारिश से कृतिम बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। साथ ही जिले के सभी नदियों पानी भर गया है।

NIT No. B/GC/I/Lot/2023/ 3996

SHORT FRESH-SALE NOTICE OF TIMBER

This is for general information of all concerned that under provision laid down in the "Assam Sale of Forest Produce Coupes and Mahals Rules, 1977 and Amendment Rule, 2000, bid are invited through online by the undersigned from Registered Companies/Firm/Individuals, etc. for Fresh sale of 5 (Five) Nos. Timber Lots kept in different location under Dibrugarh Division, Dibrugarh.

The details of E-Tender will be available on http://www.assamforestonline.in portal from 2:00PM (IST) of 23-06-2023 upto 3:00 PM (IST) on 24-07-2023.

Divisional Forest Officer,
Dibrugarh Division.

-- Janasanyog /C/4808/23

भगवान जगन्नाथ यात्रा का हुआ शुभारंभ, राष्ट्रपति मुर्मू व पीएम मोदी ने दी बधाई

भुवनेश्वर (ईएमएस)। पुरी में मंगलवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। इसमें लाखों की तादाद में श्रद्धालु शामिल हुए। इधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और कई अन्य नेताओं ने मंगलवार को पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ने इस मौके पर सभी देशवासियों, विशेषकर महाप्रभु श्री जगन्नाथ के भक्तों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने भगवान जगन्नाथ के समक्ष प्रार्थना की, कि भक्ति का यह महापर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाए। इसी तरह देश के सभी लोगों को रथ यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्विटर पोस्ट में कहा, जैसा कि हम इस पवित्र अवसर को मनाते हैं, भगवान जगन्नाथ की दिव्य यात्रा हमारे जीवन को स्वास्थ्य, खुशी और आध्यात्मिक समृद्धि से भर दे। गौरतलब है कि रविवार को अपने मन की बात संबोधन के दौरान, पीएम मोदी ने कहा था कि रथ यात्रा दुनिया भर में एक अनूठी पहचान रखती है। पीएम ने कहा, जब मैं गुजरात में था तो मुझे अहमदाबाद की रथ यात्रा में शामिल होने का अवसर मिलता था। इन रथ यात्राओं में जिस तरह देश भर से, हर समाज, हर वर्ग से लोग आते हैं, वह अपने आप में अनुकरणीय है। पुरी में दिव्य यात्रा के इस पवित्र दिन पर लोगों को बधाई देते हुए, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा, ईश्वर के आशीर्वाद और आपके सहयोग से, आइए हम नए ओडिशा के विकास का मार्ग प्रशस्त करें। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा सनातन धर्म का एक बहुत ही पवित्र त्योहार है, जिसे देश भर के करोड़ों श्रद्धालु बड़ी श्रद्धा से मनाते हैं। उन्होंने कामना की, रथ यात्रा का यह त्योहार सभी के जीवन में शांति और समृद्धि लाए। अन्य नेताओं में, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव आदि ने भी देशवासियों को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पर बधाई दी।

अमेरिकी अखबार को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने की भारत की सुरक्षा परिषद की सदस्यता की वकालत

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी अमेरिकी यात्रा से पूर्व वहां के प्रमुख समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए साक्षात्कार में भारत को संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता दिए जाने की वकालत की है।प्रधानमंत्री ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की वर्तमान स्थिति की समीक्षा होनी चाहिए। दुनिया से यह पूछा जाना चाहिए क्या वह भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनते देखना चाहती है। उन्होंने कहा- "मैं स्पष्ट कर दूं कि हम भारत को किसी देश की जगह लेने के रूप में नहीं देखते हैं। हम इस प्रक्रिया को भारत द्वारा विश्व में अपना उचित स्थान प्राप्त करने के रूप में देखते हैं।" प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ संबंधों पर कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत और गहरे हैं । दोनों देशों के नेताओं के बीच अभूतपूर्व विश्वास है। साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि दुनिया के सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों और एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। आपसी झगड़ों का समाधान कूटनीति और बातचीत से किया जाए। उन्होंने कहा है कि चीन के साथ सामान्य संबंध के लिए जरूरी है कि सीमा पर सामान्य स्थिति और शांति बहाल होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि दूसरे देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना चाहिए। साथ ही नियमों पर आधारित व्यवस्था के तहत शांतिपूर्ण ढंग से आपसी मुद्दों और विवादों का समाधान होना चाहिए।

'आप' विधायक ने संगम विहार की झड़ौदा चौकी में मुख्य सड़क और गलियों का किया उद्घाटन

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के तिमारपुर विधानसभा से आम आदमी पार्टी के विधायक दिलीप पांडेय ने मंगलवार को संगम विहार की झड़ौदा चौकी में मुख्य सड़क और गलियों का उद्घाटन किया। सड़क बनने से संगम विहार व आस-पास में रहने वाले 70 हजार निवासियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। अब स्थानीय लोगों को आने-जाने की दिक्कत से छुटकारा मिलेगा और वह सुरक्षित यातायात की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। उद्घाटन समारोह में तिमारपुर विधायक दिलीप पांडेय ने संगम विहार की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार न केवल वादों को पूरा करने में भरोसा रखती है बल्कि हमारा मकसद दिल्ली की जनता के कल्याण और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उनके जीवन को आसान और आरामदायक बनाना है। पांडेय ने आगे कहा कि संगम विहार इलाके में करीब 250 गलियां है, जिसमें से ज्यादातर गलियां बनकर तैयार हो चुकी हैं। मुख्य सड़क के बनने से न केवल संगम विहार बल्कि आस-पास के क्षेत्र के लोगों को भी बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधा मिलेगी।

अभिषेक के दौरे के दौरान मन्दिर में अशांति मामले में हाई कोर्ट ने दिया सीट गठन का आदेश

कोलकाता, (हि.स.)। अभिषेक बनर्जी के दौरे के दौरान मतुआ समुदाय के मन्दिर में हुई अशांति को लेकर शांतनु ठाकुर द्वारा दायर मामले में हाईकोर्ट ने सीट गठन का आदेश दिया है। सूत्रों के अनुसार डीजी को सीट गठन करने का निर्देश दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि रिपोर्ट 18 जुलाई तक सौंपनी होगी। उल्लेखनीय है कि 11 जून को अभिषेक बनर्जी के उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव दौरे को लेकर हिंसा की स्थिति बन गई थी। उनके आने से पहले मतुआ महासंघ के मैदान में शांतनु पंथी मतुआ कार्यकताओं द्वारा एक और सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें वे (मतुआ कार्यकर्ता) मुख्यमंत्री से माफी मांगने की मांग करने पहुंचे थे। इस बीच अभिषेक बनर्जी के पहुंचने से पहले ही वहां तनाव की स्थिति बन गई थी। मंदिर का मुख्य द्वार बंद था। मतुआ के दो पक्ष आपस में भिड़ गए जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी। राष्ट्रीय तृणमूल महासचिव अभिषेक ने बिना किसी को बताए मतुआ महासंघ मंदिर के सामने पहुंच गए। आरोप यह भी है कि मंदिर में तृणमूल कार्यकर्ता अवैध रूप से जमा हुए थे और मन्दिर के भक्तों को भी तृणमूल कार्यकर्ताओं ने धमकी दिया। मामला गरमाने पर मंदिर प्रबंधन की ओर से शिकायत दर्ज करा दी गई। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उधर, उस दिन की घटना में पुलिस ने मंदिर समिति समेत श्रद्धालुओं के खिलाफ कुल पांच प्राथमिकी दर्ज की थी। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर ने ठाकुरबाड़ी अशांति के खिलाफ निषेधाज्ञा की मांग करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया। कोर्ट ने डीजी को मामले की सुनवाई के लिए सीट गठन करने का आदेश दिया है।

गीता प्रेस पर कांग्रेस की टिप्पणी निंदनीय : भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने के मामले में कांग्रेस की टिप्पणी की निंदा की है। पार्टी ने पूरी कांग्रेस पार्टी को गीता विरोधी करार दिया है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान का कि गांधी शांति पुरस्कार गीता प्रेस को दिए जाने पर कांग्रेस ने जिस तरह की अवांछनीय, आपत्तिजनक टिप्पणी की है, भाजपा उसकी निंदा करती है। त्रिवेदी ने कहा कि यहां विषय एक पुरस्कार तक सीमित नहीं है। इससे कांग्रेस की मानसिकता पता चलती है। असल में कांग्रेस गीता प्रेस नहीं बल्कि गीता विरोधी पार्टी है। गीता प्रेस, गोरखपुर के मुद्दे पर कांग्रेस ने जो चरित्र दिखाया है, वह उनकी भारत, भारतीय संस्कृति, हिंदुत्व और महात्मा गांधी के मूल्यों के प्रति अवमानना का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा था कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 देना सावरकर और गोडसे को सम्मानित करने जैसा है। हालांकि कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता ही रमेश के इस बयान का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस से जुड़े आचार्य प्रमोद ने ट्वीट कर कहा कि गीता प्रेस का विरोध हिंदू विरोधी मानसिकता की पराकाष्ठा है, राजनैतिक पार्टी के ज़िम्मेदार पदों पे बैठे लोगों को इस तरह के धर्म विरोधी बयान नहीं देने चाहिए जिसके नुकसान की भरपायी करने में सदियां गुजर जाएं।

उपराष्ट्रपति और भाजपा अध्यक्ष सहित तमाम नेताओं ने राष्ट्रपति को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित विभिन्न नेताओं ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी डॉ सुदेश धनखड़ के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अलग-अलग मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ट्वीट संदेश में कहा, माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं। समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण तथा विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आपका प्रगतिशील चिंतन और कुशल मार्गदर्शन प्रेरणादायी है। ईश्वर से आपके स्वस्थ जीवन तथा दीघार्यु की प्रार्थना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट संदेश में कहा, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। राष्ट्र सेवा व समाज के हर वर्ग के कल्याण के प्रति आपका समर्पण प्रेरणीय है। प्रशासनिक व जनसेवा के क्षेत्र में आपके अनुभव का लाभ देश को मिल रहा है। आपके स्वास्थ्यपूर्ण सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं।

दिल्ली में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने एलजी को लिखा पत्र

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने उपराज्यपाल और गृह मंत्रालय को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है। केजरीवाल ने पत्र में लिखा है कि दिल्ली वाले आज असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। कानून व्यवस्था की हालत बहुत ही चिंताजनक है। मुख्यमंत्री ने रविवार को कहा था कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था यदि उपराज्यपाल के बजाय आम आदमी पार्टी की सरकार के अधीन होती तो राष्ट्रीय राजधानी सुरक्षित होती। आम आदमी पार्टी पहले भी शहर में कानून-व्यवस्था की कथित तौर पर बिगड़ती स्थिति को लेकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर निशाना साधती रही है। बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भी उपराज्यपाल पर और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा था। उल्लेखनीय है कि रविवार को दिल्ली के आरके पुरम में आपसी झगड़े में दो सगी बहनों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसी दिन दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। फिलहाल, पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

नंदन नीलेकणि ने आईआईटी बांबे को 315 करोड़ रुपये किए दान

मुंबई/नई दिल्ली, (हि.स.)। बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक और चेयरमैन नंदन नीलेकणि ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बांबे को 315 करोड़ रुपये दान में दिए हैं। वे इससे पहले संस्थान को 85 करोड़ रुपये दान कर चुके हैं। नीलेकणि यूआईडीएआई के संस्थापक चेयरमैन भी हैं। संस्थान ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि यह देश में किसी पूर्व छात्र द्वारा दिए गए सबसे बड़े दान में से एक है। इस राशि से संस्थान में विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा तैयार करने में मदद मिलेगी। साथ ही संस्थान को इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों के बीच अग्रणी बनने में मदद मिलेगी। इस मौके पर आईआईटी बांबे के निदेशक प्रो. सुभासिस चौधरी ने कहा कि इस दान से संस्थान के विकास में तेजी आएगी। नदंन नीलेकणि ने कहा कि आईआईटी-बांबे मेरे जीवन की आधारशिला रहा है। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान के साथ अपने जुड़ाव के 50 साल पूरे कर रहा हूं। मैं इस जुड़ाव के आगे बढ़ने तथा भविष्य में योगदान के लिए आभारी हूं। उल्लेखनीय है कि नंदन नीलेकणि आईआईटी बांबे के पूर्व छात्र हैं। नीलेकणि ने 1973 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री के लिए आईआईटी में प्रवेश लिया था।

टाइटैनिक का मलबा पर्यटकों को दिखाने वाली पनडुब्बी, अटलांटिक महासागर में लापता

अटलांटिक महासागर, (हि.स.)। पर्यटकों को विशालकाय जहाज टाइटैनिक का मलबा दिखाने वाली पनडुब्बी अटलांटिक महासागर में लापता हो गई है। इसकी पुष्टि करते हुए पनडुब्बी का संचालन करने वाली निजी कंपनी ओशनगेट ने बताया कि पनडुब्बी दक्षिण-पूर्वी कनाडा के तट से लापता हो गई है। ओशनगेट कंपनी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि पनडुब्बी लापता होने के बाद उसमें सवार लोगों को बचाने के लिए सभी विकल्पों पर ध्यान रखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पनडुब्बी पर कितने लोग सवार थे। रिपोर्ट के अनुसार, तटरक्षक बल ने खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया है। ओशनगेट ने एक बयान में कहा कि पनडुब्बी के साथ संपर्क फिर से स्थापित करने के हमारे प्रयासों में हमें कई सरकारी एजेंसियों और डीप सी कंपनियों से मिली व्यापक सहायता के लिए आभारी है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार वर्तमान में 2023 के पांचवें टाइटैनिक मिशन का संचालन कर रही है, जो पिछले सप्ताह से शुरू होकर गुरुवार को समाप्त होने वाली थी। इस अभियान की लागत प्रति व्यक्ति 250,000 डॉलर है। ओशियानेट की वेबसाइट के अनुसार, ये यात्रा सेंट जॉन, न्यूफाउंडलैंड से शुरू होती है और ये अटलांटिक में लगभग 400 मील की दूरी तय तक जाती है। इस पनडुब्बी में एक समय में करीब पांच लोग ही सवार हो सकते हैं, जो करीब दो घंटे का सफर तय करने के बाद टाइटैनिक के मलबे तक पहुंच पाते हैं। टाइटैनिक जहाज साल 1912 में अपनी पहली यात्रा के दौरान एक हिमखंड से टकराकर डूब गया था। उस समय टाइटैनिक में सवार करीब 1,500 से अधिक लोग मारे गए थे।

देश भर में 29 जून को मनाई जाएगी बकरीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली सहित देश भर में ईद उल अजहा का त्योहार 29 जून को मनाया जाएगा। दिल्ली में सोमवार को बादलों की वजह से चांद के दीदार नहीं हो सके, लेकिन उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में बकरीद का चांद नजर आया है। चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के शाही इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने बताया कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में बारिश होने और बादल छाए रहने की वजह से चांद नहीं दिख पाया है, लेकिन उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में चांद दिखा है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़, वाराणसी और मऊ आदि हिस्सों में इस्लामी केलेंडर के आखिरी महीने ह्यजुल हिज्जा का चांद दिखने की तस्दीक (पुष्टि) हुई है। उन्होंने कहा कि लिहाजा, ईद-उल-अजहा का त्योहार 29 जून को मनाया जाएगा। इस्लामी केलेंडर में 29 या 30 दिन होते हैं जो चांद दिखने पर निर्भर करते हैं। बता दें कि बकरीद का त्योहार चांद दिखने के 10वें दिन मनाया जाता है और ईद उल जुहा या अजहा या बकरीद, ईद उल फित्र के दो महीने नौ दिन बाद मनाई जाती है। इस्लामी मान्यता के अनुसार, पैगंबर इब्राहिम अपने पुत्र इस्माइल को इसी दिन अल्लाह के हुक्म पर अल्लाह की राह में कुर्बान करने जा रहे थे, तो अल्लाह ने उनके बेटे को जीवनदान दे दिया और वहां एक पशु की कुबार्नी दी गई थी जिसकी याद में यह पर्व मनाया जाता है। तीन दिन चलने वाले त्योहार में मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी हैसियत के हिसाब से उन पशुओं की कुबार्नी देते हैं, जिन्हें भारतीय कानूनों के तहत प्रतिबंधित नहीं किया गया है। मुफ्ती मुकर्रम ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के जिन लोगों के पास करीब 613 ग्राम चांदी है या इसके बराबर के पैसे हैं या कोई और सामान है, उन पर कुबार्नी वाजिब है।

ओमिक्रॉन विशिष्ट एमआरएनए आधारित बूस्टर वैक्सीन को आपातकालीन उपयोग की मंजूरी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली,। बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी) ने घोषणा की है कि कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट के लिए स्वदेशी प्लेटफॉर्म तकनीक का उपयोग कर बनाई गई एमआरएनए-आधारित बूस्टर वैक्सीन को ड्रग कंट्रोल जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) कार्यालय से आपातकालीन उपयोग की मंजूरी मिल गई है। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा कार्यान्वित मिशन कोविड सुरक्षा के तहत समर्थित वैक्सीन को जेनोवा बायोफार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने टीम डीबीटी के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि डीबीटी एक बार फिर अपने मिशन को पूरा कर रहा है - इस स्वदेशी एमआरएनए-प्लेटफॉर्म तकनीक के निर्माण के माध्यम से प्रौद्योगिकी-संचालित उद्यमशीलता को सक्षम बनाया गया है। हमने प्रधानमंत्री का आत्मानिर्भरता का विजन के तहत 'भविष्य के लिए तैयार' प्रौद्योगिकी मंच के अनुरूप प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचार का हमेशा समर्थन किया है।

मोदी-योगी के नेतृत्व में भारत बने विश्व गुरु : तोमर

अंबेडकरनगर, (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश समृद्धि के पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। हम सबकी यही इच्छा है कि इन दोनों का नेतृत्व यशस्वी बने और इन दोनों के ही नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बने। केंद्रीय मंत्री तोमर 1,212 करोड़ रुपये लागत वाली 2,339 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। तोमर ने प्रधानमंत्री मोदी के नौ साल को बेमिसाल करार देते हुए कहा उस वक्त छाती गर्व से चौड़ी हो जाती है जब दूसरे देश का मंत्री भारत की धरती पर आकर यह कहता है कि ऊपर वाला हम सबकी सुने। मोदी जैसा प्रधानमंत्री दुनिया के हर देश को मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव को देशभर में अच्छे से संपन्न किया है। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था कि आजादी का महोत्सव समारोह का अवसर नहीं है। यह आजादी का महोत्सव संकल्प को पूरा करने का अवसर है। हम सब लोगों को नए भारत के लिए संकल्प लेना है। जो संकल्प आज लेंगे, वह 25 वर्षों में संकल्प सिद्ध होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आजादी का शताब्दी वर्ष जब हम लोग मना रहे होंगे तो भारत का दुनिया के सामने एक अलग ही स्वरूप होगा। आज देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं और देश के सबसे बड़े राज्य का नेतृत्व मुख्यमंत्री योगी कर रहे हैं। हम सबकी चाहत है कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में भारत समृद्ध हो। दोनों का नेतृत्व यशस्वी बने और इनके नेतृत्व में भारत विश्व गुरु बने। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी के अलावा जिले के नेता एवं अधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट का फैसला रखा बरकरार, बंगाल के पंचायत चुनाव में होगी केंद्रीय बलों की तैनाती

- राज्य सरकार ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती, याचिका खारिज

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग की याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने की कोई वजह नहीं है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव कराना हिंसा का लाइसेंस नहीं हो सकता। राज्य में हिंसा का इतिहास और मौजूदा हालात के मद्देनजर ही हाईकोर्ट ने केंद्रीय बलों की नियुक्ति का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से कहा कि चाहे 2013 हो या 2018 पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान हिंसा का इतिहास रहा है।

चुनाव कराने की आड़ में हिंसा की इजाजत नहीं दी जा सकती। लोग नामांकन पत्र ही दाखिल न कर पा रहे हैं, उनकी हत्या हो रही है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने हिंसा की ऐसी घटनाओं के मद्देनजर ही ऐसा आदेश पास किया होगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वकील मीनाक्षी अरोड़ा से पूछा कि आपका काम है स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित कराना। दूसरे राज्यों से भी पुलिस फोर्स मंगवाई गई है। ऐसे में आपको इस आदेश से क्या दिक्कत है। अतिरिक्त बल दूसरे राज्यों की हो या केंद्र सरकार की, इसकी आपको चिंता क्यों है। तब राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट का आदेश कहता है कि केंद्रीय बलों की मांग आयोग भेजे, ये काम आयोग का नहीं है। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव कराना हिंसा का लाइसेंस नहीं हो सकता है। राज्य में हिंसा का जो इतिहास रहा है, जो मौजूदा हालात हैं, उसके मद्देनजर ही हाईकोर्ट ने केंद्रीय बलों की नियुक्ति का आदेश दिया है। पश्चिम बंगाल राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने सुप्रीम कोर्ट से कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने 15 जून को आदेश दिया था कि केंद्रीय बलों की तैनाती 48 घंटे के अंदर की जाए। बता दें कि पश्चिम बंगाल सरकार ने भी कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

लोकसभा चुनाव से पहले मायावती आज लखनऊ में करेंगी बैठक

- बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी रहेंगे मौजूद

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश और देश में बदलते राजनीति हालात को देखते हुए लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को एक बैठक करने जा रही हैं। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रदेश अध्यक्ष, जिलों के कॉर्डिनेटर शामिल होंगे। लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में बुधवार को होने वाली बैठक के बारे में बसपा प्रमुख ने स्वयं इसकी जानकारी ट्वीट करके दी है।

उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि उत्तर प्रदेश व देश में तेजी से बदल रहे राजनीतिक हालात, उससे सम्बंधित खास घटनाक्रमों एवं समीकरणों के साथ ही आगामी लोकसभा आम चुनाव की तैयारी को लेकर बीएसपी यूपी स्टेट, सभी मण्डल तथा सभी ज़िला स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारियों की महत्त्वपूर्ण रणनीतिक बैठक बुधवार को लखनऊ में आयोजित की गई है। बसपा की यह बैठक 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी एकता की बैठक से पहले हो रही है। उल्लेखनीय है कि साल के अंत तक पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल 2024 की शुरूआती माह में देश में लोकसभा चुनाव होंगे। वहीं विपक्षी दल एकजुट होकर एनडीए को सत्ता से बाहर करने के लिए प्लान बना रहे हैं।

अब भारत में पीओके का विलय चाहते हैं वहां के लोग : योगी

अंबेडकरनगर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ जहां भारत से अलग हुआ पाकिस्तान अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है। उसके नागरिक भूख से मर रहे हैं। वहां एक किलो आटा के लिए छीना झपटी मची हुई है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग पाकिस्तान के साथ नहीं रहना चाहते हैं। वहां के लोग मांग कर रहे हैं पीओके का विलय भारत में हो जाए। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक नई यात्रा की ओर आगे बढ़ चुका है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज दुनिया में जब भी कोई संकट आता है तो पूरा विश्व आशा भरी निगाहों से भारत की तरफ देखता है। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले तक यही भारत आतंकवाद, नक्सलवाद और माओवाद से ग्रसित था। आज कोई भी दुश्मन भारत की तरफ आंख उठाकर नहीं देख सकता है। देश के 15-18 जिलों में फैला माओवाद और नक्सलवाद अब 3-4 जनपदों तक सीमित रह गया है। भारत की धरती से बहुत ही जल्द माओवाद और नक्सलवाद पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नौ साल भारत के इतिहास के लिए बेमिसाल हैं। योगी ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर के साथ अंबेडकरनगर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 1,212 करोड़ रुपये की 2,339 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि हमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। इसके लिए आवश्यक होगा कि हम गांव की इकाइयों को भी छुएं। 21 जून को अन्तर-राष्ट्रीय योग दिवस है। इस दिवस पर दुनिया भारत की ऋषी परंपरा के प्रति अपना आभार व्यक्त करेगी, आप सब भी अपने अमृत सरोवर, पंचायत भवन, ग्राम सचिवालय या किसी भी सार्वजनिक स्थल पर प्रातः योगाभ्यास करें और योग को आम जन तक पहुंचाने का कार्य करें। यह हम सबकी जिम्मेदारी बनती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब समय आ गया है कि नए भारत के निर्माण के लिए, जाति, मत और मजहब से ऊपर उठकर राष्ट्र प्रथम के लिए कार्य करें। पहले हम देश के बारे में सोंचे। हमारा देश सुरक्षित रहेगा तो हम भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टीकरण और भाई-भतीजावाद की राजनीति करते हैं, वह देश का हित नहीं कर सकते हैं। देश का हित करने के लिए जज्बा चाहिए। त्याग चाहिए। बलिदान की भावना चाहिए। राष्ट्र के प्रति संपूर्ण समर्पण का भाव होना चाहिए। विरासत के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिए। योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में हर एक को सुरक्षा की गारंटी मिली है। शासन की योजनाएं बिना भेदभाव के सबको उपलब्ध कराई जा रही है। हम बिना तुष्टीकरण किए विकास की परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो पहले सपना हुआ करता था, आज वह हकीकत बन गया है। उसी हकीकत को आगे बढ़ाने के लिए आज हम लोग यहां पर आए हैं। आज यहां कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इनमें सड़क, पंचायती राज, ग्राम सचिवालय के निर्माण, हर घर नल सहित कई परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत का सम्मान हो रहा है। इस कड़ी में काशी विश्वनाथ धाम बनकर तैयार हो गया है। उत्तराखंड में केदारनाथ धाम, मध्य प्रदेश में महाकाल लोक और अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। जनवरी 2024 में प्रभु श्री राम अपने मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। यह हर भारतवासी के लिए गौरव का क्षण होगा। अयोध्या के विकास का सबसे ज्यादा लाभ अंबेडकरनगर को मिलेगा।

ट्रैक्टर रैली को दिखाई हरी झंडी - इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री योगी ने छह माह से ऊपर के बच्चों को अन्नप्राशन कराया। साथ ही एमएसएमई और समाज कल्याण विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना हेतु चार लाख रुपये का अनुदान और ट्रैक्टर रैली को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), गिरीश चंद्र यादव, सांसद संत कबीर नगर, प्रवीण कुमार निषाद, विधान परिषद सदस्य, हरिओम पांडे, विधान परिषद सदस्य, ध्रुव कुमार त्रिपाठी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

लोकसभा चुनाव में विपक्ष एकत्रित होकर भाजपा को हराएगा : शिवपाल यादव

- शिवपाल ने कहा, सरकार के मंत्री एवं विधायकों पर नहीं है कोई भी काम

औरैया, (हि.स.)। जनपद के यमुना रोड पर स्थित इटावा सहकारी बैंक के जीर्णोद्धार के बाद मंगलवार को शुभारंभ करने आए इटावा जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष आदित्य यादव एवं मुख्य अतिथि शिवपाल यादव पहुंचे। उन्होंने फीता काटकर सहकारी बैंक का शुभारंभ किया। इसके उपरांत उन्होंने वार्ता की। वार्ता में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि विपक्ष एकत्रित होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आने वाले लोकसभा चुनाव में हराने का काम करेगा। शिवपाल यादव ने निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने किसी भी वर्ग के लिए कोई भी काम नहीं किया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने पूरी रणनीति बना ली है और उप्र की सभी सीटों पर कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा को हराए जाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पूरी तरह से भ्रष्टाचार व्याप्त है, महंगाई चरम सीमा पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा प्रदेश में कानून व्यवस्था बिल्कुल समाप्त हो गई है, अपराधों की बाढ़ आ गई है। अपराध मुक्त समाज स्थापित करने का भाजपा का वादा पूरी तरह से खोखला साबित हुआ है। इसके अलावा उन्होंने अन्य मुद्दों पर भी भारतीय जनता पार्टी सरकार पर जमकर प्रहार किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता इटावा सहकारी बैंक के अध्यक्ष आदित्य यादव ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वनाथ सेंगर मौजूद रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम नितेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि शिवपाल यादव एवं अध्यक्ष आदित्य यादव का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष नितेंद्र सेंगर, हाफिज अब्दुल सत्तार, अशोक चौबे, शफीउल्लाह, गुड्डू यादव, सपा जिला अध्यक्ष सर्वेश बाबू, सहकारी संघ के अध्यक्ष सुरेश दुबे, उमा सिंह यादव, सुभाष यादव, बृजेंद्र चौहान, शिवम मिश्रा, कन्हैया दुबे सहित आधा सैकड़ा से अधिक लोग मौजूद रहे।

माफिया राकेश के पुश्तैनी मकान पर चला बुलडोजर

गोरखपुर (हि.स.)। गुलरिया थाना क्षेत्र के झुगिया बाजार में माफिया राकेश यादव के पुश्तैनी मकान पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया है। इसकी कीमत लगभग साढ़े चार करोड़ के आसपास बताई जा रही है। माफिया राकेश यादव के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई तब हुई जब डीएम के ध्वस्तीकरण के आदेश के खिलाफ कमिश्नर कोर्ट में चल रहे वाद में हरी झंडी मिल गई। वहां से अनुमति मिलने के बाद पुलिस व जीडीए के अधिकारियों ने सोमवार को ही कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी थी। जानकारी के मुताबिक सिस्टम के गठजोड़ से माफिया राकेश ने सरकारी जमीनों पर वर्षों पूर्व से कब्जा करना शुरू किया था। राकेश पर हाल के दिनों में कई रंगदारी के केस दर्ज हुए। वर्तमान में वह जेल में है। पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी, सहायक पुलिस अधीक्षक मानुष पारिख, जीडीए मुख्य अभियंता किशन सिंह, एसीएम सेकंड राजीव कुमार और गुलरिया थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह, पिपराइच थाना अध्यक्ष नितिन श्रीवास्तव की उपस्थिति में भारी संख्या में मौजूद पुलिस फोर्स की मौजूदगी में कर्रवाई को अंजाम दिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले दोषी को आजीवन कारावास की सजा व 55 हजार का अर्थदंड

मथुरा, (हि.स.)। विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट जज रामकिशोर यादव की अदालत ने मंगलवार को नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास व 55 हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। स्पेशल डीजीसी पाक्सो कोर्ट अलका उपमन्यु एडवोकेट ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना महावन में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें कहा गया था कि वह दिल्ली में टैक्सी चलाने का कार्य करता है तथा दिल्ली में ही रहता है। उसकी पत्नी व बच्चे तथा उसके पिता गांव में ही रहते हैं। चार सितम्बर 2021 को करीब चार बजे शाम उसकी पांच वर्षीय बेटी (पीड़िता) घर के बाहर खेल रही थी तभी पड़ोसी योगेन्द्र उर्फ गोला मेरी बच्ची को चॉकलेट दिखाकर अपने साथ मुन्ना के घर ले गया, जिसमें कोई निवास नहीं करता था और जिसकी चाबी गोला के पास ही रहती है। वहां ले जाकर योगेन्द्र उर्फ गोला ने बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घर आकर पीडिता ने पूरी घटना की जानकारी दी। पीडिता के पिता की तहरीर के आधार पर थाना महावन में अभियुक्त योगेन्द्र उर्फ गोला के विरूद्ध मुकदमा अपराध संख्या 159/2021 अन्तर्गत धारा 376.ए. बी भारतीय दण्ड संहिता व 5/6 पाक्सो एक्ट में सात सितम्बर 2021 को मुकदमा पंजीकृत किया गया। इस मामले में मंगलवार को विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट रामकिशोर यादव ने सुनवाई करते हुए अभियुक्त योगेन्द्र उर्फ गोला को अंतर्गत धारा 506 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध हेतु दो वर्ष के कठोर कारावास तथा पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड तथा पाक्सो अधिनियम 2012 की धारा-6 में आजीवन कारावास (शेष प्राकृत जीवनकाल के लिए) तथा 50 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अर्थदण्ड अदा ना करने पर अभियुक्त अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी। दोषी द्वारा जेल में बितायी गयी अवधि इस सजा में समायोजित की जाएगी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार को आएंगे गिरिडीह

रांची, (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा गुरुवार (22 जून) को रांची होते हुए गिरिडीह पहुंचेंगे और पूर्वाह्न 11 बजे झंडा मैदान में कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। यह जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने मंगलवार को दी। केंद्र में मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर भाजपा महाजनसम्पर्क अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत नड्डा का कार्यक्रम गिरिडीह में तय हुआ है। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश के अलावा बोकारो विधायक विरंची नारायण कैंप किए हुए हैं। वह मंडल के अध्यक्ष के अलावा विभिन्न मोर्चा के सातों मोर्चा के जिलाध्यक्ष, जिला महामंत्री, जिला पदाधिकारी सहित प्रमुख लोगों संग बैठक कर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं। कार्यक्रम में 65 मंडल इकाई के भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। सात विधानसभा क्षेत्र क्रमशः गिरिडीह, गांडेय, जमुआ, धनवार, बगोदर, डुमरी और कोडरमा से पूर्ण रूप से लोग शामिल होंगे। जबकि टुंडी, बाघमारा, बेरमो व गोमिया विधानसभा क्षेत्र के लोग आंशिक रूप से शामिल होंगे। कार्यक्रम में मंच पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के अलावा केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी, विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास, क्षेत्रीय महामंत्री संगठन नागेंद्रनाथ त्रिपाठी, प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री के देवघर दौरे के मद्देनजर जिले के अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 27 जून को देवघर जिले के सारठ प्रखंड स्थित 524 करोड़ रुपये की लागत वाली सिकटिया मेगा लिफ्ट ऐरिगेशन योजना का शिलान्यास करेंगे। इसको लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, पुलिस कप्तान सुभाष चन्द्र जाट, एसडीओ आशीष अग्रवाल सारठ विधानसभा क्षेत्र के झामुमो नेता परिमल सिंह उर्फ भूपेन सिंह ने संयुक्त रूप से हेलीपैड, सभास्थल व रुटलाईन का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष इश्तियाक मिर्जा, सारठ प्रखण्ड अध्यक्ष लखेश्वर मुर्मू, सचिव अनिल सिंह, कुलदीप सिंह, रामकिशोर मण्डल युवा मोर्चा के प्रखण्ड अध्यक्ष मनोज यादव , बीडीओ, सीओ समेत सभी विभागीय कार्यपालक अभियंता मौजूद थे।

झारखंड हाई कोर्ट से जेएसईबी के पूर्व अध्यक्ष की याचिका खारिज

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने मंगलवार को स्वर्णरेखा जल विद्युत परियोजना, सिकिदिरी के रखरखाव एवं मरम्मत में 20.87 करोड़ रुपये के हुए घोटाला मामले में झारखंड राज्य बिजली बोर्ड (जेएसईबी) के पूर्व अध्यक्ष शिवेंद्र नाथ वर्मा की याचिका खारिज कर दी है। पूर्व में सभी पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। सीबीआई कोर्ट ने इस मामले में भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल), भोपाल के तीन वरीय पदाधिकारी एवं जेएसईबी के तत्कालीन अध्यक्ष शिवेंद्र नाथ वर्मा समेत सात लोगों के खिलाफ 17 जनवरी 2023 को आरोप तय किये थे। इसके पहले सीबीआई कोर्ट ने शिवेंद्र नाथ वर्मा की डिस्चार्ज पिटिशन खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में सीबीआई ने दो जून, 2016 को एफआईआर (संख्या 7/2016) दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ की थी।

क्या है मामला - स्वर्ण रेखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी के रखरखाव एवं मरम्मत के लिए वर्ष 2011-12 में टेंडर निकाला गया। टेंडर में न्यूनतम 59.75 लाख रुपये एवं अधिकतम 20.87 करोड़ रुपये का आवेदन आया। आरोप है कि जेएसईबी के तत्कालीन अध्यक्ष एवं भेल के तीनों वरीय पदाधिकारियों ने आपराधिक साजिश एवं पद का दुरुपयोग करते हुए सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी को काम दे दिया, जबकि कम दर वाली कंपनी ने भी निविदा भरी थी। रखरखाव एवं मरम्मत में अधिकतम 2.5 करोड़ रुपये खर्च किया जाना था।

बखरी थानाध्यक्ष को 18 हजार जुर्माना, राशि कम्पंशेसन फंड में जमा कराने का आदेश

बेगूसराय, (हि.स.)। बखरी व्यवहार न्यायालय के एसीजेएम रवीन्द्र कुमार ने तीन अलग-अलग वादों में समय पर कार्रवाई नहीं करवाने के कारण बखरी थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार सिंह से 18 हजार रुपये जुमार्ना वसूलने का आदेश दिया है। थानाध्यक्ष से वसूल की जाने वाली जुमार्ना की राशि बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा धारित बिहार विक्टिम कम्पंशेसन फंड के खाते में जमा कर दिया जाएगा। इसके साथ ही थानाध्यक्ष की लापरवाही एवं अकर्मण्यता के संबंध में वरीय पदाधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के लिए सूचित करने का आदेश दिया गया है। न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार जीआर 4619/13 में प्रस्तुत वाद नौ नवम्बर 2015 से अभियोजन साक्ष्य के लिए नियत है। अभियोजन साक्षियों की उपस्थिति के लिए 24 जनवरी 2019 को सम्मन जारी किया गया। किसी भी अभियोजन साक्ष्य को प्रस्तुत नहीं किया गया तो पांच मई 2022 को जमानतीय अधिपत्र निर्गत किया गया। पुनः कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया तो दो नवम्बर 2022 को अधिपत्रों को तमिल कर न्यायालय में तामिला प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद भी जब कोई साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किया गया तो छह जनवरी 2023 को बखरी थानाध्यक्ष को कारण पृच्छा नोटिस किया। थानाध्यक्ष को 21 दिनों के अंदर कारण पृच्छा दाखिल करने का आदेश दिया गया लेकिन पांच माह बाद भी थानाध्यक्ष की ओर से साकारात्मक कारवाई नहीं करने को न्यायालय के आदेश की अवहेलना माना गया।

प्रस्तुत वाद में न्यायालय द्वारा अभियोजन साक्ष्य के लिए 17 तिथि नियत किए गए। प्रत्येक तिथि के अनुसार पांच सौ रुपये की दर से 85 सौ जुमार्ना किया गया है। दूसरे मामले में अभियोजन साक्ष्यों की उपस्थिति के लिए पूर्व के आदेशानुसार सात जुलाई 2022 को जमानतीय अधिपत्र जारी किया गया। उसके बाद भी जब अभियोजन साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया तो 18 मार्च 2023 को थानाध्यक्ष को कारण पृच्छा नोटिस देकर दस दिनों में जबाब मांगा गया लेकिन तीन माह बाद भी इस वाद में ना तो साक्ष्य को प्रस्तुत किया गया। ना जारी अधिपत्रों का तमिला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया और ना ही आज तक कारण पृच्छा दाखिल किया गया। प्रस्तुत वाद में 11 तिथियां अभियोजन साक्ष्य के लिए नियत किए गए। जिसके कारण व्यक्तिक्रम की प्रत्येक तिथि को पांच सौ रुपये की दर से 11 दिन का 55 सौ रुपये थानाध्यक्ष के वेतन से काटकर कमपंशेसन फंड के खाते में जमा करने का आदेश दिया गया। जीआर 698/2010 में छह अप्रैल 2022 को अभियोजन साक्ष्यों के विरुद्ध जमानतीय अधिपत्र जारी किया गया था। जिसके पश्चात अभियोजन साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए आठ तिथि दिया गया। लेकिन साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। जिस कारण पांच सौ रुपये की दर से कुल आठ दिनों का चार हजार रुपये थानाध्यक्ष के वेतन से काटकर कमपंशेसन फंड के खाते में जमा करने का आदेश दिया गया है।

मुख्यमंत्री का तमिलनाडु दौरा रद्द, तेजस्वी और संजय झा गए

पटना, (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का तमिलनाडु दौरे स्थगित कर दिया गया। मुख्यमंत्री मंगलवार को तमिलनाडु जाने वाले थे लेकिन एयरपोर्ट पहुंचने से कुछ घंटे पहले उनका कार्यक्रम रद्द हो गया। क्योंकि, उनका स्वास्थ्य खराब हो गया। मुख्यमंत्री के तमिलनाडु जाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। तेजस्वी एयरपोर्ट पर पहुंचकर सीएम का इंतजार कर रहे थे लेकिन ऐन वक्त पर नीतीश की तबीयत बिगड़ गई और उनका तमिलनाडु जाने का कार्यक्रम स्थगित हो गया। इसके बाद उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अकेले ही तमिलनाडु के लिए रवाना होना पड़ा। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अपनी जगह जदयू नेता और मंत्री संजय झा को तेजस्वी के साथ भेजा है। तमिलनाडु में उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और मंत्री संजय झा एम करुणानिधि स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वहां के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात करेंगे। मुलाकात के दौरान दोनों नेता स्टालिन को 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक के लिए उन्होंने निमंत्रण देंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नीतीश तमिलनाडु के सीएम से भी मुलाकात करने वाले थे, जिसकी चर्चा पिछले चार दिन से हो रही थी।

एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए लोगों ने किया जल सत्याग्रह

बेगूसराय, (हि.स.)। खगड़िया-समस्तीपुर रेलखंड के सलौना स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को सलौना रेल यात्री संघर्ष समिति के बैनर तले आशा पोखर में जल सत्याग्रह किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग चरणबद्ध तरीके से शामिल हुए। सत्याग्रह को सफल बनाने के लिए कई दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अलावा बखरी नगर क्षेत्र में माइकिंग, नुक्कड़ सभा और जनसंपर्क अभियान जोर शोर से चलाया गया। इसके कारण सत्याग्रह को व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने इस आंदोलन का समर्थन किया। जल सत्याग्रह कर रहे लोगों का कहना था कि तीन जिलों के बार्डर पर स्थित सलौना स्टेशन पर लंबी दूरी के ट्रेनों का ठहराव जरूरी है। पटना जाने के लिए कोई सीधी ट्रेन सेवा इस रुट पर नहीं है। बखरी अनुमंडल क्षेत्र के अलावा फरकिया और बिथान प्रखंड के लोगों को भी सलौना में ट्रेनों के ठहराव से लाभ होगा। सलौना रेल यात्री संघर्ष समिति से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि नई दिल्ली से न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उदयपुर सिटी सुपर फास्ट एक्सप्रेस, कर्मभूमि एक्सप्रेस, जन साधारण एक्सप्रेस आदि मुंह चिढ़ाते हुए अप और डाउन में थ्रू पास कर जाती है। इसके अलावा सहरसा से पूर्णिया होकर सियालदह तक जाने वाली हाटे बजारे एक्सप्रेस का समस्तीपुर तक तथा खगड़िया-जमालपुर पैसेंजर ट्रेन का समस्तीपुर तक विस्तार किए जाने की आवश्यकता है। जल सत्याग्रह के लिए भीड़ वैष्णवी दुर्गा मंदिर में एकत्रित होकर बैंड बाजा के साथ पुरानी दुर्गा स्थान, गोढ़ियारी दुर्गा स्थान होते हुए पूरे बाजार का भ्रमण कर आशा पोखर पहुंची। इधर, कार्यक्रम के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर व्यापक बंदोबस्त किए गए थे। अनुमंडल प्रशासन द्वारा मजिस्ट्रेट एवं सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। आपात स्थिति के लिए गोताखोर, अग्निशमन एवं एंबुलेंस के साथ चिकित्सकों की टीम को भी तैनात किया गया था।

संपादकीय

मणिपुर में गृहयुद्ध के हालात

करीब 50 दिनों से हिंसा और हत्याओं का सिलसिला जारी है। मणिपुर में मैतेई और कुकी, नगा, जोमी आदि जनजातीय समुदाय स्थानीय हैं। उनमें जातीय विभाजन सनातन रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 5 दिनों का प्रवास किया था, स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत की थी, सरकारी पैकेज की घोषणा भी की गई थी, लेकिन उनके दिल्ली लौट आने के बाद से हिंसा फिर उग्र हुई है। केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री राजकुमार रंजन सिंह, राज्य सरकार के एक मंत्री और कुछ विधायकों समेत 4000 से ज्यादा घर फूंके जा चुके हैं। मौत की संख्या 125 हो गई है और घायल करीब 3000 हैं। यह संख्या बढ़ती जा रही है। करीब 60,000 लोगों ने विस्थापित होकर पलायन कर लिया है। कई लोग राहत-शिविरों में हैं, तो अत्यंत भयभीत लोग राजधानी दिल्ली में आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री साफ टिप्पणी कर चुके हैं कि मणिपुर की राज्य सरकार बिल्कुल फेल हो चुकी है। लेफ्टिनेंट जनरल निशिकांत सिंह सेवानिवृत्ति के बाद मणिपुर में बसे हैं। उन्होंने मणिपुर की तुलना सीरिया, लीबिया, लेबनान, नाइजीरिया आदि देशों से की है कि कभी भी, कोई भी, किसी को भी मार सकता है, घर फूंक सकता है और संपत्ति को नष्ट कर सकता है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल वेद मलिक ने अपने सैन्य-साथी की चिंताओं को साझा किया है और प्रधानमंत्री के स्तर पर जल्द ही हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। यह स्थिति गृहयुद्ध नहीं है, तो और क्या है? मणिपुर की बुनियादी समस्या मैतेई बनाम कुकी ही नहीं है, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक, सुरक्षा बलों के स्तर की भी है। हर वर्ग में विभाजन के हालात हैं। मणिपुर का एक आयाम म्यांमार से भी जुड़ा है। जब म्यांमार में सेना ने राजनीतिक सत्ता का तख्तापलट किया था, तो खूब मार-काट मची थी, लिहाजा वहां अफीम के जो बड़े व्यापारी थे, उन्होंने मणिपुर में आना तय किया। इस तरह कुकी वर्चस्व के पहाड़ी इलाकों में अफीम का साम्राज्य स्थापित हुआ। खुफिया एजेंसियों ने पूरी रपट प्रधानमंत्री मोदी तक दी, लिहाजा सरकार ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को 100 करोड़ रुपए का एक आर्थिक पैकेज दिया, ताकि अफीम के कारोबार को समाप्त किया जा सके। मणिपुर की भाजपा सरकार यह कार्रवाई तो कर नहीं पाई, लेकिन मैतेई को अनुसूचित जनजाति के उच्च न्यायालय की एकल पीठ के फैसले ने मणिपुर को गृहयुद्ध की आग में झोंक दिया। हालांकि सर्वोच्च अदालत का मानना था कि एकल न्यायाधीश ऐसा फैसला नहीं सुना सकते। परोक्ष रूप से उच्च अदालत वाला फैसला खारिज कर दिया गया। दरअसल अफीम पर छिड़ा यह एक जातीय गृहयुद्ध है, जिसने स्थानीय पुलिस और अद्र्धसैन्य बलों को भी बांट दिया है। दोनों एक-दूसरे पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगा रहे हैं। उपद्रवियों ने जो 4000 से अधिक हथियार छीन लिए थे, उनमें से 1000 हथियार ही वापस किए गए हैं। शेष गृहयुद्ध फैलाने वालों के पास हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि हथियार खुद पुलिस वालों ने स्थानीय उपद्रवियों को मुहैया कराए हैं, ताकि वे लड़ाई लड़ सकें। मणिपुर में मैतेई की आबादी करीब 53 फीसदी है और विधानसभा के कुल 60 विधायकों में से 40 विधायक मैतेई और उसके समर्थक हैं। यह समुदाय इम्फाल घाटी में बसा है और धार्मिक तौर पर हिंदू है। पहाड़ी इलाकों में कुकी ही नहीं, कुल 33 जनजातियां बसी हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री इस मसले को प्राथमिकता दें।

केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री राजकुमार रंजन सिंह, राज्य सरकार के एक मंत्री और कुछ विधायकों समेत 4000 से ज्यादा घर फूंके जा चुके हैं। मौत की संख्या 125 हो गई है और घायल करीब 3000 हैं। यह संख्या बढ़ती जा रही है। करीब 60,000 लोगों ने विस्थापित होकर पलायन कर लिया है। कई लोग राहत-शिविरों में हैं, तो अत्यंत भयभीत लोग राजधानी दिल्ली में आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री साफ टिप्पणी कर चुके हैं कि मणिपुर की राज्य सरकार बिल्कुल फेल हो चुकी है। लेफ्टिनेंट जनरल निशिकांत सिंह सेवानिवृत्ति के बाद मणिपुर में बसे हैं। उन्होंने मणिपुर की तुलना सीरिया, लीबिया, लेबनान, नाइजीरिया आदि देशों से की है कि कभी भी, कोई भी, किसी को भी मार सकता है, घर फूंक सकता है और संपत्ति को नष्ट कर सकता है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल वेद मलिक ने अपने सैन्य-साथी की चिंताओं को साझा किया है और प्रधानमंत्री के स्तर पर जल्द ही हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। यह स्थिति गृहयुद्ध नहीं है, तो और क्या है? मणिपुर की बुनियादी समस्या मैतेई बनाम कुकी ही नहीं है, बल्कि राजनीतिक, सामाजिक, सुरक्षा बलों के स्तर की भी है। हर वर्ग में विभाजन के हालात हैं। मणिपुर का एक आयाम म्यांमार से भी जुड़ा है। जब म्यांमार में सेना ने राजनीतिक सत्ता का तख्तापलट किया था, तो खूब मार-काट मची थी, लिहाजा वहां अफीम के जो बड़े व्यापारी थे, उन्होंने मणिपुर में आना तय किया। इस तरह कुकी वर्चस्व के पहाड़ी इलाकों में अफीम का साम्राज्य स्थापित हुआ।

अमृत कलश

क्या तुम्हें मंजूर है?

गुरु आपके साथ हमेशा नहीं रहेंगे। इसलिए अपने मन को खुद ही समझाना होगा। अपने मन को श्रोता बनाए एवं स्वयं उपदेशक बनें। किसी को गाली देना या थप्पड़ मारने का मन करे तो पहले अपने से कहें देख भाई, तू किसी को एक गाली देगा तो सामने वाला तुझे दो गाली देगा, क्या तुम्हें मंजूर है? तुम किसी को थप्पड़ मारोगे तो वह तुम्हें मुक्का या लात मारेगा, क्या तुम्हें मंजूर है? अगर नहीं तो फिर तुम्हें भी किसी को गाली देने, थप्पड़ मारने का अधिकार नहीं। सबसे बड़ी क्रांति : समाज को शांति की जरूरत है और व्यक्ति को क्रांति की। महावीर का चरित्र ऐसा है जिसमें समाज को शांति और व्यक्ति को क्रांति मिलती है। भगवान महावीर शांति और क्रांति दोनों के सूत्रधार हैं और आज क्रांति के बिना शांति आना संभव नहीं है। इसलिए आज एक और हरित क्रांति की सख्त जरूरत है। धर्म दुनिया की सबसे बड़ी क्रांति है और मैं इस धर्म के पथ का एक छोटा-सा संत हूं। इसलिए मैं भी क्रांतिकारी हूं। इसी का नाम है संसार : एक व्यक्ति दुकान पर बैठा था। एक बकरा आया। दुकान पर चढ़ा तो उसने डंडा मारा और भगा दिया। कहानी खत्म हो गई। पर इस कहानी के पीछे भी कहानी है, वह महत्वपूर्ण है। सामने एक संत बैठे थे। वह हंस पड़े। दुकानदार ने पूछा कि आप हंसे क्यों? संत ने कहा भाग्य की विडम्बना पर हंसा। यह बकरा और कोई नहीं, पिछले जन्म का तुम्हारा बाप है। इस दुकान को इसी ने खड़ा किया था और आज यह यहां खड़ा होने के लायक नहीं रहा। इसी का नाम है संसार।

बोध कथा

काम नहीं, तो भोजन नहीं

चीनी जैन विद्या के एक प्रसिद्ध गुरू हुए हयाजूको। वे अस्सी वर्ष की उम्र में भी अपने शिष्यों के साथ कठोर श्रम करते थे जैसे – बागवानी करना, मैदान साफ करना, पेड़ों की कटाई-छटाई करना आदि। उनके शिष्यों को यह देखकर दुःख होता कि उनके वृद्ध शिक्षक इतना कठिन श्रम करते हैं। वे भी यह जानते थे कि उनके गुरू उनकी यह बात कभी नहीं मानेंगे कि वे कठिन श्रम न करें। इसलिए शिष्यों ने भी एक दिन उनके औजार छुपा दिये। औजार नहीं मिलने से गुरूजी उस दिन कोई श्रम नहीं कर पाये। उस दिन गुरूजी ने कुछ नहीं खाया। अगले दिन भी उन्होंने कुछ नहीं खाया, और उसके अगले दिन भी नहीं। उनके शिष्यों ने आपस में चर्चा की कि गुरूजी यह जानकर बहुत क्रोधित होंगे कि हम लोगों ने उनके औजार छुपा दिये, इसलिए अच्छा होगा कि हम उनके औजार वापस रख दें। उन्होंने ऐसा ही किया। गुरूजी ने उस दिन फिर परिश्रम किया और बाद में खाना खाया। उस शाम गुरूजी ने अपने शिष्यों को "काम नहीं, तो भोजन नहीं" विषय पर व्याख्यान दिया।

यात्रियों को खासी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा

हवाई किराए बढने का सिलसिला कैसे थमेगा

अश्वनी महाजन

केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद किरायों में कुछ कमी देखने को तो मिल रही है लेकिन अभी भी हवाई किराये काफी अधिक हैं। कोविड के बाद यात्रियों की आवाजाही में काफी वृद्धि हुई है। हाल ही में मात्र एक ही दिन में 30 अप्रैल 2023 को 4 .56 लाख यात्रियों द्वारा देश में अंतर्देशीय हवाई यात्रा कर अभी तक का एक रिकार्ड भी बनाया है। हवाई यात्राओं की मासिक यात्री संख्या 1 .2 करोड़ से 1 .3 करोड़ बनी हुई है। पिछले दो दशकों में हवाई किरायों में खासी कमी के चलते कई यात्री जो परंपरागत तरीके से रेल में सफर करते थे, अब सस्ते किरायों के बलबूते हवाई यात्रा करने लगे हैं।

पिछले कुछ समय से देश के अंतर्देशीय वायु परिवहन में हवाई किराये लगातार बढ़ते जा रहे हैं। दिल्ली-मुंबई का अधिकतम हवाई किराया 20,000 रुपए तक पहुंच गया, जो पूर्व में मात्र 7000 रुपए ही होता था। शेष मार्गों पर भी किराये में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं, जिससे यात्रियों को खासी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार के हस्तक्षेप के बाद किरायों में कुछ कमी देखने को तो मिल रही है लेकिन अभी भी हवाई किराये काफी अधिक हैं। कोविड के बाद यात्रियों की आवाजाही में काफी वृद्धि हुई है। हाल ही में मात्र एक ही दिन में 30 अप्रैल 2023 को 4.56 लाख यात्रियों द्वारा देश में अंतर्देशीय हवाई यात्रा कर अभी तक का एक रिकार्ड भी बनाया है। हवाई यात्राओं की मासिक यात्री संख्या 1.2 करोड़ से 1.3 करोड़ बनी हुई है। पिछले दो दशकों में हवाई किरायों में खासी कमी के चलते कई यात्री जो परंपरागत तरीके से रेल में सफर करते थे, अब सस्ते किरायों के बलबूते हवाई यात्रा करने लगे हैं। गौरतलब है कि दिल्ली-मुंबई का एसी प्रथम दर्जे का राजधानी गाड़ी में रेल किराया 4730 रुपए है, जबकि समय पर बुकिंग करने पर हवाई किराया सामान्यतः उससे कम ही बैठता था, ऐसे में काफी लोग रेल की बजाय हवाई यात्रा को प्राथमिकता देने लगे थे। लेकिन हवाई किराये बढने से लोग अब पुनः अन्य साधनों की ओर मुड़ सकते हैं जिससे हवाई यात्रा की मांग कम हो सकती है और इस उद्योग का विकास बाधित हो सकता है। हवाई किरायों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वृद्धि हो रही है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एशिया पेसिफिक) की रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय हवाई किरायों में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट का यह भी कहना है कि भारत में हवाई किराये में सर्वाधिक वृद्धि 41 प्रतिशत थी, जबकि यूनाईटेड अरब अमीरात में यह वृद्धि 34 प्रतिशत, सिंगापुर में 30 प्रतिशत और आस्ट्रेलिया में यह 23 प्रतिशत ही रही। हालांकि यह कहा जा रहा है कि विमानन किरायों में वृद्धि के दो प्रमुख कारण हैं – पहला, ईंधन की कीमत में वृद्धि और दूसरा, सामान्य महंगाई की दर में वृद्धि। वर्ष 2019 से अब तक विमानन ईंधन की कीमतों में 76 प्रतिशत वृद्धि हो चुकी है, जबकि विमानन कंपनियों की अन्य लागतें 10 प्रतिशत महंगाई की दर से बढ़ रही हैं। लेकिन साथ ही एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल का मानना है कि किरायों को ऊंचा रखने के लिए विमानन कंपनियां आपूर्ति (सीट उपलब्धता) को सीमित रखकर कीमतों को ऊंचा

रखने का प्रयास कर रही हैं। रिपोर्ट का यह भी मानना है कि कंपनियों का यह कृत्य विमानन उद्योग में ग्रोथ को प्रभावित कर सकता है। भारत में घरेलू विमानन क्षेत्र में कई कंपनियां कार्यरत हैं। फरवरी 2023 में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ पहले स्थान पर इंडिगो, दूसरे और तीसरे स्थान पर टाटा समूह की एयर इंडिया और विस्तारा हैं, जिनकी बाजार में हिस्सेदारी क्रमशः 8.9 प्रतिशत और 8.7 प्रतिशत की थी। हालांकि एयर इंडिया और विस्तारा जल्दी ही मिलकर एक इकाई होने वाले हैं, लेकिन उसके बावजूद वे मिलकर भी इंडिगो से लगभग एक तिहाई से थोड़ा अधिक हो पाएंगे। चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः गोफस्ट और स्पाईसजेट दो एयरलाईन हैं, जिनका बाजार में हिस्सा 8.0 प्रतिशत और 7.1 प्रतिशत है। लेकिन ये दोनों विमानन कंपनियां काफी कठिनाई में आ चुकी हैं। हाल ही में जहांगीर वाडिया की अगुवाई वाली गोफस्ट एयरलाइंस जो 8 प्रतिशत बाजार हिस्से के साथ भारत की चौथी बड़ी सबसे बड़ी एयरलाइंस थी, वित्तीय कठिनाइयों से ही नहीं गुजर रही, बल्कि उसकी दिवालिया प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। हालांकि उसकी कठिनाइयों के पीछे वित्तीय कारणों से ज्यादा तकनीकी कारण हैं, जिसके लिए ईंजन आपूर्ति करने वाली कंपनी 'प्रैट एंड विटनी इंजन्स' जिम्मेदार है। गौरतलब है कि एयरबस ए-320 नियो हवाई जहाज के लिए यह कंपनी इंजनों की आपूर्ति करती है। पिछले कुछ समय से इस कंपनी द्वारा दिए गए इंजनों की खराबी के कारण गो-फस्ट को अपने कई हवाई जहाज ग्राउंड करने पड़े। इन सबके कारण से कंपनी भारी नुकसान में चली गई। गत 3 मई से गो-फस्ट ने अपनी सभी उड़ानों को स्थगित कर दिया है और दिवालिएपन का आवेदन जमा किया है। इसी प्रकार नागरिक उड्डयन में पांचवें पायदान पर स्पाईसजेट कंपनी भी आर्थिक मुश्किलों से गुजर रही है। यह एयरलाइन भी जहाजों में कई तकनीकी गड़बडियों से जूझ रही है और इसके लिए नागरिक उड्डयन महाप्रबंधक ने कंपनी को अपने 10 बोईंग-737 मैक्स जहाजों को ग्राउंड करने का निर्देश दिया है। 2022-23 की पहली तिमाही से यह कंपनी नुकसान में जाना शुरू हो गई थी। बढ़ती ईंधन की लागतों, मुद्रास्फीति और रुपए के अवमूल्यन के कारण यह कंपनी लगातार घाटे से जूझ रही है। हालांकि कंपनी ने हार नहीं मानी है, लेकिन इसकी सेवाएं अवश्य बाधित हो रही हैं। इंडिगो और टाटा समूह की एयर इंडिया, विस्तारा और एयर एशिया सरीखी बड़ी कंपनियों को स्पाईसजेट और गो-फस्ट खासी प्रतिस्पद्र्धा देती थी। इन विमानन कंपनियों के मुश्किल में पडने के बाद इंडिगो और टाटा समूह की कंपनियों की प्रतिस्पद्र्धा घट गई है। इस कारण से ये कंपनियां अनाप-शनाप रूप से हवाई किराए बढ़ा रही हैं। कैसे रोकें बढ़ते हवाई किराए : नागरिक विमानन क्षेत्र में निजी क्षेत्र के प्रवेश के बाद सामान्य तौर पर हवाई किरायों का निर्णय विमानन कंपनियों पर छोड़ा गया है, ताकि वे बाजार के अनुसार कीमतें तय करें और उन्हें बिना वजह घाटा न सहना पड़े और विमानन क्षेत्र का स्वस्थ विकास भी हो। बड़ी संख्या में विमानन कंपनियों की आपसी प्रतिस्पद्र्धा के चलते न केवल हवाई किराए काफी हद तक किफायती बने रहे और साथ ही साथ नागरिक उड्डयन क्षेत्र का स्वस्थ विकास भी हुआ। गौरतलब है कि हाल ही में एयर इंडिया द्वारा 550 नए विमानों सहित भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा 1000 विमानों के ऑर्डर ने दुनिया को अचंभित कर दिया था। यह हमारे नागरिक उड्डयन क्षेत्र की विकास गाथा को परिलक्षित करता है। लेकिन दो प्रमुख विमानन कंपनियों की आर्थिक कठिनाइयों के चलते नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक संकट का निर्माण हुआ है। पिछले काफी समय से सरकार द्वारा आर्थिक संकट में फंसी कंपनियों के प्रमोटरों को जल्द निजात दिलाने के लिए दिवालिया कानून में बड़े बदलाव करते हुए इस प्रक्रिया को आसान बना दिया गया है। लेकिन विमानन क्षेत्र की स्थिति अलग है। यदि गो फस्ट और स्पाइसजेट ये दोनों कंपनियां दिवालिया होती हैं तो विमानन क्षेत्र में वस्तुतः इंडिगो और टाटा समूह का एकाधिकार हो जाएगा। ऐसे में पिछले दो दशकों से विमानन क्षेत्र में विकास और प्रतिस्पर्धा का लाभ जो आम जन को सस्ती हवाई यात्रा के रूप में मिल रहा था, अब समाप्त हो जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व में एयर इंडिया सावर्जनिक क्षेत्र में होने के कारण हवाई यात्रा में स्वाभाविक रूप से प्रतिस्पर्धा का लाभ जनता को मिल रहा था। अब चूंकि एयर इंडिया टाटा समूह का हिस्सा है।

'एक विश्व, एक स्वास्थ्य' की प्रासंगिकता

भारतीय परंपरा के अनुसार ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन की ओर जाता है और माना जाता है कि सूर्य दक्षिणायन का समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने के लिए लाभकारी है। इसी को देखते हुए योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। भारतीय परंपराओं में योग कई युगों से ऋषि-मुनियों के काल से चलता आ रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लाने की पहल भी भारत नहीं ही की है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसकी पहल की थी। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस प्रस्ताव को पूर्ण बहुमत से पारित किया था। 193 सदस्य देशों में से 177 सदस्य देशों ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से मंजूरी दी थी। वस्तुत : 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व के अंदर 21 जून को मनाया जाता है।

हमारी पृथ्वी सभी ग्रहों से अनोखी है क्योंकि यहां पंचतत्व और मानव जीवन उपलब्ध है। पृथ्वी के सूर्य के गिर्द घूमने से मौसम और अपने अक्ष से रात-दिन बनते हैं। 21 जून को उत्तरी गोलार्ध का सबसे लंबा दिन होता है, जिसे आम जनमानस ग्रीष्म संक्रांति भी कहते हैं। भारतीय परंपरा के अनुसार ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन की ओर जाता है और माना जाता है कि सूर्य दक्षिणायन का समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने के लिए लाभकारी है। इसी को देखते हुए योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। भारतीय परंपराओं में योग कई युगों से ऋषि-मुनियों के काल से चलता आ रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लाने की पहल भी भारत नहीं ही की है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसकी पहल की थी। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस प्रस्ताव को पूर्ण बहुमत से पारित किया था। 193 सदस्य देशों में से 177 सदस्य देशों ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से मंजूरी दी थी। वस्तुतः 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व के अंदर 21 जून को मनाया जाता है। योग अपने अद्भुत स्वास्थ्य लाभ के लिए जाना जाता है। यह भारतीय प्राचीन कला के लिए एक अनुष्ठान की तरह है। भगवान शिव को आदि योगी के रूप में भी माना जाता है। उसके बाद पतंजलि ऋषि ने इसे व्यापक रूप दिया है। आज के आधुनिक युग में कितने ही योग गुरुओं ने इसके फायदे अपने-अपने ढंग से बताए हैं। शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास के समूह को योग कहते हैं। योग शरीर और मस्तिष्क को एक साथ लाने का काम करता है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के यूज शब्द से हुई है जिसका अर्थ जोडन्ा या मिलना है। योग ऐसी कला है जो आपकी सोई हुई शक्तियों को जगाता है और इसके कई प्रकार हैं। हठयोग में चार अंग आसन, प्राणायाम, मुद्रा और बंद होते हैं, जबकि योग तत्त्व उपनिषद में अंगों का वर्णन है- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से हम अपने शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए योग शुरू कर सकते हैं। शुरुआत में किसी योग गुरु से जानकारी आवश्यक है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो किसी विशेषज्ञ की सलाह के बगैर योग न करें। आम तौर पर सुबह के समय योग करना अच्छा माना जाता है। इस समय शरीर में ऊर्जा भी होती है। घर के किसी कोने में, जो कि हवादार व स्वच्छ हो, शांत जगह पर चटाई बिछाकर, खाली पेट, खुले कपड़े पहनकर योग कर सकते हैं। यदि आप योग सुबह करते हैं तो चेहरा पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ रखें और शाम को योग करते समय चेहरे को पश्चिम या दक्षिण की ओर करने से लाभ होता है। कभी भी योगासन खाने के बाद न करें। ऐसा करना बहुत ही नुकसानदायक साबित हो सकता है। योग सुबह खाली पेट करें। अगर सुबह समय नहीं मिलता तो फिर दिन के समय में आप खाना खाने के 2 से 3 घंटे बाद योग कर सकते हैं। केवल वज्रासन ही एक ऐसा आसन है जिसे खाना खाने के तुरंत बाद किया जा सकता है, क्योंकि यह हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। योग करने के दौरान मुंह से श्वास लेना हानिकारक हो सकता है। आजकल के दौर में युवा वजन कम करने और शरीर की अधिक चर्बी घटाने के लिए जिम में खूब पसीना बहाते हैं। वैसे तो वजन कम करने के लिए संतुलित आहार लेने की आवश्यकता होती है, लेकिन जानकारी के अभाव में कुछ लोग अपनी पसंदीदा डिश तक को भी खाना छोड़ देते हैं। कई तरीकों से आप वजन को घटाने में लगे रहते हैं और बिना सही निर्देश के एक्सरसाइज या खुद की डाइट तय करने से अच्छा है नेचुरल तरीके से वजन घटाएं। इसके लिए योग सबसे कारगर उपाय है। हर रोग का प्राकृतिक तरीके से इलाज योग कर सकता है। नियमित रूप से योगासन करके आप वजन कम कर सकते हैं। पेट की चर्बी को कम करने के लिए सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन अवश्य करें। शरीर को स्वस्थ रखने के साथ ही दिमाग को भी स्वस्थ रखना जरूरी है। हमारा मस्तिष्क हर दिन कई काम करने में मुख्य भूमिका निभाता है। उम्र के बढने के साथ मस्तिष्क को चुस्त-दुरुस्त रखना आवश्यक है, ताकि पक्षाघात, अल्जाइमर, अवसाद, डाउन सिंड्रोम, अटेंशन डिफिसिट हाइपर, एक्टिविटी डिसऑर्डर आदि से बचा जा सके। योग और ध्यान करने की कोई भी सीमा नहीं होती। आप कहीं भी कभी भी योग कर सकते हैं तथा ध्यान से भी दिमाग को तेज किया जा सकता है। यह मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बढ़ाता है। हावर्ड से जुड़े शोधकर्ताओं ने यह सत्यापित किया है कि ध्यान मोटे सेरिब्रल कोर्टेक्स से और अधिक ग्रे मैटर से जुड़ा है जो स्मृति, सजगता, निर्णय लेने की क्षमता और सीखने से जुड़े हैं। इसलिए ध्यान अधिक मस्तिष्क शक्ति का कारक है। योगासन, सुपर ब्रेन योग, प्राणायाम और ध्यान आपके मस्तिष्क को सक्रिय कर अधिक शक्तिशाली बना सकते हैं। इसलिए इन्हें कुछ समय दें और एक शानदार और स्वस्थ जीवन जीएं। योगासन के समय कुछ सावधानियों को भी अवश्य ध्यान में रखें। शरीर को व्यायाम के साथ पौष्टिक आहार एवं विश्राम की आवश्यकता होती है। इसलिए समय पर सोएं, 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कठिन आसन न कराएं, धूम्रपान को त्यागें तथा गर्भवती महिलाओं एवं मासिक धर्म के दौरान योग न करें। योग पूरी दुनिया में स्वास्थ्य को चुनौती देने वाली बीमारियों को कम करता है तथा तनाव से राहत प्रदान करता है। पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को विश्व के करोड़ों लोगों ने योग किया था। इस खास आयोजन ने दो गिनीज वल्ड रिकॉर्ड बनाए थे। पहला 35950 लोगों के साथ नई दिल्ली में योग करना तथा दूसरा 84 देशों के लोगों द्वारा इस समारोह में हिस्सा लेना। न्यूयॉर्क के टाइम स्क्वायर पर करीब 30000 लोगों ने एक साथ योग किया था। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 की थीम वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत के साथ 'वन वल्ड वन हेल्थ' रखी गई है। इस वर्ष पूरी दुनिया नौवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रही है और इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की अगुवाई न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी करने जा रहे हैं जो कि हमारे देश भारत के लिए गर्व की बात है।

नागरिक बोध

क्यो खास है मोदी की अमेरिका की यात्रा? पाकिस्तान और चीन की बढ़ी धड़कने

मोदी की अमेरिका यात्रा 21 जून को होने जा रही है। अमेरिका ने भारत को जब से वॉशिंगटन का न्यौता भेजा है,तब से देश दुनिया मे मोदी की यात्रा चर्चा का विषय बना हुआ है। मोदी की यह अमिरिकी मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पाकिस्तान और चीन में हलचल मच गई है। दोनों देश अमेरिका की मुलाकात से परेशान है। आखिर प्रश्न है कि अमेरिका की यात्रा से भारत को क्या फायदा होगा? मोदी अमेरिका यात्रा के दौरान अनेक उधोगपतियों से मुलाकात भी करेंगे। भारत मे इन्वेस्टमेंट को लेकर भी बातचीत होगी। मोदी की अमेरिका की मुलाकात के दौरान माइकोंन टेक्नोलॉजी और करीब एक अरब डालर का इन्वेस्टमेंट की घोषणा हो चुकी है। मोदी के अमेरिका के दौरे के बाद भारत की अंतराष्ट्रीय ताकत में इजाफा होगा। अमेरिका की धरती से भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का प्रसार कर अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडन से मोदी की मुलाकात होगी। भारत अमेरिका के बीच भागीदारी पर चर्चा की जाएगी। भारत दुनिया के लिए आदर्श और वसुधैव कुटुम्बकम की धारणा वाला देश है। इस दौरान संरक्षण उत्पादन का सौदा भी संभव है। भारत की इस मुलाकात से दुनिया मे संदेश जायेगा। भारत की बढ़ती ताकत से पाकिस्तान और चीन बौखलाए हुए है। उनको भारत की तरक्की नही पचती है। पाकिस्तान का पिट्ठू चीन हर हरकत पर भारत को टारगेट करता आ रहा है। भारत के विकास से चीन से दुनिया की नजर हटकर भारत पर टिकी है। उससे इस बात का मलाल है कि भारत हमसे आगे क्यो? हिन्द प्रशांत सागर में पचास से ज्यादा देश और टापू है। इस प्रदेश में चीनी प्रभाव बढ़ रहा है। चीन ने बेल्ट एंड रोड परियोजना की पहल के अंतर्गत पप्पूआ न्यू गिनी नजदीक सोलोमन टापू समूह के साथ एक सुरक्षा समझौता करार किया है। इस टापू का झुकाव चीन की तरफ ज्यादा बढ़ गया है। यह क्वाड देशो के लिए चिंता का विषय है। इस पर अमेरिका की मुलाकात दौरान इस बात पर जोर दिया जाएगा और अमेरिका चाहता भी है कि भारत प्रशांत सागर के साथ अन्य ऐशियाई देशो को संगठित करके उसका नेतृत्व करें जिससे चीन का प्रभाव कम हो सके। अमेरिका हर हालत में चीन को कमजोर देखना चाहता है। नए जोश और जज्बात लिए भारत के साथ अमेरिका कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहता है। अमरीकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने का दूसरा अवसर है। इससे बड़ी भारत के लिए उपलब्धि क्या हो सकती है? कभी तिरस्कार और गरीब देश की श्रेणी वाला भारत आज आसमान छू रहा है। 2014 के पहले के भारत की विदेशो में ख्याति नही थी। भारत को कर्ज के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ी है। भारत और अमेरिका की मुलाकात भारत की साख में चार चांद लगाने तो दुनिया मे चर्चा का विषय बन गया है।

देश दुनीया से

पर्यटन आंकड़ों की नई पैमाइश

पर्यटकों को मात्रात्मक दृष्टि से आकर्षित करना शायद यूं ही बढ़ते-बढ़ते इस कारवां को पांच करोड़ के आंकड़ों तक पहुंचा दे, लेकिन इसके साथ अब तक आकर्षित पर्यटकों को अधिक दिनों तक रोकने की नीति, कार्यक्रम व परियोजनाएं भी चाहिएं। हिमाचल में पर्यटकों के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद अस्सी फीसदी लोग धार्मिक पर्यटन की राह पर ही एकत्रित होते हैं। इसके बाद युवा पर्यटकों का आगमन निरंतर बढ़ रहा है। बर्फ का आनंद लेने या साहसिक पर्यटन के रास्ते तीसरी तरह के सैलानी भी आ रहे हैं। निजी प्रयासों, ट्रैवल एजेंट्स के मार्फत, सोशल मीडिया के दखल, यू ट्यूबर्ज की सामग्री के कारण या नए डेस्टिनेशन की खोज में ट्राइबल टूरिज्म की तरफ भी लोग आकर्षित हुए हैं।

पहली बार कोई मुख्यमंत्री अपनी प्राथमिकताओं से हिमाचल का गंतव्य पहचान रहा है और यह साबित कर रहा है कि कुछ सालों में अब तक सेब राज्य का तमगा पहने यह प्रदेश आइंदा 'पर्यटन राज्य' के तौर पर मुकम्मल होगा। अपनी प्राथमिकताओं से पर्यटन नीति तक पहुंचने का इरादा रखते मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की तमन्ना है कि पहाड़ों पर पर्यटन की वर्षा ऐसे हो कि अगले पांच साल में तीन करोड़ से पांच करोड़ सैलानी हिमाचल पहुंचें। इन आंकड़ों की पैमाइश में कई क्रांतियां, कई नवाचार, कई परियोजनाएं, कई संकल्प और कई उम्मीदें जरूर दिखाई देती हैं, लेकिन पर्यटन के हिस्सों के अपने सवाल मुंह बाये खड़े हैं। पर्यटकों को मात्रात्मक दृष्टि से आकर्षित करना शायद यूं ही बढ़ते-बढ़ते इस कारवां को पांच करोड़ के आंकड़ों तक पहुंचा दे, लेकिन इसके साथ अब तक आकर्षित पर्यटकों को अधिक दिनों तक रोकने की नीति, कार्यक्रम व परियोजनाएं भी चाहिएं। हिमाचल में पर्यटकों के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद अस्सी फीसदी लोग धार्मिक पर्यटन की राह पर ही एकत्रित होते हैं। इसके बाद युवा पर्यटकों का आगमन निरंतर बढ़ रहा है। बर्फ का आनंद लेने या साहसिक पर्यटन के रास्ते तीसरी तरह के सैलानी भी आ रहे हैं। निजी प्रयासों, ट्रैवल एजेंट्स के मार्फत, सोशल मीडिया के दखल, यू ट्यूबर्ज की सामग्री के कारण या नए डेस्टिनेशन की खोज में ट्राइबल टूरिज्म की तरफ भी लोग आकर्षित हुए हैं। पर्यटक और पर्यटन आकर्षणों का विस्तार अपनी जगह गिनती का सबब हो सकता, लेकिन पेशगी में इस खास तरह की काबिलीयत से दिल जीतने का मंसूबा भी हासिल करना होगा। यह मसला महज पर्यटक गिनती तक सीमित नहीं, बल्कि पर्यटन आर्थिकी के संबोधन से ही सफल माना जाएगा। यानी अगर गुणात्मक पर्यटन को साधना है, तो हाई एंड टूरिस्ट की तलाश करनी होगी। हाई एंड टूरिस्ट के लिए कभी मनाली में स्की विलेज की परिकल्पना को ही ध्वस्त करने की साजिश हो चुकी है। इसी तरह अतीत के बनते बिगड़ते सफर में पर्यटन ने जो बटोरा, उससे पर्यटन आर्थिकी परिमार्जित नहीं हुई। मसलन अगर हम प्रदेश के मख्य एक दर्जन मंदिरों की आय का इस्तेमाल धार्मिक पर्यटन के दृष्टिगत करें, तो लगभग पांच हजार करोड़ की आर्थिकी पैदा की जा सकती है। प्रदेश में हाई एंड टूरिस्ट की दृष्टि से कांगड़ा एयरपोर्ट का विकास अपने साथ ऐसे वर्ग को जोड़ेगा, जो पर्यटन का स्तर पूरी तरह उच्च शिखर पर ले जा सकता है। इसी तरह ट्राइबल तथा अनछुए हिमाचल में अगर पर्यटन की राहें सशक्त करनी हैं, तो हाई एंड टूरिस्ट के लिए इसी मानदंड से स्वागत कक्ष व सहूलियतें प्रदान करनी होंगी। पर्यटन के अपने संतुलन, विकार, व्यभिचार, संवेदनशीलता और क्षमता है, जिसके लिए एक लक्ष्मण रेखा हमेशा खींचनी होगी। परिकल्पना कीजिए अगर हर पहलू, व्यवस्था और सहूलियतों पर गौर किए बिना ही पांच करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य को प्रदेश की मात्र सत्तर लाख जनता छू लेती है, तो इसके परिणाम क्या होंगे। 70 लाख का नागरिक समाज अपने सामने पांच करोड़ के सैलानी समाज की गिनती में क्या कुछ खो सकता है। कहने का अर्थ यह कि सैलानी संख्या बढ़ाने के व्यापारिक या आर्थिक उद्देश्यों के साथ-साथ सामाजिक परिवेश का संरक्षण भी जरूरी है। अभी हाल फिलहाल ही जिस गति से हिमाचल के टॉप डेस्टिनेशन यानी शिमला, मनाली, मकलोडगंज, धार्मिक स्थल एवं अटल टनल तक पर्यटकों की रेलमपेल बढ़ रही है, उससे इनके आसपास के परिदृश्य की सामाजिक परेशानियों का हल भी ढूंढना होगा। अगर पांच करोड़ पर्यटकों में से आधे भी अटल टनल तक पहुंच गए, तो कुल्लू घाटी से लाहौल- स्पीति तक की होल्डिंग कैपोसिटी का क्या होगा।

यूएनएससी को भारत जैसे प्रतिनिधियों की जरूरत, यूएनजीए प्रमुख कोरोसी का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क ।
पीएम मोदी अमेरिका के दौरे पर निकलने वाले हैं, वहीं 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र में होने वाले कार्यक्रम में भाग लेंगे। वहीं यूएनएससी शामिल होने को लेकर भारत की मांग कई बार की जा चुकी है। इसी कड़ी में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष साबा कोरोसी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों के बीच एक धारणा है कि सुरक्षा परिषद में बेहतर प्रतिनिधियों की आवश्यकता है जिनके पास लोगों की भलाई और शांति की बड़ी जिम्मेदारी है और निश्चित रूप से भारत उन देशों में से है जो दुनिया की भलाई में योगदान कर सकता हैं। यूएनएससी के लिए भारत की उम्मीदवारी पर कोरोसी ने कहा कहा कि अतीत में जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) बनाया गया था उस समय भारत सबसे बड़े देशों में से नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि यूएनएससी में सुधार होगा। वहीं सुधार का मामला 13 वर्षों से बातचीत की प्रक्रिया में चल रहा है। सुरक्षा परिषद में सुधार की संभावित आवश्यकता पर पहली चर्चा 40 साल पहले शुरू हुई थी लेकिन कोई भी बदलाव सदस्य राज्यों के हाथों में है। यूएनजीए अध्यक्ष ने एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि अगर सदस्य देश इस बात पर सहमत हो सकते हैं कि सुरक्षा परिषद में सुधार कैसे किया जा सकता है, जैसे, स्थायी सदस्यों के मामले में, वीटो के अधिकार के मामले में, सुरक्षा परिषद और शायद संयुक्त राष्ट्र के बीच बेहतर संबंध कैसे होना चाहिए आदि सभी काम यह सब सदस्य देशों के हाथों में है। उन्होंने कहा कि भारत सुरक्षा परिषद के शुरुआती सुधारों के लिए शायद सबसे सक्रिय अधिवक्ताओं में से एक है। भारत को संभावित महाशक्ति देश बताते हुए यूएनजीए प्रमुख ने कहा कि जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक को भी याद किया और कहा मैं कुछ महीने पहले नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिला था, और हमारी बैठक के बाद उन्होंने मुझपर एक गहरी छाप छोड़ी। पीएम मोदी के बारे में बोलते हुए कोरोसी ने कहा कि वह एक दूर दृष्टि वाला व्यक्ति, रणनीतिक सोच वाला व्यक्ति, एक व्यक्ति जिसकी एक बहुत गहरी परंपरा है, वह अपने साथ एक राष्ट्र की एक बहुत गहरी परंपरा और एक स्पष्ट दृष्टि रखता है कि आधुनिक भारत कैसा दिखना चाहिएऔर मुझे उनका अभिवादन करते हुए बहुत खुशी हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में उनका बहुत स्वागत है। वह बहुत कम समय में यहां आने वाले दुनिया के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक हैं।

न्यूज ब्रीफ

कनाडा पुलिस को असिनिबाइन नदी के पास मिला शव; लापता भारतीय छात्र का होने की आशंका

ओटावा । कनाडा में पुलिस को असिनिबाइन नदी के पास एक शव मिला है। पुलिस का कहना है कि ये शव बीते सप्ताह मैनिटोबा शहर से लापता हुए भारतीय छात्र का विषय पटेल का है। हालांकि उसकी पहचान की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मैनिटोबा प्रांत में ब्रैंडन सिटी के पूर्व में असिनिबाइन नदी और राजमार्ग 110 पुल के पास आपातकालीन जांच कर्मियों को एक शव मिला था। जांच कर्मियों का मानना है कि शव असिनिबाइन कम्युनिटी कॉलेज के छात्र विषय पटेल का है। बता दें कि विषय पटेल भारत के गुजरात का है। वह शुक्रवार सुबह से लापता हो गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विषय पटेल के परिजनों ने ब्रैंडन पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी थी। बताया जा रहा है कि विषय पटेल के परिवार के सदस्यों ने भी इलाके में उसकी खोज की थी। इसके बाद रविवार शाम असिनिबाइन नदी के पास उसके कपड़े पाए गए। इसके बाद आपातकालीन सेवा कर्मियों ने इलाके की तलाशी ली और उन्हें एक शव मिला था। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय छात्र विषय पटेल को एक ग्रे होंडा सिविक कार में अपने घर से निकलते हुए देखा गया था। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक मृत व्यक्ति की पहचान की पुष्टि नहीं की है। इस बीच, एक चश्मदीद ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पटेल को रिवरबैंक डिस्कवरी सेंटर मैदान की ओर जाते हुए देखा था। वहीं, इस मामले में मुख्य चिकित्सा परीक्षक कार्यालय ने कहा है कि अधिकारी जांच जारी रखेंगे। वहीं, विषय पटेल के एक मित्र ने बताया है कि वह बीते कुछ सालों से एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में असिनिबाइन कम्युनिटी कॉलेज में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने रग्बी क्लब में पी बीयर, वीडियो सामने आने के बाद हो रही तीखी आलोचना

पेरिस । फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह एक रग्बी क्लब में बीयर पीते नजर आ रहे हैं। इसे लेकर फ्रांस में तीखी बहस छिड़ गई है। दरअसल वीडियो में दिख रहा है कि फ्रांस के राष्ट्रपति एक बार में ही बीयर की पूरी बोतल पीते दिख रहे हैं और वहां मौजूद अन्य लोग उन्हें बीयर पीते हुए चीयर कर रहे हैं। इसे लेकर बहस छिड़ गई है कि राष्ट्रपति शराब के सेवन और मर्दानगी का भौंडा प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां टोलोज रग्बी टीम के ड्रेसिंग रूम पहुंचे थे, जहां उन्होंने महज 17 सेकेंड में बीयर की पूरी बोतल खत्म कर दी। राष्ट्रपति की इस वीडियो पर सोशल मीडिया में खूब टिप्पणी की जा रही है। फ्रांस की एक सांसद ने इसे राजनीतिक नेतृत्व द्वारा मर्दानगी का भौंडा प्रदर्शन करार दिया है। कुछ लोग राष्ट्रपति का समर्थन भी कर रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि राष्ट्रपति एक रोल मॉडल हैं और उन्हें देश के लोगों के साथ उदाहरण पेश करना चाहिए और स्वस्थ जीवनशैली और खानपान की आदतों को बढ़ावा देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इमैनुएल मैक्रां फ्रांस की शराब इंडस्ट्री के समर्थक माने जाते हैं और एक बार उन्होंने कहा था कि वह हर दिन लंच और डिनर के साथ शराब का सेवन करते हैं।

भारतीय राजदूत ने किया एचएएल पवेलियन का उद्घाटन, राफेल और दूसरे लड़ाकू विमानों ने दिखाए करतब

पेरिस । फ्रांस में भारतीय राजदूत जावेद अशरफ ने 19 जून को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) पवेलियन का उद्घाटन किया। पेरिस एयर शो के दौरान राफेल और अन्य विमानों ने अपना करतब दिखाया। पेरिस एयर शो में पवेलियन का उद्घाटन करने के बाद बाद एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अनंतकृष्णन सीबी ने कहा कि कंपनी को अर्जेंटीना, फिलीपींस और मिस्र जैसे कई देशों से व्यापार ऑर्डर मिलने की संभावनाएं हैं। उम्मीद है कि इन देशों से कोई न कोई सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा का प्रयास है। कंपनी अपने उत्पादों को बड़े स्तर पर निर्यात कर सकती है। विभिन्न विदेशी विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के साथ जुड़कर हमारी स्वदेशी क्षमताओं में सुधार हुआ है और यह भी देखा गया है कि हम अपने व्यापक रेंज के उत्पादों को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगले तीन से पांच साल तक निर्यात से 10 फीसदी राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य है। पिछले साल साफरान हेलीकाप्टर और एचएएल ने हेलीकाप्टर इंजन विकसित करने के लिए एक संयुक्त उद्यम बनाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

पीएम मोदी तीन दिन के अमेरिका दौरे पर रवाना

72 घंटे में 10 कार्यक्रम ; न्यूयॉर्क में योग करेंगे, बाइडेन के साथ डिनर

वॉशिंगटन।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह अपने 3 दिन के अमेरिका दौरे पर रवाना हो गए हैं। यह उनकी पहली स्टेट विजिट है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें स्टेट विजिट के लिए आमंत्रित किया है। वो अब तक के दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री और तीसरे बड़े नेता हैं, जिन्हें अमेरिका की तरफ से इस विजिट के लिए इनवाइट किया गया है। इससे पहले 1963 में राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन और 2009 में मनमोहन सिंह स्टेट विजिट पर अमेरिका गए थे। यही वजह है कि पीएम मोदी के पिछले 7 अमेरिकी दौरों की तुलना में यह विजिट बेहद खास है। इस दौरान वे 72 घंटे में 10 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और न्यूयॉर्क में योग भी करेंगे।

पीएम मोदी बोले- हम फ्री इंडो-पैसेफिक के लिए मिलकर काम कर रहे - अमेरिका रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा- भारत-अमेरिका के बीच गहरे संबंध हैं और हर क्षेत्र में हमारी भागीदारी लगातार बढ़ी है। अमेरिका गुड्स एंड सर्विसेज में हमारा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। इसके अलावा, साइंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थ और डिफेंस के क्षेत्र में भी हम सहयोगी हैं। दोनों देश इंडो-पैसेफिक को फ्री और ओपन बनाने की तरफ भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा- राष्ट्रपति बाइडेन और दूसरे लीडर्स के साथ मेरी बातचीत दोनों देशों के बीच बाइलेट्रल रिलेशन को और आगे लेकर जाएगी। मुझे विश्वास है कि अमेरिका की मेरी यात्रा डेमोक्रेसी, डायवर्सिटी और आजादी के मूल्यों पर आधारित हमारे संबंधों को और मजबूत करेगी। हम वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक साथ मजबूती से खड़े हैं।

न्यूयॉर्क में एलन मस्क से मिलेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी - न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग 24 दिग्गज हस्तियों से मुलाकात करेंगे। इनमें नोबेल पुरुस्कार, इकोनॉमिस्ट, आर्टिस्ट, साइंटिस्ट, स्कोलर और बिजनैस मैन शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक वो टेस्ला के को-फाउंडर एलन मस्क और मशहूर एस्ट्रोफिजिसिस्ट यानी खगोलशास्त्री नील डिग्रास टायसन से भी मिलेंगे।

विदेश मंत्रालय ने नहीं बताया पीएम मोदी के कार्यक्रमों का समय - पीएम मोदी की स्टेट विजिट से एक दिन पहले यानी विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस ब्रीफिंग की। इसमें फॉरेन सेक्रेटरी विनय मोहन क्वात्रा और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची मौजूद थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहां और किस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। हालांकि, उन कार्यक्रमों के समय की जानकारी नहीं दी। पीएम मोदी के साथ कौन-कौन जा रहे हैं और क्यों जा रहे हैं। पीएम मोदी के साथ मंत्रियों का एक दल और ट्रेड डेलिगेशन भी अमेरिका जाएगा। डेलिगेशन में अलग-अलग सेक्टर्स जैसे डिफेंस, एविएशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े लोग होंगे। जबकि मंत्रियों के दल में विदेश मंत्री एस जयशंकर और नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल का होना तय माना जा रहा है।। इस दौरे पर भारत और अमेरिका के बीच डिफेंस, टेक्नोलॉजी, स्ट्रैटेजिक और बिजनेस डील होंगीं। पीएम मोदी 20 अमेरिकी कंपनियों के सीईओ से भी मिलेंगे। पीएम मोदी का ये दौरा कितना अहम है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पीएम के रवाना होने से पहले 15 दिन के भीतर 2 बड़े अमेरिकी नेता भारत आ चुके हैं। एक ओर जहां अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने राजनाथ सिंह से मुलाकात की। वहीं, नेशनल सिक्योरिटी एडवाजर जेक सुलिवन भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिले। अमेरिका के रक्षा मंत्री ने बताया था कि दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर डील हुई हैं। इनकी घोषणा पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर की जाएगी।

पीएम मोदी के इस दौरे की डिप्लोमैटिक और स्ट्रैटेजिक अहमियत - वित्त वर्ष 2022-2023 में भारत और अमेरिका के बीच बाइलेट्र्ल ट्रेड 128 बिलियन डॉलर पार कर चुका है। यानी इस अंतराल में भारत और अमेरिका ने 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का व्यापार किया। अमेरिका उन कुछ देशों में से एक है जिनके साथ भारत का ट्रेड सरप्लस है। यानी भारत अमेरिका को ज्यादा सामान बेचता है और वहां से कम सामान खरीदता है। 2021-22 में, भारत का अमेरिका के साथ 32.8 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस था। भारत इस ट्रेड सरपलस को बरकरार रखना चाहता है। इस लिहाज से पीएम की विजिट अहम है। स्ट्रैटेजिक और डिप्लोमैटिक तौर पर भी ये यात्रा बेहद खास है। दरअसल, चीन के मुद्दे को लेकर भारत और अमेरिका की चिंता लगभग एक जैसी हैं। एक तरफ जहां हिंद महासागर में चीन की दखलंदाजी का भारत विरोध करता है। वहीं, अमेरिका भी ताइवान और साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ की कोशिशों का विरोध करता है। ऐसे में चीन से निपटने के लिए दोनों देशों को एक-दूसरे के साथ की जरूरत है। इसके अलावा पीएम के इस दौरे पर भारत को दुनिया का सबसे एडवांस्ड एमक्यू-9 ड्रोन और फाइटर जेट के इंजन बनाने की 11 टेक्नोलॉजी अमेरिका से मिलने की संभावना है। पीएम मोदी इससे पहले 6 बार अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन से मुलाकात कर चुके हैं। उनकी पहली मुलाकात सितंबर 2021 में अमेरिका में हुई थी।

बोरिस जॉनसन के खिलाफ रिपोर्ट का सांसदों ने किया समर्थन, माना पूर्व पीएम जानबूझकर संसद को किया गुमराह

लंदन ।
ब्रिटेन के पूर्व बोरिस जॉनसन की मुसीबतें और बढ़ सकती हैं। ब्रिटिश सांसदों ने हाउस ऑफ कॉमन्स कमेटी की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट को पारित करने के लिए संसद में वोटिंग हुई जिसके पक्ष में 354 सांसदों ने मतदान किया, जबकि सात ने रिपोर्ट के खिलाफ मतदान किया। रिपोर्ट में पाया गया है कि बोरिस जॉनसन ने लॉकडाउन पाबंदियों का उल्लंघन करते हुए अपने कार्यालय में पार्टियां आयोजित करने के बारे में सांसदों से झूठ बोला। इसके साथ ही जॉनसन का संसद भवन का उनका आजीवन पास भी छिन सकता है, जो परंपरागत रूप से पूर्व सांसदों को दिया जाता है। बता दें कि संसद की विशेषाधिकार समिति (कॉमन्स प्रिविलेजेस कमेटी) ने पार्टीगेट स्कैंडल को लेकर गुरुवार को अपनी अंतिम रिपोर्ट जारी की है। इसमें समिति ने जॉनसन को संसद के नियमों का उल्लंघन करने के लिए जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही समिति पर जॉनसन द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर भी उनकी निंदा की।

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि जॉनसन ने जानबूझकर संसद को गुमराह करके गंभीर अवमानना की है। ये इसलिए और अधिक गंभीर है क्योंकि इसे प्रधानमंत्री ने किया था। प्रधानमंत्री सरकार के सबसे वरिष्ठ सदस्य होते हैं और जब वे ऐसा करते हैं तो यह उदाहरण ठीक नहीं है।

रिपोर्ट के निष्कर्षों पर बहस करने के लिए उनके कई सहयोगी और विपक्षी सदस्य सोमवार को संसद में एकत्र हुए और सभी ने पूर्व प्रधान मंत्री के कार्यों की निंदा की। ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सनक, कई अन्य टोरी सांसदों के साथ, रिपोर्ट के निष्कर्षों पर बहस या टिप्पणी में शामिल नहीं होने का फैसला किया, कुछ विपक्षी लेबर पार्टी के सांसदों ने सत्र के दौरान हिस्सा लिया।

लेबर पार्टी के जेस फिलिप्स ने कहा कि यह शर्मनाक है कि इस देश के प्रधानमंत्री यह भी नहीं बता सकते हैं कि अगर वह आज कैसे मतदान करेंगे। मेरे विचार में, यह कर्तव्य का अपमान है। जॉनसन के कट्टर सहयोगियों ने कंजरवेटिव पार्टी के पूर्व नेता जॉनसन का बचाव किया और क्रॉस-पार्टी प्रिविलेज कमेटी पर हमला किया।

शाही परिवार की बात को समझना लोगों के लिए मुश्किल; प्रिंस हैरी से अनबन के बीच बड़े भाई विलियम का बयान

लंदन ।
ब्रिटेन के राजपरिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम की अनबन जगजाहिर है। वहीं, ब्रिटेन में किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक से पहले राजपरिवार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा था। इस बीच, प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम ने कहा है कि शाही परिवार की बात को समझना लोगों के लिए कभी-कभी कठिन होता है। उन्होंने यह दावा किया। इसके अलावा इसमें उन्होंने यूनाइटेड किंगडम में बेघर लोगों के लिए किए जा रहे अपने कामों के बारे में भी बताया। प्रिंस ऑफ वेल्स प्रिंस विलियम ने बेघर लोगों की समस्याओं को खत्म करने और उन्हें घर मुहैया कराने के लिए अपने पांच साल की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत काम कर रहे हैं। इस दौरान, ड्यूक ऑफ ससेक्स के साथ चल रही अनबन को लेकर कहा कि कभी कभी यह देखना मुश्किल होता है कि हमारा परिवार क्या करता है और हम क्या करते हैं। प्रिंस विलियम ने आगे कहा कि वह लोगों की मदद कर सकते हैं और वे ऐसा करना जारी रखेंगे। आगे उन्होंने अपने सार्वजनिक आवास अभियान के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने प्रिंस जॉर्ज, प्रिंस लुइस और प्रिंसेस

शार्लोट को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि तीनों बड़े होकर इस बारे में गहराई से जानें। उन्होंने बेघर लोगों के लिए जा रहे कामों के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि जब मैं इसे उनकी स्कूली शिक्षा के साथ संतुलित कर सकता हूं, तो वे निश्चित रूप से इसके संपर्क में आएंगे। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब हम लंदन में थे तो हम नियमित रूप से सुपरमार्केट के बाहर बैठे लोगों को देखते थे और हम इसके बारे में बात करते थे। तब बच्चों ने भी सड़क पर रहने वाले लोगों को लेकर उनसे सवाल किया था। पूछा कि वे वहां क्यों रह रहे हैं। प्रिंस विलियम ने कहा, मुझे लगता है कि यह हमारे सभी हितों में है, यह करना सही काम है। उन्होंने कहा कि हममें से कुछ बहुत भाग्यशाली हैं, हममें से कुछ को थोड़ी मदद की जरूरत है। हममें से कुछ को थोड़ा और करने की जरूरत है जहां हम दूसरों की मदद कर सकें ।

पुरातत्वविदों को कब्र से मिली कांसे की बनी तलवार, किया जा रहा है 3 हजार साल पुरानी होने का दावा

बर्लिन ।
पुरातत्वविदों को एक कब्र से कांसे की बनी तलवार मिली है। यह तलवार करीब तीन हजार साल पुरानी होने का दावा किया जा रहा है। इतनी पुरान होने के बावजूद यह तलवार अभी भी चमक रही है। बवेरियन स्टेट ऑफिस (बीएलएफडी) ने बताया है कि नई खोजी गई तलवार 14 वीं शताब्दी ईसा पूर्व के अंत की हो सकती है। उनका कहना है कि यह कांस्य युग का मध्य चरण था। इस ऑफिस को ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण के लिए बनाया गया था। यह तलवार पिछले हफ्ते नूरेमबर्ग और स्टटगार्ट के बीच नोर्डलिंगेन में हुई खुदाई में मिली है। तलवार को एक ऐसी कब्र में पाया गया है जहां पर तीन लोगों को दफनाया गया था। इनमें एक पुरुष, एक महिला और एक युवक था। उनके साथ ही कांसे की कुछ वस्तुओं को भी दफनाया गया था। पुरातत्वविदों का कहना है कि अभी भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि तीनों लोग आपस में संबंधित थे या नहीं और अगर इनका कोई रिश्ता था तो क्या। बीएलएफडी के मुखिया प्रोफेसर मथियास फेफिल ने कहा, तलवार

और इसे दफन किए जाने की वजहों की और ज्यादा जांच करने की जरूरत है। इससे पुरातत्वविदों को इस खोज को और ज्यादा विस्तार से बताने में सफलता मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि इस तलवार को असाधारण तरीकों से संरक्षित किया गया था। उन्होंने इस तरह की खोज बहुत ही दुर्लभ करार दिया है। बीएलएफडी ने कहा, इस अवधि से तलवारें मिलना असामान्य है। अक्सर ऐसी चीजें 19वीं सदी के अवशेषों की खुदाई में मिली हैं। बयान में कहा गया है कि खुदाई में मिली तलवार कांसे के हैंडल वाली है और इसे बनाने में पूरी तरह से कांसे का ही प्रयोग किया गया है।पुरातत्वविदों के अनुसार ऐसी अष्टकोणीय तलवारें सिर्फ कुशल लोहार ही बना सकते हैं। हैंडल पर दो रिवेट्स ऐसे हैं जिन्हें ओवरले कास्टिंग नाम की टेक्नोलॉजी का उपयोग करके ब्लेड पर डाला गया है। हालांकि, ब्लेड में कोई कट के निशान नहीं हैं। ऐसे में लगता है कि यह तलवार प्रतीकात्मक उद्देश्य के लिए थी। विशेषज्ञों के मुताबिक तलवार आसानी से एक सक्रिय हथियार के रूप में काम करती होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्लेड के अगले सिरे पर गुरुत्वाकर्षण के केंद्र से पता चलता है कि यह विरोधियों को प्रभावी ढंग से गिरा सकती थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरातत्वविदों के मुताबिक यह अष्टकोणीय तलवार14 वीं शताब्दी ईसा पूर्व से लगाया गया है। एक बहुत ही दुर्लभ है क्योंकि लोगों ने मध्य कांसे युग की कब्रों को सदियों से लूटा है।

टाइटैनिक दिखाने गई पनडुब्बी अटलांटिक में 2 दिन से लापता

ब्रिटिश अरबपति, 2 पाकिस्तानी समेत 5 टूरिस्ट सवार, इसमें सिर्फ 96 घंटे की ऑक्सीजन

न्यूफाउंडलैंड।
टाइटैनिक जहाज के मलबे को देखने के लिए लोगों को ले जाने वाली टूरिस्ट पनडुब्बी टाइटेन अटलांटिक महासागर में लापता हो गई। टाइटेन पनडुब्बी में एक पायलट और 4 पैसेंजर्स सवार थे। इनमें ब्रिटेन के अरबपति कारोबारी हामिश हार्डिंग और पाकिस्तान के बिजनेसमैन शहजादा दाऊद अपने बेटे के साथ मौजूद हैं। सबमरीन को ढूंढने के लिए अमेरिका और कनाडा के जहाज और प्लेन्स को भेजा गया है। 18 जून की दोपहर को सबमरीन पानी में उतरने के 1.45 घंटे बाद रडार से गायब हो गई। अमेरिकी कोस्ट गार्ड के रियर एडमिरल जॉन मॉगर ने कहा, हम अनुमान लगा रहे हैं कि पनडुब्बी को खोजने के लिए हमारे पास 70 घंटों से लेकर 96 घंटों तक का समय है। इस सबमरीन में 96 घंटों की ऑक्सीजन होती है।

अमेरिका-कनाडा की रेस्क्यू टीम 900 मील के एरिया में तलाश कर रही - इस बात की जानकारी नहीं मिली है कि सबमरीन अभी भी पानी में ही है या सतह पर आ चुकी है। अमेरिका-कनाडा की रेस्क्यू टीम ने केप कॉड से करीब 900 मील (1,450 किमी) पूर्व में तलाश शुरू कर दी है। इसके अलावा पानी में सोनार-बॉय भी छोड़े गए हैं, जो 13 हजार फीट की गहराई तक मॉनिटर कर सकते हैं। इसके अलावा कॉमर्शियल जहाजों से भी मदद मांगी जा रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पनडुब्बी में ओशन गेट कंपनी के सीईओ स्टॉकटन रश और फ्रांसीसी पायलट पॉल-हेनरी नार्गोलेट भी मौजूद हैं।

टाइटैनिक जहाज के मलबे को लोग क्यों देखने जाते हैं - दुनिया का सबसे बड़ा स्टीम बेस्ड यात्री जहाज टाइटैनिक 10 अप्रैल 1912 को अपने पहले सफर पर निकला था, जो उसका आखिरी सफर भी साबित हुआ। ब्रिटेन के साउथहैप्टन से शुरू हुआ सफर अमेरिका के न्यूयॉर्क में पूरा होना था। 4 दिन बाद, 14-15 अप्रैल को, ये एक आइसबर्ग से टकराकर अटलांटिक महासागर में डूब गया था। जहाज पर सवार 2,200 यात्रियों और क्रू में से 1,500 से अधिक की मौत हो गई थी। समुद्र में इसके मलबे की खोज 1985 में की गई थी।

ये मलबा महासागर में कहां है - टाइटैनिक का मलबा कनाडा के न्यूफाउंडलैंड के सेंट जॉन्स से 700 किलोमीटर दूर अटलांटिक महासागर में है। सबमरीन का टूर न्यूफाउंडलैंड से शुरू होता है। इसमें 2 घंटे का समय लगता है। ये मलबा महासागर में 3800 मीटर की गहराई में है। टाइटैनिक जहाज 111 साल पहले डूबा था।

टाइटैनिक का मलबा देखने के लिए लगते हैं 2 करोड़ रुपए - पनडुब्बी ओशन गेट कंपनी की टाइटेन सबमर्सिबल है। इसका साइज एक ट्रक के बराबर है। यह पनडुब्बी कार्बन फाइबर से बनी है। टाइटैनिक का मलबा देखने जाने के लिए प्रति व्यक्ति 2 करोड़ रुपए फीस है।

फरवरी में जारी हुआ था मलबा देखने जा रहे यात्रियों का वीडियो - इस साल फरवरी में मलबे की पिछली यात्राओं में से एक का वीडियो यूट्यूब पर जारी किया गया था। इसमें 80 मिनट के अनकट फुटेज थे। फिर मई में जहाज के मलबे का पहला फुल साइज स्कैन भी प्रकाशित किया गया था। हाई रिजॉल्यूशन फोटोज में मलबे को रिकंस्ट्रक्ट किया गया।

174 करोड़ की लागत से प्रदूषित पानी शोधित कर होगा रिसाईकिल

जयपुर (हि.स.)। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम, उद्योग एवं एमएसएमई वीनू गुप्ता ने भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों से आग्रह किया है सभी उद्यमी भिवाड़ी में तैयार करवाये गये कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) से प्राथमिकता से कनेक्शन करावें ताकि औद्योगिक क्षेत्र में काम आए प्रदूषित पानी की एक एक बूंद का सदुपयोग किया जा सके। उन्होंने बताया कि भिवाड़ी के सीईटीपी प्लांट को जुलाई के अंत तक शुरु कर दिया जाएगा। इस प्लांट का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि बरसात से पहले कनेक्शन होने के साथ ही प्लांट का अधिकांश कार्य पूरा होने से बरसात की एक एक बूंद का संग्रहण भी किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस सीईटीपी प्लांट के शुरु होने से भिवाडी में औद्योगिक उपयोग के कारण प्रदूषित जल की समस्या का समाधान हो सकेगा और प्रदूषित जल का शोधन कर उपयोग में लिया जा सकेगा। एसीएस उद्योग व माइंस गुप्ता मंगलवार को भिवाड़ी में बीडा, रीको, पर्यावरण, बीजेपीएनए, औद्योगिक संघों, संबंधित विभागों व सीईटीपी के कार्य में लगी संस्थाओं के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने सीईटीपी प्लांट का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए और भिवाडी औद्योगिक क्षेत्र की इकाइयों की कार्यप्रणाली भी देखी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के कारण प्रदूषित जल को उपचारित कर उस पानी का अन्य कार्यों में पुर्नउपयोग करने के लिए 174 करोड़ रुपए की लागत से सीईटीपी प्लांट तैयार करवाया गया है। सीईटीपी प्लांट का काम लगभग पूरा हो गया है और परीक्षण में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि यह प्लांट 6.0 एमएलडी के साथ ही जीरो लिक्विड डिसचार्ज स्तर का बनाया गया है जिससे इस प्लांट में आने वाली पानी की एक एक बूंद का उपचारित कर उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पानी की एक एक बूंद को बचाना, प्रदूषित जल को उपचारित कर रिसाइकल कर अन्य कार्यों के लिए उपयोग में लेना हमारा दायित्व है। गुप्ता ने बताया कि भिवाड़ी में आधुनिकतम तकनीक का जेडएलडी सीईटीपी प्लांट बनाया गया है। इससे प्रदूषित पानी का संग्रहण कर उसे शोधित कर रिसाईकिल किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि सीईटीपी के लिए पाइप लाइन बिछाने के बाद 31 किमी क्षेत्र में बीटी रोड, 15.5 किमी क्षेत्र में पेचवर्क, 5 किमी में सीसी रोड और 6.5 किमी में हाल्फ बिड्थ का कार्य भी लगभग पूरा होने में हैं। इसके साथ ही बिछाई गई पाइप लाइन में पानी के प्रवाह के साथ ही अन्य कार्यों का भी परीक्षण कर लिया गया है। गुप्ता ने औद्योगिक संघों के पदाधिकारियों से भी विस्तार से चर्चा की और राज्य सरकार की औद्योगिकोन्मुखी योजनाओं की जानकारी दी।

गैर-भाजपा सरकारों को निशाना बना रहा केंद्र : मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार अलग-अलग राज्यों में गैर-भाजपा सरकारों को परेशान कर रही है। भाजपा अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) रोकने जैसे घटिया हथकंडे अपना रही है। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई तक फंड जारी न करने पर पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को पंजाब विधानसभा में सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार ने पिछली सरकारों की सभी त्रुट्टियों को दूर कर दिया, परन्तु केंद्र ने फिर भी अभी तक फंड जारी नहीं किए। भगवंत मान ने कहा कि उन्होंने खुदद केंद्रीय मंत्री के साथ मुलाकात भी की थी, जिन्होंने भरोसा दिया था कि यह फंड जल्द ही जारी कर दिए जाएंगे। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह भरोसा हकीकत में कभी भी नहीं बदला और केंद्र सरकार ने राज्य के 3622 करोड़ रुपए से अधिक के ग्रामीण विकास फंड को रोक दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कोई जानता है कि केंद्र सरकार देश की गैर-भाजपा सरकारों को निशाना बना रही है और उनको सुचारू ढंग से काम नहीं करने दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि इस तानाशाही व्यवहार ने देशभर में लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया है। मान ने कहा कि यह एक खतरनाक रुझान है, जिसको रोकने की जरूरत है, क्योंकि यह देश के हित में नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों में अपने घिनौने मंसूबों को पूरा करने के लिए केंद्र ने एक ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति की है जिसको राज्यपाल के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने कहा कि गवर्नर का ओहदा अंग्रेजों के शासनकाल के समय भी मौजूद था और अभी भी केंद्र के चुने हुए ये लोग उसी तरह शाही ठाठ-बाठ के साथ रहते हैं, जैसे पहले रहते थे। भगवंत मान ने कहा कि वास्तव में यह राजभवन अब राज्य के मामलों में दखल देने के लिए भाजपा के प्रांतीय मुख्यालय के तौर पर उभरकर सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल चुनी हुई सरकारों के काम में अनावश्यक बाधा पैदा कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि राज्यपाल राज्यों के मामलों में दखल नहीं देते हैं तो केंद्र राज्यपालों को इसलिए डांटता है कि वह दफ्तरों में फुर्सत से क्यों बैठे हुए हैं। भगवंत मान ने कहा कि राज्यपाल को पत्र लिखने की बजाय आरडीएफ जैसे मुद्दों को केंद्र के समक्ष हल करवाने के लिए कोशिश करनी चाहिए।

केंद्र सरकार के खिलाफ पंजाब विधानसभा में प्रस्ताव पारित

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब को जारी होने वाले आरडीएफ का पैसा रोकने का आरोप लगाते हुए में राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के खिलाफ एक निंदा प्रस्ताव पारित किया है। मंगलवार को सदन में जिस समय यह प्रस्ताव पेश किया गया, उस समय कांग्रेस के विधायक मौजूद नहीं थे। विधानसभा के दो दिवसीय विशेष सत्र के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह ने सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि भारत सरकार ने वर्ष 2021 से लेकर अब तक ग्रामीण विकास फीस (आरडीएफ) का 3622.40 करोड़ जारी नहीं किया है। देश के अन्य राज्यों के मुकाबले पंजाब ने बहुत बड़ा मार्केट बुनियादी ढांचा तैयार किया है। इस तरह से एकत्र की गई राशि किसान कल्याण, ग्रामीण मंडियों को अपग्रेड करने, ग्रामीण लिंक सड़कों को अपग्रेड करने में खर्च की जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से मांग की है कि इस राशि को बिना किसी देरी के जारी किया जाए। इस प्रस्ताव का कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर समेत कई अन्यों ने समर्थन किया। अकाली दल विधायक डॉ.सुखविंदर सिंह सुखी ने भी इसका समर्थन किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आरडीएफ का पैसा हमारा अधिकार है, जिसे केंद्र नहीं दे रहा है। पंजाब विधानसभा में केंद्र के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए यह मांग की गई कि केंद्र जल्द से जल्द ग्रामीण विकास की राशि को जारी करे।

मेडिकल छात्र की संदिग्ध अवस्था में मौत, खून के निशान मिले

सीकर (हि.स.)। स्थानीय मेडिकल कॉलेज हास्टल के पिछवाड़े मंगलवार तड़के एक प्रथम वर्ष में अध्ययनरत छात्र का शव मिला। शव के पास मिले खून के धब्बों से प्रारंभिक तौर पर पुलिस मामला संदिग्ध मान रही है। पुलिस अधीक्षक करन शर्मा ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट व फोरेन्सिस जांच के बाद मामला खुल सकता है। पुलिस ने रेगिंग की संभावना से भी इंकार नहीं किया है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब छह बजे ऐ प्रोफेसर के मोर्निंग वाक पर निकलते मेडिकल कॉलेज के बालक छात्रावास के पीछे छात्र का शव देखा। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर श्रीकल्याण अस्पताल की मोर्चरी में रखवा परिजनों को सूचित किया। मृतक छात्र बांसवाड़ा जिला निवासी हनिमेश खांट उम्र 20 वर्ष है। मृतक छात्र 12 जून को ही अवकाश के बाद कालेज लोटा था। उद्योग नगर पुलिस मौके पर सीसीटीवी फुटेज देखने के साथ साथ कालेज में अध्ययनरत छात्रों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है।

महिला से सम्बंधित मामलों में पुलिस अधिकारी करे तुरंत कार्यवाही : रेनू भाटिया

फरीदाबाद (हि.स.)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने मंगलवार को एनआईटी में डीसीपी कार्यालय के पास सेक्टर-4 व 5 चौक पर डीडास बिल्डिंग में फरीदाबाद और पलवल जिला से सम्बंधित महिलाओं से सम्बंधित आठ केसों की सुनवाई की। उन्होंने बताया कि हम पहले केस को खुद स्टडी करते है। फिर केस से सम्बंधित थानों के अधिकारियों से बात करते है। उसके बाद हम प्रार्थी सहित दोनों पार्टियों को बुलाते है। वहीं अलग-अलग तरह के केसों से सम्बंधित अधिकारियों से राय लेकर ही मामलों का निपटारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने 2014-15 में प्रदेश में महिला थाने खुलवाए गए हैं। ताकि महिलाएं अपनी बात को खुलकर कह सके। रेनू भाटिया ने कहा कि महिला आयोग का उद्देश्य है, कि महिलाओं से सम्बंधित केसों का निपटारा शांतिपूर्ण तरीके से किया जा सके। उन्होंने कहा कि हम समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न ज़िलों में जाकर महिलाओं से जुड़ी हुए केसों के निपटारे का कार्यक्रम रखते है। इनमें जितने भी केस सम्बंधित जिला के चौकी, थाने, महिला थाने में महिलाओं से सम्बंधित दर्ज होते हैं। उनमें मामलों के लिए दोनों पार्टियों के लोगों को बुलवाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा महिला आयोग दोनों पार्टियों को समन करते है और थानों के अधिकारियों को बुलाते है। दोनों पार्टियों को आमने सामने बैठाकर दोनों पक्षों की बातों को सुनकर केस का निपटारा कराते है। यदि कोई एक पार्टी बुलाने के बाद भी नहीं आती तो दूसरी बार हम उनके खिलाफ कार्यवाही के आदेश दे देते है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगर उनके पास महिला से सम्बंधित कोई शिकायत आती है तो उसपर तुरंत कार्यवाही की जाए और कोई अधिकारी लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आज पुलिस विभाग में विचाराधीन महिलाओं से संबंधित 8 केसों को रजिस्टर्ड करके लाये थे। जिसमें हमने सभी केसों को सुना और उनको आगे का समय दिया है। कुछ मामलों को पुलिस द्वारा री-इन्कवायरी के लिए भेजा है। मंगलवार को 8 नए मामले लिखित में एप्लीकेशन के द्वारा आये थे। मामले की सुनवाई में जब महिला ने बताया कि पिछले सात महीनो से उसने अपने बच्चो से बात नहीं की तो महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने खुद फोन करके महिला की उनके बच्चों से वीडियो कॉल के द्वारा बातचीत कराई।

सदन में कार्यवाही एजेंडे के मुद्दे : कांग्रेस का वाकआउट

चण्डीगढ़ (हि.स.)। पंजाब विधानसभा में विशेष सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस ने हंगामा करते हुए सदन की कार्रवाई से वाकआउट कर दिया। दरअसल, पंजाब सरकार ने कई अहम मामलों को लेकर विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाया। सोमवार को दिवंगतों को श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही संसदीय कार्यमंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा खड़े हो गए और स्पीकर से विशेष सत्र के आयोजन के औचित्य पर सवाल पूछा। बाजवा ने कहा कि इस सत्र में न तो प्रश्नकाल है न ही शून्यकाल है। कोई प्राइवेट मेंबर बिल भी नहीं लाया जा रहा है। बाजवा ने कहा कि विशेष सत्र के नाम पर पैसा बर्बाद किया जा रहा है, प्रदेश की जनता को गुमराह किया जा रहा है। बाजवा ने कहा कि पिछले साल आपरेशन लोटस के मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाया था। आप विधायकों ने डीजीपी को भी शिकायत दी थी। बाजवा ने कहा कि पिछले विशेष सत्र में लिए गए फैसलों के बारे में सदन में रिपोर्ट पेश की जाए। स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि ऑपरेशन लॉट्स पर मामला दर्ज हो चुका है और जांच जारी है। बजवा ने पलटवार करते हुए कहा कि सत्र के आयोजन का उद्देश्य बताया जाए। इस मुद्दे पर सदन में हंगामा हो गया। कांग्रेस विधायकों ने सदन में नारेबाजी शुरू कर दी। जिसके बाद कांग्रेस ने सदन से वाकआउट कर दिया।

टिडयाल बिरादरी का वार्षिक समागम कल

कठुआ (हि.स.)। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी टिडयाल बिरादरी का वार्षिक समागम 22 जून को कठुआ में समुदाय देवस्थान दती माता भवन बोलियां में आयोजित किया जाएगा। कठुआ में अखिल भारतीय टिडयाल बिरादरी कमेटी के अध्यक्ष मनोहर लाल टिडयाल की अध्यक्षता में हुई कार्यकारी समिति की बैठक में समागम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में बताया गया कि समागम की शुरुआत 22 जून को सुबह 9 बजे हवन के साथ होगी, बाद में भजन-कीर्तन कार्यक्रम होगा। दोपहर 1.30 बजे से लंगर का आयोजन किया जाएगा। समिति ने टिडयाल समुदाय के सभी सदस्यों, विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में अपने परिवार के सदस्यों के साथ भाग लेने और *दाती माता बचनो* का आशीर्वाद लेने का अनुरोध किया है। इस बैठक में बिरादरी कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतपाल टिडयाल, महासचिव तीरथ राम टिडयाल, कैशियर संदीप टिडयाल, बंसीलाल टिडयाल, ओम प्रकाश टिडयाल, बोध राज सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

ब्राह्मण सभा ने आदिपुरुष फिल्म को बताया देश की संस्कृति पर चोट

फरीदाबाद (हि.स.)। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के सभी ब्राह्मण समुदाय के मौजिज लोगों की एक बैठक मंगलवार को श्री ब्राह्मण सभा सेक्टर-7 के कार्यालय नालंदा विद्यालय में सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रो. वी.के. शर्मा ने की। बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए और कई मुद्दों पर निर्णय भी लिया गया। बैठक में हाल ही में रिलीज फिल्म आदिपुरुष में रामायण के चरित्र वर्णन का विरोध करते हुए बताया कि जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। इस फिल्म ने देश की संस्कृति पर गहरा आघात किया है। बैठक में इस फिल्म के प्रसारण पर तुरंत रोक लगाने और फिल्म निर्माता एवं कलाकारों की इस औछी हरकत की कड़े शब्दों में निंदा की गई और उन पर न्यायिक प्रक्रिया प्रारंभ करने का सरकार से आह्वान किया। बैठक में ब्राह्मण समाज को एकजुट करने के अलावा आपसी समन्वयक बनाने हेतु प्राथमिक इकाई विधानसभा व संसदीय क्षेत्र के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा गया, जिसको उपस्थित सभी ने मान्यता प्रदान की। इस संबंध संविधान बनाने हेतु प्रो.वी.के. शर्मा के तत्वाधान में एक संविधान समिति बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 11 प्रमोटर सदस्य लिए जाएंगे, जो सभी ब्राह्मण सम्प्रदायों से होंगे और उसी विधानसभा से संबंधित होंगे, जहां वह रहते है और उनका आधारकार्ड भी उसी क्षेत्र का होगा, जो सदस्य बनाए जाएंगे उसमें 30 प्रतिशत सदस्य मध्यम आयु वर्ग के होंगे। 10 प्रमोटर सदस्य अपने साथ-साथ और दस-दस सदस्य जोड़ेंगे, जिसकी विधानसभा में कुल संख्या 110 होगी, यही सभी साथी विधानसभा की कमेटी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बैठक में सभा के महासचिव सुनील कौशिक, जीआर शर्मा, पीके शारदा, सुरेश गौतम, श्याम सुंदर शर्मा, राजेश शर्मा, जगदीश पाराशर, विनोद कौशिक, एसके दीक्षित, आरसी वशिष्ठ, आर.आर. मिश्रा, गोविंद कौशिक, पंकज मित्रा सहित समाज के अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

खेल स्टेडियम कठुआ में मनाया जाएगा आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

कठुआ (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राकेश मिन्हास आईएएस ने जिला कठुआ के लोगों से 21 जून 2023 को सुबह 06:00 बजे से खेल स्टेडियम कठुआ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को चिह्नित करने के लिए मेगा योग सत्र में भाग लेने का आग्रह किया है। हर वर्ष की तरह इस बार भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जिला में बड़े पैमाने पर आयोजित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न संगठनों को शामिल होने का आह्वान किया गया है। हालांकि योग के लिए जिला में पहले से ही बड़ी संख्या में कई समाज सेवी संस्थाएं सक्रिय हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों ने भी योग दिवस पर अपनी अपनी गतिविधि करने की तैयारियों को अंजाम दिया जा रहा है। हालांकि मुख्य कार्यक्रम कठुआ स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा जहां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए एक मेगा योग सत्र की व्यवस्था की गई है। इसकी तैयारियों को लेकर डीसी राकेश मिन्हास ने पहले से ही बैठक कर योग कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी क्षेत्रों के लोगों की सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करने के अलावा अंतर-विभागीय समन्वय का आह्वान किया। जिसमें आयुष विभाग को योग प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया, जबकि स्वास्थ्य विभाग को एम्बुलेंस की तैनाती के साथ प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। इसके अलावा संबंधित हितधारक विभाग सभी आवश्यक व्यवस्था करेंगे। पुलिस विभाग विशेष रूप से पार्किंग सुविधाओं पर सुरक्षा का प्रावधान करेगा। योग दिवस में शिक्षा विभाग एनएसएस, एनसीसी स्वयंसेवकों, आईटीआई में शामिल छात्रों की भागीदारी मुख्य एवं सुनिश्चित रहेगी। योग सत्र स्थल पर जल शक्ति को पानी की व्यवस्था करने और जनता को वहां जुटाने के लिए आईसीडीसी विभाग को जिम्मा दिया गया है। नगर पालिका और सूचना विभाग द्वारा कार्यक्रम की स्वच्छता और व्यापक प्रचार सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है।

बैंक लोन विवाद, कोठी पर कब्जा लेने गई टीम बैरंग लौटी

फतेहाबाद (हि.स.)। शहर की अग्रवाल कॉलोनी में लोन न भरने पर कोठी पर कब्जा लेने पहुंची बैंक अधिकारियों की टीम को बैरंग वापस लौटा पड़ा। बैंक अधिकारियों के साथ ड्यूटी मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार राजेश गर्ग के नेतृत्व में काफी संख्या में पुलिस फोर्स भी मौजूद रही। मंगलवार दोपहर को जैसे ही टीम कोठी के बाहर पहुंची तो मकान मालिकों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे मकान मालिक के वकील और बैंक अधिकारियों में कुछ समय के लिए हंगामा भी हुआ। बाद में वकील ने बैंक अधिकारियों व नायब तहसीलदार को अवगत करवाया कि इस मामले में कोर्ट में स्टे लिया हुआ है, जिसके बाद सारे कागजात को दोबारा चेक किए गए। इस दौरान यह साफ नहीं हो पाया कि स्टे इसी प्रॉपर्टी का है या किसी अन्य का। जिस पर नायब तहसीलदार ने मकान मालिक को सारे कागजात पेश करने को कहा और आज की कार्रवाई को यहीं रोक दिया गया। मकान मालिक निशांत ने बताया कि कुछ समय पहले अनाज मंडी के एक व्यापारी से उन्होंने 78 लाख रुपए में कोठी ली थी। उन्हें बताया गया कि इस पर 50 लाख रुपए का बैंक लोन है, जो वह क्लीयर कर देगा और उन्होंने 28 लाख रुपए उसे दे दिए थे।

उधमपुर में शुरू हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

उधमपुर (हि.स.)। शेर-ए-कश्मीर पुलिस अकादमी उधमपुर में मंगलवार को *मानव तस्करी रोधी* पर 03 दिवसीय पाठ्यक्रम शुरू हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जम्मू कश्मीर पुलिस की विभिन्न इकाइयों/विंगों के 17 अधिकारी भाग ले रहे हैं। पाठ्यक्रम को मानव तस्करी, भारतीय परिप्रेक्ष्य, मानव तस्करी से संबंधित मामले के अध्ययन, मानव तस्करी विरोधी कानून से संबंधित कानून, मानव तस्करी से संबंधित कारणों की जांच में साइबर फोरेंसिक की भूमिका, पुनर्वास, मानव तस्करी मामले से संबंधित पीड़ितों की संख्या, मानव तस्करी की रोकथाम में पुलिस की भूमिका और गुमशुदा बच्चों से संबंधित एसओपी समूह अभ्यास जैसे पाठ्यक्रम के मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित अतिथि संकाय और एसकेपीए सहित जम्मू कश्मीर पुलिस की विभिन्न इकाइयों को पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ अपने विशाल अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर एक उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें राजिंद्र कुमार गुप्ता, जेकेपीएस, एसएसपी, उप निदेशक (इंडोर) मुख्य अतिथि थे। निदेशक एसकेपीए की ओर से गुप्ता ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। अपने उद्घाटन भाषण में गुप्ता ने महिलाओं, बच्चों, निराश्रित और गरीबों की तस्करी सहित व्यक्तियों की तस्करी से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेजों की ओर इशारा किया। व्यक्तियों की तस्करी और गुलामी छत्र शब्द हैं जिनका उपयोग यौन तस्करी और जबरन श्रम दोनों के लिए किया जाता है। पाठ्यक्रम का संचालन संदीप महाजन निरीक्षण द्वारा किया जा रहा है और एचसी बलबीर सिंह, सदस्य संकाय द्वारा सहायता प्रदान की गई।

भगवान जगन्नाथ स्वामी के जयकारों से गूंजा शहर

उदयपुर (हि.स.)। उदयपुर शहर मंगलवार को भगवान जगन्नाथ स्वामी के जयकारों से गूंज उठा। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया पर मंगलवार को शहर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर से जन-जन के आराध्य भगवान जगन्नाथ स्वामी जब रजत रथ में बिराजमान होकर नगर भ्रमण को निकले तो रथयात्रा मार्ग में पलक-पांवड़े बिछाए अपने आराध्य के दर्शन करने खड़े भक्तों ने जयकारों से आसमान गुंजा दिया। अपराह्न पश्चात मानो पूरा शहर रथयात्रा मार्ग पर उमड़ पड़ा। जब रथयात्रा मार्गों से गुजरी तो मार्ग में तिल धरने की भी जगह नहीं बची। जगह-जगह विभिन्न समाजों की ओर से भगवान जगन्नाथ स्वामी की आरती की जा रही है। रथयात्रा देर रात पुन: जगदीश मंदिर पहुंचकर सम्पन्न होगी। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा समिति उदयपुर के तत्वावधान में जगदीश चौक से *जय जगदीश हरे* आरती व 21 बंदूकों की सलामी के साथ शुरू हुई रथयात्रा में समिति के सेवक आगे-आगे गोमूत्र एवं गंगाजल का छिड़काव करते चले। रथयात्रा में बैंड-बाजे, 21 घोड़े, 25 झांकियां और म्यूजिक सिस्टम थे जिनमें चल रहे भक्तिगीतों पर युवा नाचते चले। ग्यारह सौ महिलाएं सिर पर कलश लेकर रथयात्रा में चलीं। सैकड़ों भक्तों ने पारंपरिक वेश धारण कर नंगे पैर रथ को खींचा। इससे पूर्व, दोपहर 12.30 बजे मंदिर परिसर में लकड़ी से बने पारंपरिक छोटे रथ में लड्डू गोपाल व राधा-कृष्ण के विग्रह को बिराजमना कराया गया। रथयात्रा में आगे लकड़ी का हाथी, पीछे ठाकुरजी का रथ चला। इनके आगे कीर्तनकार परंपरानुसार विभिन्न पारंपरिक भजनों से प्रभु को रिझाते हुए चले। इस रथ पर भगवान को परम्परानुसार मंदिर के अंदर की परिक्रमा कराई गई। मंदिर के अंदर की रथयात्रा मंदिर में स्थित नौ स्थानों पर रुकी। मंदिर परिसर में स्थित सूर्य मंदिर में भगवान सूर्यनारायण का भी विशेष श्रृंगार किया गया। उन्हें जामुन, आम, दाड़म का भोग धराया गया। घोड़े को भी दाल का भोग लगाया गया। इसके बाद, भगवान जगन्नाथ स्वामी के बड़े स्वरूप को मंदिर से जगदीश चौक में खड़े बड़े रजत रथ में बिराजमान कराया गया। रथयात्रा शुरू होने से पहले ही जगदीश चौक में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। आसपास के भवनों की छतें भी भक्तों से भर गईं। रथयात्रा जगदीश चौक से रवाना हुई तो मार्ग के दोनों ओर खड़े भक्तजनों ने जयकारों से आसमान गुंजा दिया। हर कोई अपने प्रभु की एक झलक को देखने के लिए आतुर नजर आया। रथयात्रा उदयपुर शहर के घंटाघर, बड़ा बाजार, मोचीवाड़ा, भड़भूजा घाटी, भूपालवाड़ी, तीज का चौक, धानमण्डी, लखारा चौक, अस्थल तिराहा, आरएमवी रोड, कैलाश कॉलोनी, समोर बाग, भट्टियानी चौहट्टा होते हुए पुन: रात करीब साड़े दस बजे जगदीश चौक पहुंचेगी। वहां महाआरती के बाद भगवान की प्रतिमा को पुन: मंदिर में बिराजमान कराया जाएगा। इधर, उदयपुर के उपनगरीय क्षेत्र हिरण मगरी सेक्टर-7 में स्थित जगन्नाथ धाम से भी रथयात्रा निकली। वहां से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्राजी की काष्ठ प्रतिमाओं को रथ में बिराजामान करा विभिन्न मार्गों से होते हुए हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित शिव मंदिर लाया जा रहा है। भगवान अगले सात दिन यहीं पर विश्राम करेंगे। शिव मंदिर को भगवान के मौसी के घर का रूप दिया गया है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान जगन्नाथ भ्राता बलभद्र और बहिन सुभद्रा के साथ मौसी के घर सात दिन तक रुकते हैं।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज का आईपीओ खुला : 23 जून तक कर सकेंगे अप्लाय, 4 जुलाई को एनएसई-बीएसई पर लिस्ट होगें शेयर्स

मुंबई।
भैंस का मांस निर्यात करने वाली कंपनी एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ ओपन हो गया है। इस इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के जरिए कंपनी 480 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 20 जून से 23 जून तक अप्लाय कर सकेंगे। 4 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर लिस्ट होंगे।

150 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर इश्यू करेगी कंपनी - इस आईपीओ के जरिए कंपनी टोटल 480 करोड़ रुपए के शेयर्स जारी करेगी। इसमें 150 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर हैं। वहीं कंपनी के प्रमोटर्स और शेयरहोल्डर्स 330 करोड़ रुपए के अपने शेयर्स बेचेंगे। अगर आप भी इसमें पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको बता रहे हैं कि आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं।

मिनिमम और मैक्सिमम कितना पैसा लगा सकते हैं - रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 25 शेयरों के लिए अप्लाय करना होगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइज बैंड 555-585 रुपए प्रति शेयर रखा है। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 585 रुपए के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,625 रुपए लगाने होंगे। रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 325 शेयर के लिए 190,125 रुपए की बोली लगा सकते हैं।

35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व - कंपनी के इश्यू का 50प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व रखा गया है। इसके अलावा 35प्रतिशत हिस्सा रिटेल इनवेस्टर्स और बाकी 15प्रतिशत हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है।

आईपीओ क्या होता है - जब कोई कंपनी पहली बार अपनी कंपनी के शेयर्स को लोगों को ऑफर करती है तो इसे आईपीओ कहते हैं। कंपनियों के द्वारा ये आईपीओ इसलिए जारी किया जाता है जिससे वह शेयर बाजार में आ सके। शेयर बाजार में उतरने के बाद कंपनी के शेयरों की खरीदारी और बिकवाली शेयर बाजार में हो सकेगी।

यदि एक बार कंपनी के शेयरों की ट्रेडिंग की इजाजत मिल जाए तो फिर इन्हें खरीदा और बेचा जा सकता है।

न्यूज ब्रीफ

देश में करोड़पति इनकम टैक्स पेयर 1,579प्रतिशत बढ़े: 50 लाख से 1 करोड़ तक की आय वाले टैक्स पेयर्स की संख्या में भी 2578प्रतिशत का इजाफा

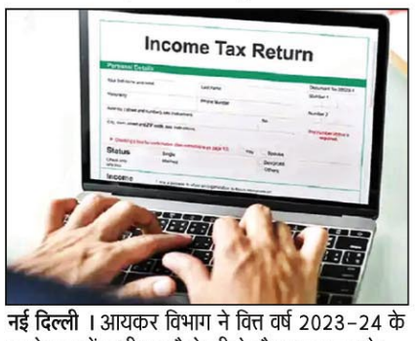

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2023-24 के पहले माह में सभी छह कैटेगरी के टैक्स फाइलर के डेटा जारी किए हैं। इसके मुताबिक करोड़पति टैक्स रिटर्न फाइलर की संख्या में जहां 1579प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, वहीं 20 लाख से कम आय वाले टैक्स फाइल करने वालों की संख्या 188प्रतिशत बढ़ी है। 20 लाख से अधिक आय की श्रेणी में टैक्स फाइलर की संख्या में 1,627प्रतिशत का इजाफा हुआ है। 50 लाख से 1 करोड़ रुपए तक की आय वाले टैक्स रिटर्न फाइलर की संख्या में 2,578प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। इस साल इनकी संख्या 616 रही, जो 22-23 में महज 23 थी। साल के पहले माह में 739 करोड़पति टैक्स रिटर्न फाइल कर चुके हैं। पिछले साल इस दौरान इनकी संख्या महज 44 थी। 5 लाख रुपए तक की आय वाले टैक्स पेयर की संख्या में 85.80प्रतिशत की वृद्धि आई। इस साल इनकी संख्या पहले माह में 3,24,891 रही, जो पिछले साल इस अवधि में केवल 1,74,852 थी। पहले माह में कुल 3.85 लाख आयकरदाता अपने रिटर्न फाइल कर चुके हैं। आयकर विशेषज्ञ सीए राजेश जैन का कहना है कि आने वाले माह में यह स्पष्ट होगा कि इस बार टैक्स पेयर की कमाई में कितना इजाफा हुआ है। हालांकि, जून माह में एडवांस टैक्स की वृद्धि दर 13.70प्रतिशत रही। यह इस बात का प्रमाण है कि इस बार भी टैक्स पेयर को अच्छी कमाई की उम्मीद है। क्योंकि एडवांस टैक्स जारी वर्ष की संभावित आय के आकलन के आधार पर ही भरा जाता है।

जूते-चप्पल जैसे 24 फुटवियर उत्पादों के लिएएक जुलाईसे लागू होंगे जरूरी गुणवत्ता मानक

नई दिल्ली । जूते-चप्पल जैसे फुटवियर उत्पादों के बड़े एवं मझोले स्तर के विनिर्माताओं और सभी आयातकों को एक जुलाई से 24 उत्पादों के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानकों का पालन करना होगा। चीन जैसे देशों से खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों का आयात रोकने के लिए ये मानक लागू किए जा रहे हैं।भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने सोमवार को कहा, फिलहाल ये गुणवत्ता मानक बड़े व मझोले स्तर के विनिर्माताओं और आयातकों के लिए ही लागू किए जा रहे हैं। लेकिन, एक जनवरी, 2024 से छोटे स्तर के फुटवियर विनिर्माताओं को भी इनका पालन करना होगा। इस समय सीमा में आगे और छूट नहीं दी जाएगी। सरकार ने 2020 में 24 फुटवियर एवं संबंधित उत्पादों के लिए क्यूसीओ को अधिसूचित किया था।बाद में इसकी समयसीमा तीन बार बढ़ाई गई। इन मानकों में फुटवियर बनाने में इस्तेमाल होने वाले चमड़े, पीवीसी व रबड़ जैसे कच्चे माल के अलावा सोल एवं हील के बारे में भी निर्देश दिए गए हैं।

आईटी मंत्री बोले- 2025-26 तक जीडीपी में 25 फीसदी तक होगा प्रौद्योगिकी क्षेत्र का हिस्सा

वाशिंगटन । भारत में पिछले 9 साल में डिजिटल अर्थव्यवस्था का तेजी से विस्तार हुआ है। इस समय

प्रौद्योगिकी क्षेत्र में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां भारतीय उद्यमी और स्टार्टअप मौजूद नहीं है। इस विविधता को देखते हुए सरकार ने 2025-26 तक देश के जीडीपी में प्रौद्योगिकी का हिस्सा बढ़ाकर 20-25 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने वैश्विक भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवर संघ के सम्मेलन में भारतीय-अमेरिकी उद्यमियों से कहा, 2025-26 तक भारतीय अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ डॉलर की हो जाएगी।इसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था का योगदान एक लाख करोड़ डॉलर या 20 फीसदी होगा। यह लक्ष्य पाने के लिए पीएम मोदी की अगुवाई में सरकार काम कर रही है। इसलिए, भारतीय-अमेरिकी उद्यमी भारत में आकर निवेश करें। आईटी मंत्री ने कहा, प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में एक है।

इंडिगो ने दिया 500 एयरबस ए320 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर

दुनिया में यह सबसे बड़ी खरीदी, एअर इंडिया 470 विमान ऑर्डर के साथ दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली।
इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड यानी इंडिगो ने सोमवार को 500 एयरबस ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट खरीदने का ऐलान किया है। इसके साथ ही इंडिगो एक बार में इतना बड़ा ऑर्डर देने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बन गई है। इंडिगो से पहले यह रिकॉर्ड एअर इंडिया के नाम था। इन एयरक्राफ्ट्स की डिलीवरी 2030 से 2035 के बीच होने की उम्मीद है। 500 एयरबस ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए इंडिगो 50 अरब डॉलर यानी 4.09 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। हालांकि ऑर्डर की वास्तविक लागत कुछ कम भी हो सकती है, क्योंकि आमतौर पर ऐसे बड़े सौदों पर डिस्काउंट मिलता है।

पर्चेज एग्रीमेंट पेरिस में साइन किया - पेरिस में इंडिगो के प्रमोटर और मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया, इंडिगो के चेयरमैन और नॉन एग्जीक्यूटिव इंडिपेंडेंट डायरेक्टर वेंकटरमणि सुमन्त्रन, इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स, एयरबस के सीईओ गिलौम फाउरी और एयरबस के चीफ कॉमर्शियल ऑफिसर एंड हेड ऑफ इंटरनेशनल क्रिश्चियन स्केरर ने पर्चेज एग्रीमेंट साइन किया है।

इंटरनेशनल हिस्सेदारी 23प्रतिशत से बढ़ाकर 30प्रतिशत करना चाहती है - पीटर एल्बर्स ने कहा- इंडिगो का टारगेट 2023-24 में अपनी इंटरनेशनल हिस्सेदारी को 23प्रतिशत से बढ़ाकर अगले दो सालों के भीतर 30प्रतिशत करना है। वहीं स्केरर ने कहा- इस ऐतिहासिक ऑर्डर ने एयरबस और इंडिगो के रिलेशन को मजबूत किया है। हम दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट में लाखों लोगों के लिए सस्ती हवाई यात्रा देने की कोशिश कर रहे हैं।

इंडिगो के पास 300 से ज्यादा विमान - इंडिगो के इस ऑर्डर में ए320 नियो, ए321 नियो और ए322 एयरक्राफ्ट शामिल हैं। फिलहाल इंडिगो के पास 300 से ज्यादा विमान हैं। उसके पास टोटल 480 विमानों के पिछले ऑर्डर भी हैं जिनके 2030 के आखिर तक डिलीवर होने की उम्मीद है। इस नए ऑर्डर के साथ इंडिगो अब तक एयरबस के साथ टोटल 1,330 विमानों की डील कर चुकी है।

इंडिगो की डोमेस्टिक मार्केट में 61प्रतिशत हिस्सेदारी - डोमेस्टिक मार्केट में इंडिगो की 61प्रतिशत हिस्सेदारी है। वर्तमान में इंडिगो 26 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए फ्लाइट्स ऑपरेट करती है, जिससे 75 इंटरनेशनल सिटीज को सर्विस मिलती है। 300 से ज्यादा विमानों की फ्लीट के साथ एयरलाइन रोजाना 1800 से ज्यादा उड़ानों के जरिए देश के 78 शहरों को जोड़ती है।

चार महीने पहले एअर इंडिया ने दिया था 470 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर - चार महीने पहले टाटा ग्रुप की एयर लाइन एअर इंडिया ने 470 एयरक्राफ्ट की डील साइन की थी। तब ये दुनिया की सबसे बड़ी एविएशन डील थी। अब यह रिकॉर्ड इंडिगो ने अपने नाम कर लिया है। एअर इंडिया को डील में फ्रांस की कंपनी एयरबस से 250 एयरक्राफ्ट और अमेरिकी कंपनी बोइंग से 220 एयरक्राफ्ट मिलेंगे। एअर इंडिया के टोटल ऑर्डर में से 31 एयरक्राफ्ट साल के आखिर तक सर्विस में शामिल हो जाएंगे, बाकी विमान 2025 मिड तक आएंगे। साल 2022 में टाटा ग्रुप के एअर इंडिया को खरीदने के बाद यह उसका पहला एयरक्राफ्ट ऑर्डर था। वहीं, साल 2005 के बाद यह पहली बार था, जब एअर इंडिया ने एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया।

2027 तक भारत में दोगुने हो सकते हैं यात्री - देश में कोविड से पहले की तुलना में 9प्रतिशत अधिक हवाई यात्री हैं। रोज औसतन 4.5 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। देश में 2013-14 में 6 करोड़ हवाई यात्री थे, जो बढ़कर 20 करोड़ हो गए। विमान 400 से 700 हुए। देश में बीते साल 20 करोड़ यात्रियों ने सफर किया। 2027 तक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्री बढ़कर 40 करोड़ होने की उम्मीद है। अभी 700 यात्री प्लेन हैं, जो नाकाफी हैं। ऐसे में आगामी वर्षों में 3-4 नई एयरलाइंस आ रही हैं। एअर इंडिया भी बेड़े को 3 गुना बढ़ा रही है। देश में 8 साल में एयरपोर्ट 74 से बढ़कर 141 हो गए हैं। अगले पांच वर्षों में 80 नए एयरपोर्ट जुड़ेंगे। 2030 तक 220 एयरपोर्ट होंगे। सेंटर फॉर एशिया पेसिफिक एविएशन के मुताबिक 2043 तक 4000 प्लेन के साथ भारत में 130 करोड़ घरेलू व अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री होंगे।

नंदन नीलेकणि ने आईआईटी बॉम्बे को 315 करोड़ डोनेट किए

यह देश के किसी इंस्टीट्यूट को पूर्व छात्र से मिला सबसे बड़ा डोनेशन

बेंगलुरु।
इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे को 315 करोड़ रुपए डोनेट किए हैं। नीलेकणि ने यह डोनेशन इंस्टीट्यूशन से पास आउट होने के 50 साल पूरे होने पर किया। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी।

नीलेकणि इससे पहले भी आईआईटी बॉम्बे को 85 करोड़ रुपए दान कर चुके हैं। उनके दोनों डोनेशन को जोड़ें तो यह राशि 400 करोड़ रुपए होती है। यह देश के किसी भी इंस्टीट्यूशन को उसके किसी पूर्व छात्र द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा डोनेशन है।

रिसर्च और स्टार्टअप इकोसिस्टम डेवलपमेंट में खर्च होंगे पैसे

आईआईटी बॉम्बे ने 20 जून को एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया- नीलेकणि के दान का उद्देश्य वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देना है। साथ ही इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी सेक्टर में रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। आईआईटी बॉम्बे में एक बेस्ट टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम को डेवलप करने में हम इस राशि का इस्तेमाल करेंगे।

नीलेकणि बोले- आईआईटी बॉम्बे से जुड़ाव के 50 साल पूरे होने का जश्न

नंदन नीलेकणि ने कहा- आईआईटी बॉम्बे मेरे जीवन की आधारशिला रहा है। इस

इंस्टीट्यूशन ने मेरे शुरुआती सालों को आकार दिया और मेरी जर्नी की नींव रखी है। मैं इस प्रतिष्ठित संस्थान के साथ अपने जुड़ाव के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहा हूं। मैं आगे बढ़ने और इसके भविष्य में योगदान देने के लिए आभारी हूं। नीलेकणि ने 1973 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल करने के लिए आईआईटी बॉम्बे में एडमिशन लिया था।

यह डोनेशन आईआईटी बॉम्बे के लिए मेरा एक ट्रिब्यूट

नीलेकणि ने आगे कहा- आईआईटी बॉम्बे को यह डोनेशन सिर्फ एक फाइनेंशियल कॉन्ट्रीब्यूशन नहीं है। यह उस जगह के लिए मेरा एक ट्रिब्यूट है, जिसने मुझे बहुत कुछ दिया है और उन छात्रों के प्रति कमिटमेंट है, जो कल हमारी दुनिया को आकार देंगे।

इस डोनेशन के लिए नीलेकणी और आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर प्रोफेसर सुभाशीस चौधरी ने बेंगलुरु में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किए। चौधरी ने कहा कि यह ऐतिहासिक डोनेशन आईआईटी बॉम्बे को ग्लोबल लीडरशिप के मार्ग पर मजबूती से स्थापित करेगा। हम इंस्टीट्यूट में हमारे शानदार छात्र नंदन नीलेकणि के कंट्रीब्यूशन से बेहद खुश हैं।

ट्रकों में ड्राइवर के लिए एसी केबिन होगा अनिवार्य, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कही यह बात

नई दिल्ली ।
केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ट्रकों में ड्राइवरों के लिए वातानुकूलित (एसी) केबिन को जल्द ही अनिवार्य बनाया जाएगा। भारतीय ड्राइवरों पर आधारित पुस्तक देश चालक के विमोचन के मौके पर सोमवार को गडकरी ने कहा कि परिवहन क्षेत्र में ड्राइवरों की भूमिका अहम होती है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

उन्होंने कहा कि ड्राइवरों के काम करने और उनकी मानसिक स्थिति से जुड़े मुद्दों के त्वरित समाधान की आवश्यकता है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर दुख जताया कि ट्रक ड्राइवरों को भीषण गर्मी में भी काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से ट्रक ड्राइवरों के लिए एसी केबिन के मुद्दे को आगे बढ़ा रहा हूं। कुछ लोग इसका विरोध करते हैं और कहते हैं कि इससे लागत बढ़ जाएगी। लेकिन यहां आने से पहले मैंने फाइल पर हस्ताक्षर कर दिया है कि अब से ट्रकों में ड्राइवर के केबिन वातानुकूलित होंगे।

ड्राइवरों के काम की स्थिति में सुधार की आवश्यकता

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ड्राइवरों के काम करने की स्थिति में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि अधिक ड्राइविंग स्कूलों की स्थापना करके चालकों की कमी को दूर करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। गडकरी ने कहा कि चालकों की कमी के कारण भारत में ड्राइवर लगातार 14-16 घंटे काम कर रहे हैं, जबकि अन्य देशों में उनके काम के घंटे तय हैं।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और इसके लिए लॉजिस्टिक्स बहुत महत्वपूर्ण है। भारत के निर्यात को बढ़ाने के लिए लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करने की आवश्यकता है। गडकरी ने कहा कि दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में हमारी लॉजिस्टिक्स लागत 14-16 प्रतिशत है। चीन में यह 8-10 प्रतिशत है, यूरोपीय देशों और अमेरिका में यह 12 प्रतिशत है। अगर हमें निर्यात बढ़ाना है तो हमें लॉजिस्टिक्स लागत में कटौती करनी होगी।

एडी योंगमिंग वू होंगे अलीबाबा के नए सीईओ : जोसेफ त्साई चेयरमैन का पद संभालेंगे, कंपनी ने सक्सेशन प्लान की घोषणा की

बीजिंग।
अलीबाबा ग्रुप ने मंगलवार को सक्सेशन प्लान की घोषणा की। इसके अनुसार ई-कॉमर्स एग्जीक्यूटिव एडी योंगमिंग वू कंपनी के सीईओ के रूप में डेनियल झांग की जगह लेंगे। झांग क्लाउड इंटेलिजेंस ग्रुप पर फोकस करेंगे। झांग अलीबाबा ग्रुप के सीईओ और चेयरमैन के साथ-साथ अलीबाबा की क्लाउड इंटेलिजेंस यूनिट के प्रमुख के रूप में काम कर रहे हैं। एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन जोसेफ त्साई चेयरमैन का पद संभालेंगे। झांग साल 2015 में अलीबाबा के सीईओ बने थे। कंपनी के को-फाउंडर जैक मा को रिप्लेस कर 2019 में उन्होंने चेयरमैन का पद संभाला था। झांग ने कहा, यह मेरे लिए बदलाव करने का सही समय है। मैं आने वाले महीनों में जो और एडी के साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं, ताकि सीमलेस ट्रांजिशन को एन्श्योर किया जा सके।

बदलाव 10 सितंबर से प्रभावी होंगे - जोसेफ त्साई ने कहा, एडी ने कंपनी के टेक्नोलॉजी-बेस्ड प्लेटफॉर्म को डेवलप करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कंपनी में किए गए ये बदलाव 10 सितंबर से प्रभावी होंगे। दो साल की उथल-पुथल के बाद इस साल की शुरुआत में फर्म ने कहा था कि कंपनी को छह अलग-अलग यूनिट में रीस्ट्रक्चर करेगी। हर एक यूनिट का अलग बोर्ड और सीईओ होगा।

अलीबाबा के को-फाउंडर्स में से एक हैं एडी योंगमिंग - एडी योंगमिंग वू अलीबाबा के को-फाउंडर्स में से एक हैं। वू 1999 में स्थापना के दौरान कंपनी के टेक्नोलॉजी डायरेक्टर भी थे। उन्होंने दिसंबर 2005 से चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर के रूप में काम किया, नवंबर में अलीबाबा के मोनेटाइजेशन प्लेटफॉर्म अलीमामा के बिजनेस डायरेक्टर बने और दिसंबर 2007 में इसके जनरल मैनेजर के रूप में प्रमोट हुए। 2008 में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर और अक्टूबर 2011 में उन्होंने अलीबाबा ग्रुप के सर्च, ऐडवर्टाइजिंग और मोबाइल बिजनेस के हेड का रोल संभाला। वू ने अप्रैल 2015 से अक्टूबर 2021 तक अलीबाबा हेल्थ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी लिमिटेड के डायरेक्टर और अप्रैल 2015 से मार्च 2020 तक अलीबाबा हेल्थ के चेयरमैन के रूप में कार्य किया। सितंबर 2014 से सितंबर 2019 तक, वह अलीबाबा ग्रुप के बोर्ड चेयरमैन के विशेष सहायक थे।

जुलाई में आएगा ओला का नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

भावेश अग्रवाल ने इवेंट की जानकारी दी, बिना हेलमेट पहने स्टार्ट नहीं होगा स्कूटर

नई दिल्ली ।
इंडियन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी ओला इलेक्ट्रिक भारत में नया इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी के सीईओ भावेश अग्रवाल ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया, हमारा अगला प्रोडक्ट इवेंट जुलाई में होगा। भावेश ने इसे एंड आइस एज शो पार्ट-1 का नाम दिया है।

ट्वीट में भावेश ने स्कूटर की इमेज शेयर की है, जिसमें इसका हेडलैम्प दिख रहा है। इमेज देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि नए स्कूटर में एलईडी लाइट्स, एलईडी डीआरएस दिए जाएंगे। साथ ही कंपनी के मौजूदा स्कूटर्स की तरह ही नए स्कूटर का डिजाइन हो सकता है, लेकिन इसमें कुछ नए फीचर्स को भी जोड़ा जा सकता है। इसके अलावा कंपनी की ओर से इस इवेंट के दौरान कई और घोषणाएं भी की जा सकती हैं।

हेलमेट डिटेक्शन सिस्टम लाने की तैयारी में कंपनी

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि, कंपनी अपने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में हेलमेट

डिटेक्शन सिस्टम लाने की तैयार कर रही है। इस सिस्टम के आने के बाद राइडर के हेलमेट नहीं पहनने पर व्हीकल स्टार्ट ही नहीं होगा। ये सेफ्टी फीचर साइड स्टैंड के ओपन होने पर इंजन स्टार्ट/स्टॉप टेक्नोलॉजी की तरह काम करेगा।

हेलमेट डिटेक्शन सिस्टम कैसे काम करेगा

इस सिस्टम में राइडर के हेलमेट पहनने का पता लगाने के लिए कैमरे का इस्तेमाल किया जाएगा। कैमरा की मदद से राइडर की इमेज व्हीकल कंट्रोल यूनिट को मिलेगी, जो इसे मोटर कंट्रोल यूनिट के पास भेजेगी। व्हीकल को राइड मोड में करने या नहीं करने का फैसला एमसीक्यू करेगी। अगर व्हीकल राइड मोड में है और सिस्टम को पता चलता है कि राइडर ने हेलमेट नहीं पहना है तो स्कूटर ऑटोमैटिक पार्क मोड में चला जाएगा और डैशबोर्ड पर हेलमेट पहनने के लिए एक रिमाइंडर नोटिफिकेशन आ जाएगा।

ओला ने 5 इलेक्ट्रिक बाइक की झलक दिखाई

इससे पहले कंपनी ने 9 फरवरी 2023 को 5 इलेक्ट्रिक बाइक की झलक दिखाई थी। इसके साथ ही ओला इलेक्ट्रिक ने अपने सक्टूर के नए वर्जन भी लॉन्च किए थे। एस1एयर 84,999 रुपए से लेकर 1,09,999 रुपए तक के 3 वर्जन में आती है। जबकि एस1 अब दो वर्जन में अवेलेबल है।

ओला एस1 एयर अब 3 वैरिएंट में आएगी

एस1 एयर की घोषणा के समय, स्कूटर में 2.5केडब्लूएच की बैटरी और 101की रेंज थी। हालांकि, नई ओला एस1 एयर रेंज अब 2केडब्लूएच बैटरी के साथ शुरू होती है और उसके बाद 3केडब्लूएच और 4केडब्लूएच वैरिएंट में भी मिलेगी। कंपनी ने यह भी घोषणा की कि जिन ग्राहकों ने 2.5केडब्लूएच बैटरी के साथ ओला एस1 एयर बुक किया था, उन्हें 3केडब्लूएच बैटरी वैरिएंट में फ्री अपग्रेड मिलेगा। एस1 एयर के 2केडब्लूएच बैटरी वैरिएंट की आईडीसी रेंज 85केएम है। 3केडब्लूएच वैरिएंट में आईडीसी रेंज 125 किमी, जबकि 4केडब्लूएच वैरिएंट में 165केएम की आईडीसी रेंज मिलेगी। सभी स्कूटरों में समान 4.5मोटर और 85 की टॉप स्पीड है। कीमतें 84,999 रुपए से शुरू होती हैं, मिड वेरिएंट की कीमत 99,999 रुपये और टॉप वैरिएंट की कीमत 1.10 लाख रुपए है।

पहले कार की झलक दिखाई थी

कंपनी ने 15 अगस्त 2022 को अपनी इलेक्ट्रिक कार की झलक दिखाई थी। ये कार 2024 तक लॉन्च होगी। इसकी कीमत 10 लाख रुपए कम होने की उम्मीद है।

फिल्म सेक्शन 84 की शूटिंग पूरी निमरत ने

-एक्ट्रेस ने टीम के लिए लिखा इमोशनल नोट

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस अभिनेत्री निमरत कौर ने फिल्म सेक्शन 84 की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म में बिग बी ने भी काम किया है। निमरत कौर ने शूटिंग खत्म होने पर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो शेयर करने के साथ ही सेक्शन 84 की टीम के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है। मेरी दो सबसे पसंदीदा ध्वनियों - एक्शन और कट के पहले, बीच और बाद में मैंने जो महसूस किया, उसे समझाने के लिए कोई भी शब्द कभी भी पर्याप्त नहीं होगा, आज से ठीक 2 महीने पहले सेक्शन 84 के सेट पर कॉल किया गया था। अपने कैप्शन में, उसने इसकी तुलना एक मनोरम पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर पहुंचने की भावना से की, जिसे कोई कभी समाप्त नहीं करना चाहता। निमरत ने कृतज्ञता, आजीवन सबक, अलगाव की चिंता, और महान अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन साझा करने का अनूठा अनुभव का वर्णन किया, जिसे उन्होंने प्रकृति की शक्ति के रूप में संदर्भित किया। एयरलिफ्ट अभिनेत्री ने आगे स्वीकार किया कि अनुभव के कुछ पहलुओं को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है और अपने दिल में हमेशा के लिए यादों को संजोने का इरादा व्यक्त किया। निम्रत ने निर्देशक रिभु दासगुप्ता के प्रति भी आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उन्हें इस चमत्कारिक और रहस्यमय साहसिक कार्य का हिस्सा बनने का अवसर दिया और इसे अपने करियर में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने जोया के चरित्र को सौंपने के लिए रिभु दासगुप्ता को अपना शाश्वत आभार और प्यार व्यक्त किया। उसने यह कहते हुए नोट को समाप्त किया, इस प्रक्रिया को संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति को एक बहुत बड़ा धन्यवाद, सुचारू रूप से, सावधानी से सोचा गया, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि सेट के लिए हमेशा एक शांत, खुश, खुशहाल जगह है।

आदिपुरुष के लिए जया प्रदा ने की प्रभास की तारीफ

-कृति सेनन के रोल की भी प्रशंसा की

मुंबई (ईएमएस)। ख्यातनाम अभिनेत्री जयाप्रदा ने आदिपुरुष में प्रभास के अभिनय की जमकर तारीफ की। साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस कृति सेनन की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा आजकल नैतिक मूल्य और मयार्दा की परिभाषा बेशक अलग है। लेकिन मुझे खुशी है कि प्रभास और कृति सेनन ने आदिपुरुष में श्रीराम और माता सीता की भूमिका सम्मानित तरीके से अदा की है। हर पीढ़ी के अपने नायक होने चाहिए। जया प्रदा ने प्रभास की खूब तारीफ की। हालांकि, वह फिल्म में हनुमान जी के किरदार से कुछ नाखुश नजर आई हैं। जया का कहना है, मुझे लगता है कि आदिपुरुष में हनुमान जी के किरदार को और अधिक मजबूती के साथ दिखाया जाना चाहिए था। हनुमान जी एक शक्तिशाली और करिश्माई कैरेक्टर हैं और फिल्म में उनकी यह खूबियां महसूस नहीं होती हैं। फिल्म सीता कल्याणम में हनुमान जी की भूमिका निभाने वाले एक्टर ने गजब का प्रभाव छोड़ा था। ज्ञातव्य है कि अपने समय में जया प्रदा ने एक नहीं अपितु तीन बार सीता की भूमिका को परदे पर उतारा था। सीता जी का किरदार निभाने को लेकर जया प्रदा ने कहा, कोई भी सीता मां से प्रभावित हुए बिना उनका किरदार सुंदर तरीके से नहीं निभा सकता है। मुझे लगता है कि आज हर महिला को सीता मां के गुणों को अपनाने की जरूरत है। वह अपने दृष्टिकोण में एक ही समय में अत्यधिक पारंपरिक और आधुनिक थीं। मैं उम्मीद करती हूं कि शायद उनके कुछ गुण मुझ में हों। गौरतलब है कि जया प्रदा ने बापू के निर्देशन में बनी तेलुगु फिल्म सीता कल्याणम में सीता का रोल निभाया। इसके बाद एक और तेलुगु फिल्म सीताराम वनवासम में भी माता सीता बनी नजर आईं। इसके अलावा हिंदी-बंगाली फिल्म लव-कुश में भी जया सीता के किरदार में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म में जितेंद्र श्रीराम के रोल में नजर आए थे।

बड़े बिजनेस घराने की बेटी है राम चरण की पत्नी

-पत्नी ने नेटवर्थ में पति को भी पीछे छोडा

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के एक्टर राम चरण तेजा की पत्नी उपासना कामिनेनी अपने पति की तरह खुद के एक सफल बिजनेस वुमेन हैं। वह नेटवर्थ के मामले में अपने पति के कंधे से कंधा मिलाती दिखती हैं। वह कई कंपनियों के शीर्ष मैनेजमेंट का हिस्सा हैं। उपासना कामिनेनी और राम चरण की नेटवर्थ करीब 2500 करोड़ रुपये है। इसमें से उपासना की खुद की नेटवर्थ 1130 करोड़ रुपये है। वहीं, राम चरण की नेटवर्थ 1370 करोड़ रुपये है। उपासना के एक बेहद बड़े बिजनेस घराने से ताल्लुक रखती हैं। उत्तर भारत में यह बात बहुत कम लोगों को ही पता है। उपासना के नाना का नाम प्रताप। सी. रेड्डी है। वह अपोलो हॉस्पिटल के चेयरमैन हैं। अपोलो भारत की पहली हॉस्पिटल चेन है। उनके नाना 21000 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। उनके नाना देश के 100 बड़े अरबपतियों में शामिल हैं। उपासना अपोलो हॉस्पिटल्स की वाइस प्रेसिडेंट हैं। उनकी मां शोभना अपोलो हॉस्पिटल की एग्जिक्यूटिव वाइस चेयरपर्सन हैं। उपासना ने इंटरनैशनल बिजनेस मार्केटिंग और मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने पढ़ाई के बाद फैमिली बिजनेस जॉइन किया। अगर आप इंश्योरेंस कंपनियों के बारे में जानते हैं तो आपने टीपीए का नाम सुना होगा। यह फेमिली हेल्थ प्लान इंश्योरेंस कंपनी है। उपासना इस कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उपासना के पिता भी एक बिजनेसमैन हैं। उनका नाम अनिल कामिनेनी है और वह केईआई समूह के संस्थापक हैं। उपासना इस कंपनी के भी बोर्ड का हिस्सा हैं। हालांकि, यह एक स्ट्राइक ऑफ कंपनी है। उपासना कामिनेनी की राम चरण की शादी 2012 में हुई थी। उनकी शादी को 11 साल हो चुके हैं। उपासना और राम चरण अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी में जुटे हैं। बता दें कि राम चरण भी दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी के बेटे हैं।खबरों के मुताबिक, फैमिली बिजनेस में आने से पहले उपासना एक फैशन डिजाइनर बनना चाहती थीं। हालांकि, उन्होंने यह फैसला बदल लिया और पहले हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उतरीं। उसके बाद उन्होंने हैदराबाद में अपोलो हॉस्पिटल को जनरल मैनेजर के तौर पर जॉइन कर लिया। उपासना को उनके परोपकारी कामों के लिए भी जाना जाता है। बता दें कि फिल्म आरआरआर के बाद देश ही नहीं पूरी दुनिया में राम चरण तेजा ने अपनी एक्टिंग का डंका बजवाया। वह केवल एक्टिंग ही नहीं बिजनेस में भी सफल हैं।

वाणी कपूर संग नजर आएंगे इश्वाक सिंह

बालीवुड एक्टर इश्वाक सिंह, जो पाताल लोक और रॉकेट बॉयज के लिए पहचाने जाते हैं, अब बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर के साथ अपकमिंग सोशल कॉमेडी फिल्म सर्वगुण संपन्न में स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। यह सोनाली रतन के निर्देशन में पहली फिल्म है। एक सूत्र ने बताया कि इश्वाक ने सर्वगुण संपन्न में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म 1990 के दशक में सेट की गई है और वाणी फिल्म में एक पोर्न स्टार के किरदार को निभाएंगी। प्रोडक्शन के एक सूत्र ने मीडिया को बताया कि इश्वाक इस भूमिका के लिए एकदम सही हैं। वाणी कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री निस्संदेह दर्शकों को लुभाएगी और हम स्क्रीन पर उनकी नई जोड़ी पेश करने के लिए उत्साहित हैं।

निर्देशक सोनाली रतन ने जन्नत, तुम मिले, राजा नटवरलाल और शिद्दत जैसी फिल्मों में फिल्म निमार्ता व पति कुणाल देशमुख के साथ सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया है। यह फिल्म कॉमेडी और सामाजिक कमेंट्री का मिक्सअप है, जो पुरानी यादों के साथ-साथ समसामयिक मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण पेश करती है।

कमल हासन ने की अगली अस्थाई शीर्षक केएच 233 फिल्म की घोषणा

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के सुपर अभिनेता कमल हासन ने निर्देशक एच विनोथ के साथ अपनी आगामी फिल्म की घोषणा की। अभिनेता ने अपनी अगली फिल्म के लिए थुनिवु निर्देशक के साथ टीम बनाई, जिसकी आधिकारिक घोषणा मंगलवार को की गई। इसे किसानों पर आधारित सामाजिक रूप से जिम्मेदार फिल्म बताया जा रहा है। अभिनेता और निर्देशक ने किसानों की मौजूदगी में फिल्म के बारे में घोषणा की। सूत्रों के अनुसार फिल्म को राजनीतिक रंग दिया गया है। यह अनाम फिल्म कमल हासन के होम बैनर राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा निर्मित है। फिल्म का अस्थायी रूप से शीर्षक केएच233 रखा गया है, क्योंकि यह उनके करियर की 233वीं परियोजना है। अभिनेता और राजनेता ने तमिलनाडु में किसानों की उपस्थिति में प्रेस वार्ता के साथ फिल्म की घोषणा की। एच विनोथ सर्वश्रेष्ठ निर्देशकों में से एक हैं और अपने करियर की शुरूआत से ही हिट रहे हैं। अजित कुमार के साथ उनकी पिछली तीन फिल्में निर्कोंडा पारवई, वलीमाई और थुनिवु बॉक्स ऑफिस पर हिट रहीं। मीडिया के अनुसार विजय सेतुपति भी फिल्म के कलाकारों में शामिल हैं। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। फिल्म की कास्ट और क्रू को भी फाइनल किया जाना बाकी है। आने वाले समय में फिल्म के बारे में अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि कमल हासन निर्देशक शंकर की इंडियन2 की शूटिंग पूरी करने के बाद फिल्म पर काम करना शुरू कर देंगे, जो अभी चल रही है। कमल हासन वर्तमान में तेज चरण में शंकर की इंडियन-2 की शूटिंग कर रहे हैं। टीम ने हाल ही में चेन्नई में एक शेड्यूल पूरा किया है और वे कुछ हफ्तों के बाद एक छोटे शेड्यूल के लिए लॉस एंजिल्स जा रहे हैं। कमल हसन सेनापति के रूप में अपनी भूमिका को दोहराते हैं, एक पूर्व-स्वतंत्रता सेनानी जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ता है। इंडियन 2 उसी नाम का सीक्वल है, जिसे 1996 में रिलीज किया गया था। सीक्वल तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में अखिल भारतीय रिलीज होगा।

काजल अग्रवाल, बॉबी सिम्हा और सिद्धार्थ भी सितंबर में सेट पर शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, गुरु सोमसुंदरम और समुथिरकानी भी फिल्म के मुख्य कलाकारों का हिस्सा हैं। इसके बाद उन्होंने निर्देशक मणिरत्नम के साथ एक आगामी फिल्म की भी घोषणा की।

ओजी में दिखेंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी निर्देश-ाक सुजीत की गैंगस्टर ड्रामा ओजी में शामिल हो गए हैं। इमरान हाशमी गैंगस्टर, जहर, आवारापन और शंघाई जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाते हैं। फिल्म में पावर स्टार पवन कल्याण और प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में हैं। इमरान कलाकारों में शामिल हो गए, क्योंकि फिल्म का तीसरा शेड्यूल इस समय हैदराबाद में चल रहा है। वह इस फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में अपनी शुरूआत करेंगे और फिल्म में पवन कल्याण के साथ भूमिका निभाते नजर आएंगे। इमरान ने अपनी बात को मीडिया से साझा करते हुए कहा कि मैं ओजी के साथ इस नई यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। फिल्म की एक मजबूत और मनोरंजक पटकथा है और मुझे एक चुनौतीपूर्ण भूमिका मिली है, जिसे मैं पवन कल्याण, सुजीत, दानय्या और टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

राखी सावंत ने मनाया तलाक का जश्न, वीडियो वायरल

बॉलीवुड की 'ड्रामा क्वीन' एक्ट्रेस राखी सावंत इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ के चलते सुर्खियों में हैं। राखी पिछले काफी समय से अपने अफेयर, शादी और बाद में पति आदिल खान दुरार्नी से तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच राखी सावंत एक बार फिर आदिल के साथ अपने रिश्ते को लेकर चचाओं में हैं। फिलहाल राखी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में राखी सावंत दुल्हन बनकर ढोल पर बेसुध होकर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में राखी अपने तलाक का जश्न मनाती नजर आ रही हैं। राखी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में राखी रेड लहंगे में दुल्हन की तरह सजी नजर आ रही हैं। दुल्हन के परिधान में वह ढोल-नगाड़ों की ताल पर जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। वह सबकुछ भूलकर बेहोशी में डांस करती नजर आती हैं। राखी सावंत का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राखी के इस वीडियो पर अब नेटिजन्स भी अजीबोगरीब कमेंट कर रहे हैं। इस वीडियो में राखी सावंत कहती नजर आ रही हैं, 'आखिरकार मेरा ब्रेकअप हो गया, मुझे तलाक मिल रहा है और यह मेरी ब्रेकअप पार्टी है। लोग दुखी हैं, लेकिन मैं खुश हूं... चलो एक नई शुरूआत करते हैं!' इसके बाद वह सिर पर घूंघट रखकर ढोल की थाप पर डांस करती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। इस वीडियो को अब तक कई लोग देख चुके हैं और इस पर कई कमेंट आ रहे हैं। राखी सावंत ने कुछ महीने पहले आदिल दुरार्नी से शादी की थी। इसके बाद दोनों के रिश्ते में दरार की खबरें आने लगीं। इतना ही नहीं राखी ने अपने पति पर धोखा देने का भी आरोप लगाया। इसके बाद आदिल दुरार्नी को सजा हुई थी। वह फिलहाल जेल में है, अपनी सजा काट रहा है। इसी बीच राखी सावंत का आदिल से तलाक हो गया है। घंटों ढोल पीटकर उन्होंने इस खुशी का जश्न मनाया।

फोन डेड होने के कारण एयरपोर्ट पर फंसे डीनो

हाल ही में फोन डेड होने के कारण बॉलीवुड एक्टर डीनो मोरिया मुंबई एयरपोर्ट पर फंस गए थे, ऐसे में उनकी मदद मीडिया फोटोग्राफरों ने की। दर-असल, एक्टर के फोन की बैटरी डाउन हो गई थी, जिसके चलते उनका फोन बंद हो गया। एक्टर की मदद एयरपोर्ट पर मौजूद मीडिया फोटोग्राफरों ने की। फोटोग्राफरों में से एक ने एक्टर डीनो को अपना फोन दिया और वह अपने ड्राइवर से संपर्क करने में कामयाब रहे। इसके बाद एक्टर ने सोशल मीडिया के माध्यम से फोन देकर मदद के लिए फोटोग्राफर को धन्यवाद कहा। हाल ही में, डीनो मोरिया को तेलुगु स्पाई एक्शन फ्लिक एजेंट में देखा गया था और वह वर्तमान में मलयालम फिल्म बांद्रा की शूटिंग करने वाले हैं। बता दें कि आम तौर पर एक्टर और फोटोग्राफरों के बीच दोस्ताना व्यवहार और अच्छे संबंध के लिए जाना जाता है।

टीवी शो 'तारक मेहता' के मेकर्स के खिलाफ केस दर्ज

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो के प्रोड्यूसर असित मोदी पर सीरियल की एक्ट्रेस ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। अब इस मामले में असित मोदी और दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। शो में 'मिसेज सोढ़ी' का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री ने प्रोड्यूसर पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया था। असित के साथ जेनिफर ने शो के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जतिन बजाज और ऑपरेशंस हेड सोहेल रमानी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई थी। अब इस मामले में तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मुंबई पुलिस द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक, पवई पुलिस ने 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के निमार्ता असित मोदी, ऑपरेशन हेड सोहेल रमानी और कार्यकारी निमार्ता जतिन बजाज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सीरियल की अभिनेत्री द्वारा दायर शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 354 और 509 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जेनिफर मिस्त्री ने असित पर सेक्शुअल हैरेसमेंट का आरोप लगाया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर अपना दुख जाहिर किया। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से जुड़े विवादों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले कुछ महीनों में कई अभिनेताओं ने शो को अलविदा कह दिया है। शो से विदाई लेने वाले कुछ कलाकारों ने शो के प्रोड्यूसर असित मोदी और उनकी टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

सूडोकु नवताल- 6468

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6467 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्दजाल - 7215

श	रा	आ	स्ट्रि	या	गा	ह	ट	झ	क	यू
बे	ल्जि	य	म	रिं	लै	ता	स्वी	शा	को	ना
ज	र	डे	झि	दा	चि	सिं	ड	ला	ल	इ
फ्रां	स	दा	न	ल	क	ड़	न	दा	र	टे
ट्य	रा	र	ष	मा	मि	ज	र्म	नी	र	ड
फि	ह	प	व	दा	र्क	ला	ती	ड़	न	किं
न	ट	नी	अं	ग्री	स	ट	ह	ला	ह	ग
लैं	जी	वा	द	क	छ	सौ	न	ट	जू	ड
ड	थो	तें	व	र	ज	दा	ने	दा	र	म
र	ल	प	ति	रं	लैं	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	ड	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में यूरोपीय संघ के 10 सदस्य देशों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

आस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, नीदरलैंड, स्वीडन, युनाइटेड किंगडम

शब्दजाल - 7214 का हल

व्य	ई	म्स	ऑ	फ	इं	डि	या	र	प	दे
ई	हिं	दु	स्ता	न	डो	ने	ग	ति	मा	नि
स	द	म	ला	मा	ग	अं	डे	ह	दे	क
जी	ग	ल	ई	ना	डू	स	ली	ह	नि	जा
लो	अ	या	र	न	न	मे	थां	का	क	ग
ल	क	ला	त	अ	प	का	थी	ह	भा	र
लो	क	म	त	व	म	ला	र	मा	स्क	ण
र	मा	नो	व	न	प	र	रा	ल	र	ला
क	तृ	र	अ	लं	का	र	उ	न	जू	दे
र	भू	मा	मा	न	सिं	ब्रा	स	जा	प	श
बां	मि	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	ला	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6168

7		1	6			
2	25		32	4	36	
	3	2		5	7	6
	27	6	33		39	
4		3		1	2	
5	37		31	7	30	3
6		4		2		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6167 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	33	7	35	1	28	3
4	3	2	7	6	1	5
2	32	3	38	7	32	6
7	5	6	3	4	2	1
6	33	1	31	5	30	4
3	1	4	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अर्जेंटीना के मेसी भी आसपास नहीं

लंदन।
पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने की दहलीज पर खड़े हैं। मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ यूऐफा यूरो क्वालिफायर्स के मुकाबले में मैदान पर उतरते ही रोनाल्डो एक खास मुकाम हासिल कर लेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 200 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बनेंगे। उनसे पहले किसी खिलाड़ी ने यह मुकाम हासिल नहीं किया है। अर्जेंटीना के विश्व विजेता कप्तान लियोनल मेसी भी रोनाल्डो से काफी पीछे हैं। 38 साल के रोनाल्डो ने अब तक 199 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 122 गोल दागे हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। वहीं, दूसरे नंबर पर कुवैत के बदर अल मुतावा हैं। उन्होंने 196 मैच खेले हैं। मेसी 175 मैचों के साथ लिस्ट में 11वें स्थान पर हैं, जबकि भारत के सुनील छेत्री ने 137 मैच खेले हैं। अंतरराष्ट्रीय गोल के मामले में रोनाल्डो के बाद ईरान के पूर्व फुटबॉलर अली डेई का नाम आता है। उन्होंने 148 मैचों में 109 गोल दागे थे। पिछले साल फीफा वर्ल्ड कप में रोनाल्डो ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। इस साल लिस्टेंस्टीन के खिलाफ मार्च में मैदान पर उतरते ही रोनाल्डो ने 197वीं कैप हासिल की थी और रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अब 200 मैच के खास मुकाम को हासिल करने से पहले उन्होंने कहा- मैं यहां (पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम में) आना कभी नहीं छोड़ूंगा, क्योंकि यह हमेशा एक सपना होता है। 200 अंतरराष्ट्रीय मैचों तक पहुंचना किसी के बस की बात नहीं है। यह मेरे देश और मेरी टीम के लिए मेरे प्यार को दर्शाता है। पिछले साल फीफा वर्ल्ड कप में पुर्तगाल के खराब प्रदर्शन के बाद कोच फर्नांडो सांतोस ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद बेल्जियम के पूर्व कोच रॉबर्टो मार्टिनेज को कोचिंग की जिम्मेदारी दी गई थी। मार्टिनेज के पुर्तगाल के कोच बनने के बाद से रोनाल्डो ने तीन मैचों में चार गोल किए हैं, लेकिन पिछले हफ्ते बोस्निया और हर्जेगोविना पर 3-0 की जीत में गोल करने में नाकाम रहे थे। रोनाल्डो ने कहा- मेरे 200वें अंतरराष्ट्रीय मैच को मेरे एक गोल के साथ जीतना शानदार होगा। मैं रिकॉर्ड्स का पीछा नहीं कर रहा हूं, वे मेरा पीछा कर रहे हैं। मैं खुश हूं क्योंकि यह टीम के साथ उच्चतम स्तर पर बने रहने की मेरी प्रेरणा का हिस्सा है। यह ऐसा कुछ है जिसे मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं पूरा करूंगा। कोच मार्टिनेज ने मैच से पहले पुष्टि की रोनाल्डो स्टार्टिंग इलेवन का हिस्सा होंगे। मार्टिनेज ने कहा- कोई खिलाड़ी 200 मैचों तक पहुंच रहा है, यह आश्चर्यचकित करने वाला है।

न्यूज ब्रीफ

वनडे वर्ल्डकप क्वालिफायर में ओमान ने किया उलटफेर: आयरलैंड को 5 विकेट से हराया; श्रीलंका ने यूएई को 175 रन से मात दी

ओमान। वनडे वर्ल्ड कप के क्वालिफायर में ओमान ने उलट फेर करते हुए आयरलैंड को 5 विकेट से हराया। आयरलैंड पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों को हरा चुकी है। वहीं एक अन्य मुकाबले में श्रीलंका ने यूएई को 175 रन से हराया। वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में भारत में खेला जाना है। इसमें 10 टीमें भाग लेंगी। आठ टीमों का फैसला रैंकिंग के आधार पर हो चुका है। दो अन्य टीमों का फैसला क्वालिफायर मुकाबले से हो रहे हैं। क्वालिफायर मुकाबले में वेस्टइंडीज और श्रीलंका सहित 10 टीमें भाग ले रही हैं। जिम्बाब्वे में खेले जा रहे क्वालिफायर टूर्नामेंट में टॉप दो पर रहने वाली टीमें वर्ल्ड कप में भाग लेंगी। खेले गए मैच में ओमान ने आयरलैंड को हराकर लीग का अपना पहला मैच जीत लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड की टीम ने 7 विकेट पर 281 रन का स्कोर खड़ा किया था। जिसे ओमान की टीम ने 48.1 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। आयरलैंड की ओर से जॉर्ज डॉकरेल ने नाबाद 91 रन की पारी खेली, जबकि हैरी टेक्टर ने 52 रन बनाए। इन दोनों के अलावा आयरलैंड का और कोई बल्लेबाज ज्यादा कुछ नहीं कर पाया।

पीसीबी चेयरमैन की रेस से सेठी बाहर: बोले- शरीफ और जरदारी के बीच विवाद का वजह नहीं बनना चाहता; अशरफ हो सकते हैं नए अध्यक्ष

इस्लामाबाद। नजम सेठी इस बार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि वे पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच विवाद की वजह नहीं बनना चाहते हैं। सेठी को पिछले साल रमीज राजा की जगह पर पीसीबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। सेठी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में अपनी उम्मीदवारी को वापस लेते हुए लिखा - सभी को सलाम! मैं आसिफ जरदारी और शहबाज शरीफ के बीच विवाद का कारण नहीं बनना चाहता। इस तरह की अस्थिरता और अनिश्चितता पीसीबी के लिए अच्छी नहीं है। इन परिस्थितियों में मैं पीसीबी अध्यक्ष पद का उम्मीदवार नहीं हूं। सभी हितधारकों को शुभकामनाएं। नजम सेठी के अध्यक्ष पद से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के बाद जका अशरफ पीसीबी के नए अध्यक्ष हो सकते हैं। शहबाज शरीफ सरकार में मंत्री रहे एहसान उर रहमान मजारी के अनुसार, जका अशरफ पीसीबी का अध्यक्ष पद संभाल सकते हैं।

केवल 27 साल की उम्र में एनेट कोंटेविट टेनिस से लेंगी संन्यास विंबलडन में खेलेंगी अपना आखिरी मुकाबला

नई दिल्ली। एस्टोनिया की टेनिस खिलाड़ी 27 वर्षीय एनेट कोंटेविट ने अपनी पीठ की चोट के कारण खेल से अपने संन्यास लेने की घोषणा की है। पिछले साल कोंटेविट अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची।

उन्होंने बताया कि वह अगले महीने होने वाले विंबलडन में अपना अंतिम टूर्नामेंट खेलेंगी। कोंटेविट ने अपनी पीठ की चोट के कारण अक्टूबर में अपने 2022 सीजन के कुछ मैच में शामिल नहीं होने का फैसला किया। इलाज के चलते पूरी तरह से ठीक होने की उम्मीद में उन्होंने फरवरी में टेनिसे से दो महीने का ब्रेक लेने की घोषणा की थी, लेकिन ऐसे में लगातार पीठ के दर्द के कारण उन्होंने पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने का कठिन फैसला किया है। कोंटेविट ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि डॉक्टर के कई चक्कर लगाने और मेरी मेडिकल टीम से विचार के बाद मुझे सलाह दी गई है कि मेरी पीठ में डिस्क की समस्या है, जिसके चलते मैं पूरी तरह से ट्रैनिंग और खेल में भाग नहीं ले पाउंगी। इसलिए इस तरह के दर्द के साथ हाई कापीटीशन वाले क्षेत्र में टॉप स्तर पर बने रहना संभव नहीं है। मैं एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में अपने आखिरी मैच के बाद नई चुनौतियों के लिए तैयार हूं।

लंदन ओलंपिक में कैसे पदक जीतने से चूक गए थे रोंजन सोढ़ी खेल मंत्री की एक जिद पड़ गई थी भारी

देहरादून।
2024 ओलंपिक का आयोजन अगले साल पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच किया जाएगा। सभी देशों के एथलीट खेलों के इस महाकुंभ में कमाल करने के लिए तैयारी कर रहे हैं। भारत को नीरज चोपड़ा के अलावा कुश्ती और शूटिंग में मेडल की आस सबसे ज्यादा है। अबकी बार शूटिंग में मेडल कौन लाएगा, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन साल 2012 में ऐसा नहीं था। 2012 में रोंजन सोढ़ी से सभी को पदक की उम्मीद थी। उनका रिकॉर्ड ही कुछ ऐसा था, जो इस बात की गवाही दे रहा था कि उनका मेडल जीतना तय है। हालांकि, ऐसा हुआ नहीं औरडबल ट्रैप इवेंट में शुरुआती राउंड में पहले स्थान पर रहने के बावजूद वह बढ़त को कायम नहीं रख पाए। दूसरे राउंड में वह 11वें स्थान पर रहे और पदक से चूक गए।

रोंजन सोढ़ी ने ओलंपिक को याद करते हुए अपने करियर से जुड़ी कई बड़ी बातें साझा कीं। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह अहम मौके पर पदक जीतने से चूक गए थे। रोंजन ने बताया कि कैसे एक खेल मंत्री की जिद उन्हें भारी पड़ गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि यह किस्सा आज तक उन्होंने किसी से भी साझा नहीं किया और पहली बार ही वे इसका खुलासा कर रहे हैं।

किस तरह पदक से चूके थे रोंजन

2012 ओलंपिक के मुकाबले को याद करते हुए उन्होंने बताया, ओलंपिक में तीन राउंड होते हैं और शुरुआती राउंड में मैं सबसे आगे था। ऐसे में खेल मंत्री आए। हम जहां बैठते थे, वहां खिलाड़ियों और कोच के अलावा किसी को भी आने की अनुमति नहीं होती है। मैच के बीच कोई भी आपसे नहीं मिल सकता है। मेरे कोच आए और उन्होंने कहा कि खेल मंत्री आपसे मिलना चाहते हैं। मैंने मना कर दिया फिर कोच दूसरी बार आए और बताया कि वह किसी और का मैच देखने जा रहे हैं। मैंने कहा कि जाने दो, लेकिन कोच ने कहा कि एक बार मिल लो। कोच के कहने पर मैं चला गया, यह मेरी गलती थी। मुझे नहीं जाना चाहिए था। जब मैं बाहर गया तो वहां मीडिया थी। उनमें से किसी ने जोर से कहा कि रोंजन के घर में ओबी वैन भेजिए, मेडल पक्का है। शूटिंग ऐसा खेल है, जिसमें दिमाग पर बहुत कुछ निर्भर

करता है। ध्यान भटका तो गेम भी हार जाओगे। बस वही एक एक खामी रह गई। मेरा ध्यान उसी पल से हट गया था, प्रेशर में आ गया था। मैं सबसे आगे था और जीतने के लिए तैयार था, लेकिन मीडिया का दबाव झेलने के लिए और घर में ओबी वैन देखने के लिए तैयार नहीं था। मैं यह दबाव नहीं झेल पाया और पदक जीतने से चूक गया। इसका अफसोस मुझे हमेशा रहेगा।

ओलंपिक क्रिकेट की तरह नहीं है

2012 ओलंपिक को याद करते हुए रोंजन ने अपने खेल की तुलना क्रिकेट से की। उन्होंने कहा, ओलंपिक का खेल क्रिकेट की तरह नहीं है। यह काफी मुश्किल है। क्रिकेट में आप एक सीरीज हार जाते हैं तो कुछ दिन बाद ही दूसरी सीरीज होती है। आपके पास जीतने के कई मौके होते हैं। यहां चार साल में एक ओलंपिक होता है और आपके पास तीन मेडल होते हैं- सोना, रजत और कांस्य। अगर आपके पास ओलंपिक में मेडल नहीं है तो आपको कोई नहीं पूछता है। क्रिकेट में रिटायर होने के बाद भी आपके साथ कमेंटेटर या कोच बनने का मौका होता है।

अगर आपके पास ओलंपिक पदक नहीं तो कुछ नहीं

अपने पदक नहीं जीत पाने का दर्द बयां करते हुए उन्होंने कहा, भारत में ऐसा ही है, आपके पास ओलंपिक पदक नहीं है तो आपने कुछ भी नहीं किया। विश्व कप, एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स सब जीत लिया। विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर भी रहे, लेकिन ओलंपिक मेडल नहीं है।

2012 लंदन ओलंपिक के डबल ट्रैप इवेंट में क्या हुआ था

मेंस डबल ट्रैप इवेंट में दो क्वालिफायर राउंड थे और एक फाइनल। हर एक शूटर को 50 शॉट के तीन सेट ट्रैप शूटिंग करने थे। एक साथ दो टारगेट को लॉन्च किया जाना था। क्वालिफाइंग राउंड के शीर्ष छह शूटर फाइनल में पहुंचते। फाइनल में 50 राउंड और फायर करने को मिलता। कुल 200 शॉट्स में से टोटल स्कोर से विजेता मिलता। हालांकि, पहले राउंड में शीर्ष पर रहने के बाद दूसरे राउंड में रोंजन पिछड़ गए। दूसरे क्वालिफाइंग राउंड के बाद रोंजन का स्कोर 134 रहा था और वह 11वें स्थान पर रहे। रोंजन शीर्ष छह में जगह नहीं बना पाए थे। ग्रेट ब्रिटेन के पीटर विल्सन (स्कोर 188) ने स्वर्ण, स्वीडन के हकान डहाल्बी (स्कोर 186) ने रजत और रूस के वासिली मोसिन (स्कोर 185) ने कांस्य पदक अपने नाम किया था।

कौन हैं रोंजन सोढ़ी

2010 राष्ट्रमंडल खेलों में दो रजत और उसी साल एशियाई खेलों में एक स्वर्ण पदक जीतने वाले रोंजन सोढ़ी भारत में जन्में सबसे बेहतरीन शूटर में से एक हैं। 2011 में वह विश्व कप खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले पहले भारतीय बने थे। डबल ट्रैप में अपनी किस्मत आजमाने वाले रोंजन सोढ़ी लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जाने गए। यहां तक कि उन्हें रोंजन सोढ़ी नहीं, बल्कि मिस्टर कंसिस्टेंट रोंजन सोढ़ी बुलाया गया। सोढ़ी नवीनतम इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन की विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय निशानेबाज बने। वह ओलंपियन भी बने।

रोंजन के छोटे भाई बिरेनदीप सोढ़ी भी ट्रैप शूटर हैं। उनके पिता मालविंदर सिंह सोढ़ी ने रंजन को घर में प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए ट्रैप से डबल ट्रैप में जाने के लिए कहा। एक बड़े भाई के रूप में रोंजन ने त्याग किया। जब वह 10वीं कक्षा में थे, तब उनके पिता उन्हें पहली बार करणी सिंह के पास ले गए। रोंजन के पिता पंजाब के फिरोजपुर में एक किसान थे।

सात्विक-चिराग करियर की बेस्ट तीसरी वर्ल्ड रैंकिंग पर पहुंचे

सिंधु को एक स्थान का फायदा, मेंस सिंग्लस में प्रणय 9वें नंबर पर बरकरार

नई दिल्ली।
सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी ने मंगलवार को जारी बीडब्लूएफ की ताजा रैंकिंग में अपने करियर की बेस्ट वर्ल्ड रैंकिंग हासिल कर ली। सात्विक-चिराग अपनी पिछली रैंकिंग से एक स्थान ऊपर बढ़कर पुरुष युगल की विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

पिछले साल कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल, फ्रेंच ओपन सुपर 750 खिताब और मौजूदा सीजन में इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन 300 खिताब जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी के अब 15 टूर्नामेंट में 82331 अंक हैं।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीता

चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज की भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन का खिताब जीता था। चिराग-सात्विक की जोड़ी ने टूर्नामेंट की दूसरी सीड हारून चिया और वूई यिक सोह की मलेशियाई जोड़ी को सीधे गेम में 21-17 और 21-18 के अंतर से हराया था। चिराग-सात्विक की जोड़ी बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर सुपर-1000 का टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय जोड़ी बनी। इतना ही नहीं, यह इकलौती भारतीय जोड़ी है, जिसने बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर में सुपर-100, सुपर-300,सुपर-500, सुपर-750 और सुपर-1000 चारों टाइटल जीते हैं।

सिंधु 12वें स्थान पर पहुंची

महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 12वें स्थान पर पहुंच गई हैं। सिंधु सात साल में पहली बार मार्च में शीर्ष 10 की रैंकिंग से बाहर हो गई थीं। महिला युगल में त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भी 16वें स्थान पर बनी हुई है।

प्रणय 9वें स्थान पर बरकरार

मेंस सिंगल्स में एचएस प्रणय 9वें स्थान पर बरकरार हैं। लक्ष्य सेन को रैंकिंग में दो स्थान का फायदा हुआ है। वो अब 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

जावेद मियांदाद ने फिर दिया भारत विरोधी बयान : कहा- पाकिस्तान वर्ल्ड कप खेलने भारत न जाए, पहले भारतीय टीम पाकिस्तान आए

नई दिल्ली।
पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने एशिया कप को लेकर बीसीसीआई पर हमला किया। मियांदाद ने कहा - अगर भारत एशिया कप खेलने पाकिस्तान नहीं आ सकता तो पाकिस्तान को भी वर्ल्ड कप खेलने के लिए नहीं जाना चाहिए। अगर भारत चाहता है कि पाकिस्तान वर्ल्ड कप के लिए आए, तो उसे पहले पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। इसी आधार पर पाकिस्तान को वर्ल्ड कप खेलने पर निर्णय लेना चाहिए।

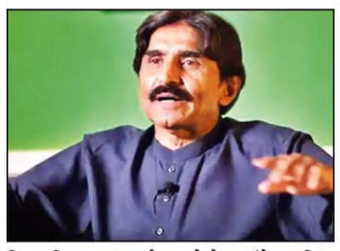

भारत का रवैया पाकिस्तान की तरह नहीं

मियांदाद ने आगे कहा - पाकिस्तान 2012 और 2016 में भारत आया था, लेकिन भारत 2008 के बाद से पाकिस्तान नहीं आया। अगर मुझे फैसला करना होता तो मैं कभी भी कोई मैच खेलने भारत नहीं जाता, यहां तक कि वर्ल्ड कप में भी नहीं।

हमारे खिलाड़ी टॉप लेवल के

मियांदाद ने कहा - पाकिस्तान क्रिकेट टॉप लेवल के खिलाड़ी तैयार करता है। अगर हम भारत का दौरा नहीं करें तो इससे हमे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। खेल लोगों को जोड़ता है ना ही तोड़ता है। इसलिए बेहतर है की हम खेल के बीच में राजनीति नहीं लाएं। हमें एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

हाइब्रिड मॉडल में होगा एशिया कप

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2023 के मैच पाकिस्तान और श्रीलंका में हाइब्रिड मॉडल में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में टूर्नामेंट के सिर्फ 4 मैच होंगे। बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में होंगे। शुरुआती ग्रुप स्टेज के चार मैच पाकिस्तान में होंगे। इनमें एक ग्रुप से पाकिस्तान और नेपाल मैच और दूसरे ग्रुप से अफगानिस्तान और बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका और बांग्लादेश और श्रीलंका मैच शामिल हैं। यानी पाकिस्तान में भारत का एक भी मैच नहीं होगा। फाइनल भी श्रीलंका में ही खेला जाएगा।

एशिया कप को लेकर विवाद क्यों

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि टीम इंडिया खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। बीसीसीआई ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना।

विश्व कप क्वालीफायर में वानिंदु हसरंगा ने यूएई के खिलाफ ढाया कहर, ताश के पत्तों की तरह बिखरी पूरी टीम

नई दिल्ली।
श्रीलंका के मुख्य खिलाड़ी वानिंदु हसरंगा ने बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के अपने पहले मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। हसरंगा ने आठ ओवरों में गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर 6 विकेट चटकाए जिसके चलते पूरी टीम सिर्फ 180 के स्कोर पर पवेलियन लौट गई। लेग स्पिनर के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने 175 रन की विशाल जीत हासिल की।

इन बल्लेबाजों को भेजा पवेलियन-

हसरंगा ने यूएई के बल्लेबाजों को आसानी से पवेलियन भेजा। उन्होंने 17वें ओवर में सबसे पहले मोहम्मद वसीम को आउट किया। तीन गेंदों के अंदर उन्होंने बासिल हमीद और आसिफ खान को एलबीडब्ल्यू से आउट किया। इसके बाद उन्होंने रमीज शहजाद को क्लीन बोल्ड किया। उन्होंने 39वें ओवर में अयान अफजल खान और मोहम्मद जवादुल्लाह दोनों को आउट किया।

हसरंगा का सर्वश्रेष्ठ वनडे आंकड़ा-

हसरंगा का 24 रन देकर 6 विकेट चटकना उनका अब तक का बेस्ट वनडे गेंदबाजी आंकड़ा है। वास्तव में यह उनका पहला वनडे मैच था, जिसमें उन्होंने पांच विकेट या उससे अधिक लिए। 42 एकदिवसीय मैच में हसरंगा ने 32.70 की औसत से केवल 51 विकेट लिए हैं। 5.01 उनका इकॉनमी रेट है। इससे पहले हसरंगा ने एक मैच में केवल 4 विकेट लिए थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 58 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

हसरंगा के वनडे में 50 विकेट पूरे-

इसके साथ ही लेग स्पिनर ने आखिरकार वनडे में अपने 50 विकेट पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अफजल का विकेट चटकाकर अपने 50 विकेट पूरे किए। वह यह मुकाम हासिल करने वाले श्रीलंका के 28वें गेंदबाज हैं। हालांकि श्रीलंका के सक्रिय क्रिकेटरों में वह दूसरे सबसे ज्यादा एकदिवसीय विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। हसरंगा का 6/24 श्रीलंका के लिए छठा सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय गेंदबाजी आंकड़ा है। इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ चामिंडा वास 8/19, मुथैया मुरलीधरन का 7/30 बनाम भारत, भारत के खिलाफ अजंता मेंडिस 6/13, फरवेज महरूफ 6/14 और एंजेलो मैथ्यूज 6/20 के साथ हसरंगा से आगे हैं।

क्या रोहित शर्मा आखिरी बार वर्ल्ड कप खेलेंगे

वनडे और टी20 में उम्र बढ़ा रहीं मुश्किलें, टेस्ट में टीम को दमदार बनाए रखने का चैलेंज

नई दिल्ली।
अपनी हिटिंग के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीम को घुटनों पर लाने की क्षमता रखने वाले हिटमैन रोहित शर्मा के लिए अक्टूबर-नवंबर में होने वाला वर्ल्ड कप करियर का आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है। मुमकिन है कि इसके बाद वे किसी आईसीसी टूर्नामेंट को जीतने का दावा पेश न कर पाएं। न सिर्फ बतौर कप्तान बल्कि बतौर खिलाड़ी भी 2023 वनडे वर्ल्ड कप रोहित का आखिरी ग्लोबल टूर्नामेंट हो सकता है।

तीन इंडिकेटर्स रोहित शर्मा के खिलाफ जाते दिख रहे हैं। उनके बचपन के कोच दिनेश लाड को भी ऐसा ही लगता है कि रोहित इस साल आखिरी बार वर्ल्ड कप में उतरने वाले हैं। क्या कहना है रोहित के कोच का और वे इंडिकेटर्स कौन-कौन से हैं यह हम स्टोरी में आगे जानते हैं।

इंडिकेटर-1: ज्यादा उम्र

2007 में आयरलैंड के खिलाफ वनडे मैच के जरिए इंटरनेशनल करियर का आगाज करने वाले रोहित 36 साल, 51 दिन के हो चुके हैं। अगले वनडे वर्ल्ड कप के समय उनकी उम्र 40 साल से ऊपर की होगी। इस उम्र तक महेंद्र सिंह धोनी भी टीम इंडिया के लिए नहीं खेल पाए। इसलिए तब तक रोहित का वनडे सेटअप में बने रहने की उम्मीद काफी कम है। लगभग न के बराबर। इसलिए इस फॉर्मेट के अगले वर्ल्ड कप (2027) मे रोहित नजर नहीं आते। वनडे में रोहित ने पिछले 5 सालों में बतौर बल्लेबाज कैसा परफॉर्म किया है यह अगली तस्वीर में देखा जा सकता है।

इंडिकेटर-2: टी-20 सेटअप से हो रहे/किए जा रहे बाहर

टीम इंडिया पिछले साल 10 नवंबर को टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हारी थी। हार इतनी करारी थी कि इसे कोई भारतीय फैन भूल नहीं पा रहा। याद रखने लायक एक बात यह भी है कि वह मुकाबला रोहित शर्मा का आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच था। तब से वे भारत की टी-20 टीम से बाहर रहे हैं। इसके बाद से भारतीय टीम इस फॉर्मेट में 8 मैच खेल चुकी है। सिलेक्टर्स की ओर से कहा जा रहा है कि अगले साल टी-20 वर्ल्ड कप है और उसकी टीम तैयार की जा रही है।

इंडिकेटर -3: टेस्ट में फाइनल तक पहुंचना होगा मुश्किल

टेस्ट क्रिकेट ऐसा फॉर्मेट है जिसमें रोहित का करियर दो-तीन साल और चल सकता है। यानी रोहित को डब्लूटीसी ट्रॉफी के लिए एक और मौका मिल सकता है। हालांकि, इसके लिए टीम को पहले फाइनल में पहुंचना होगा। भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव का दौर शुरू होने वाला है लिहाजा अगले कुछ महीने प्रदर्शन डांवाडोल हो सकता है।

इसके अलावा भारत घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए गड्ढा पिचें बनवाना बंद भी कर सकता है। बीसीसीआई अधिकारियों और पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों में एक बड़ा तबका यह मानता है कि ऐसी पिचों से भारतीय क्रिकेट की छवि खराब हो रही है और हमारे खिलाड़ी बैटिंग करना भूल रहे हैं। अगर गड्ढा पिचें बनना बंद हो गई तो भारतीय टीम के लिए आसान पॉइंट्स का मिलना भी बंद हो जाएगा। इससे फाइनल की राह मुश्किल हो जाएगी। अगर फाइनल में नहीं पहुंचे तो वर्ल्ड कप जैसी कोई बात ही नहीं रहेगी। टेस्ट फॉर्मेट में वर्ल्ड कप खेलने का मतलब कोई टूर्नामेंट खेलना नहीं होता। वहां इसका मतलब वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलना होता है। कहने के लिए सभी टेस्ट सीरीज डब्लूटीसी का हिस्सा होती हैं, लेकिन फाइनल ही अपने आप में पूरा टूर्नामेंट होता है। अगर डब्लूटीसी में शामिल किसी सीरीज में खेल लेना ही वर्ल्ड कप खेलना होता तब तो पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम या इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स भी यह टूर्नामेंट खेल चुके होते।

घर से भी किया जा सकता है परफेक्ट योग

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल की वजह से कई लोग अपनी फिटनेस तक पर अच्छी तरह ध्यान नहीं दे पाते हैं। यही वजह है कि खान-पान की खराब आदत और वर्कआउट की कमी की वजह से ज्यादातर लोग मोटापे, डायबिटिज जैसे कई रोगों का शिकार हो रहे हैं। अगर आपको भी लगता है कि आपकी भी स्थिति कुछ ऐसी ही हो रही है तो घर बैठे ही कुछ समय योग के लिए निकालिए। जी हां, दुनियाभर में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है। यह खास दिन लोगों के बीच जीवन में योग के महत्व

को बताने के लिए मनाया जाता है। योगाभ्यास करने से व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूती मिलती है। आपका शरीर कई गंभीर रोगों से बचा रहता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि योगा करना मुश्किल है, अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं तो आपको बता दें कि आप घर पर भी योग को मजेदार बना सकते हैं। आइए जानते हैं घर पर योग करते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सोने का समय तय करें-

सुबह जल्दी उठकर योग करने के लिए आपको जल्दी सोना भी होगा। जल्दी सोएंगे, तभी तो सुबह फ्रेश मूड से उठ भी पाएंगे। सबसे पहले अपने सोने का समय निर्धारित करें और हर दिन उसे फॉलो करें। सोते समय बिस्तर पर मोबाइल, लैपटॉप ना रखें।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं-

योग की शुरुआत में छोटे-छोटे योग सेशन करें, ताकि शरीर में किसी तरह की कोई तकलीफ महसूस ना हो। शुरुआत में मांसपेशियों में दर्द हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे ये दर्द खुद ब खुद दूर हो जाएगा। अपनी उम्र और शारीरिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ही योग का अभ्यास करें।

योग के लिए शांत जगह चुनें-

योग करने के लिए किसी शांत जगह को चुनें। फिर आरामदायक स्थिति में बैठ जाएं। अब गहरी और लंबी सांस लें। ऐसा करने से दिमाग शांत रहता है और शरीर आरामदायक स्थिति में आ जाता है।

पहले करें आसान योगासन-

योग की शुरुआत करने के लिए सबसे पहले किसी आसान योग का सहारा लें। इसके लिए आप ताड़ासन, शवासन, कपालभाती जैसे योगासन का अभ्यास कर सकते हैं। ये सभी आसान आपके शरीर को मुश्किल योगासन का अभ्यास करने के लिए तैयार करते हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए वरदान हैं कुछ योगासन

आजकल खराब दिनचर्या और गलत खान-पान के कारण मधुमेह या डायबिटीज या शुगर एक आम समस्या बन गई है। बड़ों से लेकर बच्चों तक, यह समस्या देखने को मिल जाती है। देश की एक बड़ी आबादी इस रोग की चपेट में है। शरीर में पेंक्रियाज जब इंसुलिन का उत्पादन बंद कर देता है तो व्यक्ति के शरीर में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ने लगती है और वो डायबिटीज का शिकार हो जाता है। शुगर का रोगी होना किसी भी व्यक्ति के लिए बहुत ही कष्टमय हो जाता है। लोग शुगर लेवल को कम करने या मेंटेन करने के लिए तरह-तरह के नुस्खे आजमाते हैं और महंगी दवाइयां भी लेते हैं, लेकिन फिर भी कोई खास अंतर नहीं देखा जाता है। शुगर के रोगी अगर अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव कर योग अपनाएं तो इसे नियंत्रित कर सकते हैं। आज हम कुछ ऐसे ही योगासन के बारे में बता रहे हैं हैं जिन्हें डायबिटीज रोगियों के लिए वरदान माना जाता है।

मंडूकासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले घुटनों को मोड़कर वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं और अंगूठे को हथेली में अंदर की तरफ मोड़ लें और मुट्ठी को जोर से बंद कर लें। अब दोनों हाथों की बंद मुट्ठियों को नाभि के ऊपर रख लें। अब सांस खींचें और सांस को

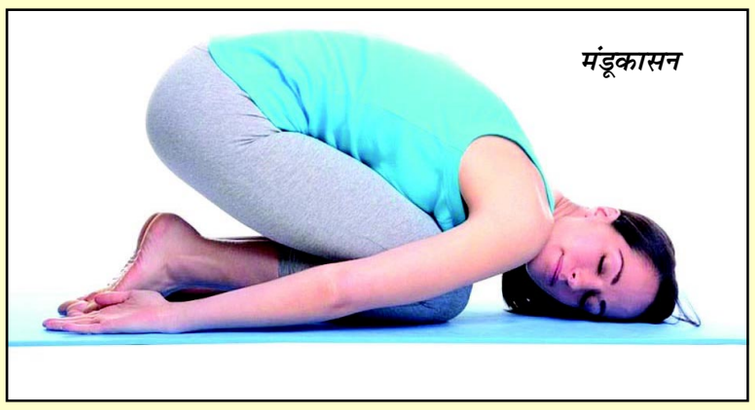

छोड़ते हुए अपने शरीर को आगे की ओर झुकाएं कुछ समय तक इस अवस्था में रहने के बाद सांस लेते हुए वापस वज्रासन मुद्रा में आ जाएं। इस प्रक्रिया को 3 से 4 बार दोहराएं।

- इस आसन को करने से पेट के अंदर के अंगों को मसाज मिलती है और पाचन तंत्र भी ठीक रहता है।
- मंडूकासन पेंक्रियाज को उत्तेजित करता है और डायबिटीज को नियंत्रित करने में बहुत फायदेमंद है।

कपालभाति प्राणायाम

सबसे पहले ध्यान मुद्रा में बैठे और आंखों को बंद कर लें और शरीर को तनाव मुक्त करके शरीर को ढीला छोड़ दें। अब अपनी दोनों नासिकाओं से सांस लें जिससे पेट फूल जाए और पेट की पेशियों को बल के साथ सिकोड़ते हुए सांस को छोड़े। ध्यान रहे कि सांस खींचते समय किसी प्रकार के बल का प्रयोग ना करें।

- मधुमेह रोगियों के लिए कपालभाति प्राणायाम करना बहुत फायदेमंद होता है। इससे पूरे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर होता है।

पश्चिमोत्तानासन

सबसे पहले एक समतल स्थान पर बैठ जाएं और अपने पैरों को सामने की तरफ फैलाएं। अब सांस लेते हुए अपने शरीर को आगे की ओर ले जाएं और अपने हाथों से पैर के अंगूठे को पकड़ने की कोशिश करें। अब अपने सिर को घुटनों पर लगाने का प्रयास करें और कुछ देर तक इसी अवस्था में रहें।

हलासन

सबसे पहले हलासन के लिए जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं और अपने दोनों पैरों को 90 डिग्री एंगल में ऊपर की ओर सीधा लेकर जाएं। इसके बाद अपनी कमर और हिप्स को हाथों से सहारा दें। अब अपने पैरों को सिर के ऊपर से सीधा पीछे की ओर ही ले जाने का प्रयास करें। अपने पैरों से जमीन को छुए और पैर सीधे ही रखें। डायबिटीज रोगियों के लिए यह काफी अच्छा रहता है लेकिन जो गर्भवती हैं या फिर जो लोग हाई बीपी या कमर दर्द के शिकार हैं, वो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

धनुरासन

धनुरासन करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं और सांस भरते हुए घुटनों को मोड़ें। दोनों हाथों से अपनी एड़ियां पकड़ने की कोशिश करें। अब अपने सिर, सीना, जांघ को ऊपर की तरफ उठाएं और शरीर का सारा भार पेट के निचले हिस्से पर ले आएं। इस आसन को करने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

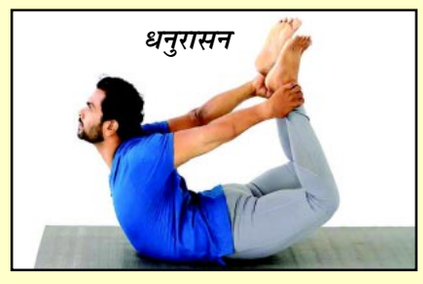

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**